* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

29 अगस्त, 2024
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 09, अंक 309

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

उनको राज्य का हर अल्पसंख्यक घुसपैठी लगता है : हेमंत सोरेन

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND
सत्यमेव जयते

अनुबंध आधारित
सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (CHO)

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

आवश्यक सूचना

आकस्मिक स्थिति में किसी भी मरीज को एंबुलेंस द्वारा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने हेतु राज्य हेल्पलाईन नंबर **108 (टॉल फ्री)** पर कॉल करें

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी हेतु 24x7 नि:शुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर **104 (टॉल फ्री)** पर कॉल करें

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

गरिमामयी उपस्थिति
श्री बन्ना गुप्ता
माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग और खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड सरकार

दिनांक: 29 अगस्त 2024 | समय : अपराह्न 12:00 बजे
स्थान : प्रोजेक्ट भवन, रांची

स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

P.R. 333501 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

सर्राफा
सोना (बिक्री) 67,500 रु./10 ग्राम
चांदी 86,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 29 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
02

चंपाई सोरेन की परीक्षा का समय शुरू होता है अब

- चुनाव में साफ हो जायेगा टाइगर की उपाधि गुरुजी के विश्वासपात्र रहने से मिली थी, या खुद के दमखम पर
- बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन की तुलना बेमानी
- बाबूलाल मरांडी झारखंड के नेता हैं और चंपाई सोरेन कोल्हान की तक सीमित

पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा में शामिल होने जा रहे चंपाई सोरेन की कोल्हान के राजनीतिक फलक पर पकड़ की परीक्षा 28 अगस्त से शुरू हो गयी। 28 अगस्त तो उन्होंने झामुमो पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा सौंप दिया। चार दिन पहले उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिये लिखा था कि वक्त आने दे दिखा देंगे तुझे ए आसमां, हम अभी से क्यों बतायें क्या हमारे दिल में है। इस पोस्ट के माध्यम से चंपाई ने अपने विरोधियों को यह जताने की कोशिश की कि झारखंड की राजनीति खासकर कोल्हान क्षेत्र में उनका महत्व क्या है। और जब समय आयेगा, तब वह दिखा देंगे कि कोल्हान टाइगर उन्हें ऐसे ही नहीं कहा जाता। लेकिन अब मोटिवेशनल स्पीच नहीं, चंपाई सोरेन को यह साबित करना होगा कि क्या उन्हें कोल्हान टाइगर की उपाधि गुरुजी शिबू सोरेन के विश्वासपात्र होने से मिली थी, या खुद के दम-खम से उन्होंने हासिल की थी। जब से चंपाई सोरेन के भाजपा में आने की बात चली है, तब से चंपाई और बाबूलाल मरांडी को लेकर राजनीतिक गलियारे में कई सवाल उठाये जा रहे हैं। लोग दोनों में तुलना भी कर रहे हैं। जाहिर है बाबूलाल मरांडी का झारखंड की राजनीति में जो कद है और उनके पास झारखंड के मुद्दों की जो समझ है, उसकी तुलना चंपाई से नहीं की जा सकती। बाबूलाल की पहचान झारखंड नेता के रूप में स्थापित है। वहीं चंपाई का प्रभाव खासकर कोल्हान तक सीमित है। यहां यह भी समझना जरूरी है कि पहले की बात कुछ और थी, जब चंपाई सोरेन जेएमएम के नेता थे, वह गुरु जी शिबू सोरेन को अपना आदर्श मानते थे और जेएमएम उनके लिए सर्वोपरि था। पहले उन्हें हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पूरी आस्था थी और वह जेएमएम के समर्पित सिपाही होने के कारण पार्टी का हर आदेश मानते थे। उनके गुरुजी के प्रति विश्वास और पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए, कोल्हान के जेएमएम समर्थकों ने उन्हें टाइगर की उपाधि से नवाजा था। चंपाई के इसी विश्वास और लगन के कारण, हेमंत सोरेन को जब जेल हुई, तब उन्होंने परिवार में अपनों की जगह, चंपाई सोरेन पर विश्वास किया और अपने उत्तराधिकारी के रूप में चंपाई सोरेन को सीएम की कुर्सी सौंप दी। हेमंत के जेल से बाहर आने के बाद झारखंड के बदले राजनीतिक हालात के कारण झामुमो और कांग्रेस ने यह तय किया कि सीएम पद की कुर्सी फिर से हेमंत सोरेन को सौंप दी जाये। उसका आधार बना हाइकोर्ट का वह आदेश, जिसमें हाइकोर्ट ने कहा था कि जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन की संलिप्तता का सीधा और कोई ठोस सबूत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने के ठोस सबूत अभी तक सामने नहीं आये हैं। हेमंत सोरेन को जमानत देते हुए हाइकोर्ट ने कहा था कि वह प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जमानत की दोनों शर्तों को पूरा करते हैं। उन्हें जेल में नहीं रखा जा सकता। हाइकोर्ट का यह आदेश

आजाद सिपाही विशेष

महागठबंधन और खासकर जेएमएम के लिए सुकून देनेवाला था। लिहाजा हेमंत सोरेन की पुनः ताजपोशी की तैयारी होने लगी। महागठबंधन की बैठक हुई, हेमंत सोरेन को नेता चुना गया और मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को जेएमएम ने इस्तीफा सौंपने को कहा। इस्तीफा सौंपने के निर्देश पर चंपाई सोरेन नाराज भी हुए और कुछ दिनों के लिए खुद को अकेलेपन में कैद कर लिया। जब हेमंत सोरेन ने फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो उन्होंने चंपाई सोरेन को अपनी कैबिनेट में फिर से जगह दी। चंपाई ने उसे सहर्ष स्वीकार भी किया और विभाग के कामकाज में लग गये। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीता, उन्हें ये एहसास हुआ कि उन्हें अपमानित किया गया है, और उनकी भावना को ठेस पहुंचायी गयी है। उनके इस अहसास में तब और वृद्धि हुई, जब भाजपा के तमाम बड़े नेताओं ने यह बयान दिया कि चंपाई का अपमान हुआ है। अब चंपाई सोरेन इन बयानों के बाद प्रभावित हुए या इस बीच भाजपा नेताओं के संपर्क में थे, इसे तो चंपाई ही बेहतर बता पायेंगे। फिलहाल चंपाई सोरेन हिमंता बिस्व सरमा के साथ गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात और उसके बाद भाजपा में शामिल होने की घोषणा और पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में आस्था जताने के बाद, झारखंड के राजनीतिक क्षितिज पर कुछ सवाल तैर रहे हैं। एक सवाल यह भी किया जा रहा है कि क्या चंपाई सोरेन के पार्टी में आने के बाद बाबूलाल मरांडी की पार्टी में कद पर असर पड़ेगा? यहां सवाल भी उठ रहे हैं कि एक म्यान में दो तलवारें कैसे रह सकती हैं। सवाल तो यह भी उठ रहा है कि हाल के दिनों में भाजपा आदिवासी समाज पर ही फोकस कर रही है, जो उसके कोर मतदाता हैं, यानी हिंदू और बिहारी मतदाताओं पर फोकस नहीं है। यही सवाल लोकसभा चुनाव में भी उठा था, जिसका जवाब भाजपा के कोर मतदाताओं ने देश भर में दे दिया। जाहिर है, जब ऐसे सवाल उठेंगे, तो बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन के बीच फर्क की पड़ताल भी होगी। बाबूलाल मरांडी ऐसे आदिवासी नेता हैं, जिनकी पकड़ आदिवासी और गैर आदिवासी दोनों में समान रूप से है। बाबूलाल मरांडी झारखंड के नेता हैं और चंपाई सोरेन की पैठ कोल्हान की कुछ सीटों तक ही सीमित है। नक्सलियों का सफाया करने के क्रम में बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया था, लेकिन यहां तो अधिकतर नेता अपने पुत्र को टिकट दिलाने की पैरवी में लगे रहते हैं। शिबू सोरेन ने जब हेमंत सोरेन को आगे बढ़ाया, तो चंपाई सोरेन भी अब अपने पुत्र को टिकट दिलाना चाहते हैं। क्या अंतर है बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन के बीच और कैसे अब जेएमएम से अलग होकर चंपाई सोरेन के समक्ष अपने प्रभाव का एहसास दिलाने की चुनौती है, इस पर विस्तार से बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बात, जो बाबूलाल मरांडी को दूसरे नेताओं से अलग करती है

दरअसल, बाबूलाल मरांडी झारखंड की वह संपदा हैं, जिसका बार-बार दोहन हुआ, लेकिन उनके राजनीतिक चेहरे पर चमक आज भी बरकरार है। वह राजनीति के कठोर झंझावातों से होकर गुजरे हैं। उनके चेहरे पर हर समय मुस्कान तो दिखती है, लेकिन उसके पीछे कई दर्द की श्रृंखला भी है। झारखंड को अव्वल बनाने की चाहत ने उनसे कई बलिदान भी लिये हैं। बाबूलाल मरांडी शुरू से ही पार्टी और संगठन को मजबूत बनाने में विश्वास रखते रहे हैं। जब बाबूलाल मरांडी हाइस्कूल में पढ़ रहे थे, उसी समय से संघ से उनका संपर्क होना शुरू हुआ। जब वह कॉलेज आये, तब वह नियमित रूप से शाखा में आना-जाना करने लगे। वर्ष 1983 में गंगा जल लेकर गिरिडीह में विश्व हिंदू परिषद का जो कार्यालय था, वहां यात्रा निकालने की जिम्मेदारी बाबूलाल के ऊपर थी। यही वह दौर था, जब बाबूलाल पूरी तरह से संघ से जुड़ गये। उन्होंने वर्ष 1981 में इंटर पास करने के बाद एक साल तक शिक्षक की नौकरी की, प्राइमरी स्कूल में। शिक्षक की नौकरी के दरम्यान एक घटना ने बाबूलाल को अंदर से हिला कर रख दिया। पसरे भ्रष्टाचार का पहला अनुभव उन्होंने वहीं किया और नौकरी को ठोकर मार दी। वर्ष 1998 का लोकसभा चुनाव। बाबूलाल के सामने थे झारखंड के सबसे ताकतवर आदिवासी नेता शिबू सोरेन। इस चुनाव में बाबूलाल मरांडी ने शिबू सोरेन को हरा कर अपना लोहा मनवाया। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनी, लेकिन वह सरकार 13 दिन में ही गिर गयी। उस सरकार में उन्हें वन पर्यावरण राज्यमंत्री बनाया गया था। उसके बाद 1999 में फिर चुनाव हुआ। उस चुनाव में शिबू सोरेन नहीं लड़े। उनकी पत्नी रूपी सोरेन चुनाव मैदान में थीं। उस समय भी बाबूलाल मरांडी जीते और अटल जी की सरकार में उन्हें वन पर्यावरण राज्यमंत्री बनाया गया। इसी बीच 2000 में अलग राज्य की घोषणा हो गयी। भाजपा को मुख्यमंत्री पद के लिए चुनाव करना था। इस दौड़ में कड़िया मुंडा सबसे आगे थे। बात तो यहां तक सामने आयी कि उन्हें दिल्ली से रांची लाने के लिए कोल इंडिया का विमान भी तैयार था। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की दूरदर्शिता के कारण बाबूलाल मरांडी झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बने। अपने मुख्यमंत्रित्व काल में उन्होंने बेहतरीन काम किये, जिसे लोग आज भी याद करते हैं। 28 महीनों में ही बाबूलाल मरांडी ने सड़क से लेकर बिजली, परिवहन व्यवस्था, ट्रेन और उसकी कनेक्टिविटी की सुविधा तक को दुरुस्त करने पर काम किया। उन्होंने रूरल कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया। उनका विजन था कि झारखंड की सिर्फ राजधानी स्मार्ट नहीं हो, शहर सिर्फ स्मार्ट नहीं हों, बल्कि गांव भी स्मार्ट हों। बाबूलाल ने मेरे द्वारा लिये गये एक इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि उनके मुख्यमंत्रित्व काल में भी भ्रष्टाचार था। कहा था कि भ्रष्टाचार की बात सोच कर हमें रात में नींद नहीं आती थी। उस पर उन्होंने लगाम लगाने का बहुत प्रयास किया था। 2002 के अगस्त महीने में जब इंडिया टुडे ग्रुप ने देश के मुख्यमंत्रियों पर जनता की राय ली थी, तब चंद्रबाबू नायडू सबसे बेहतर मुख्यमंत्री पाये गये थे, दूसरे स्थान पर नारायण दत्त तिवारी थे और तीसरे स्थान पर झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी। यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि थी। झारखंड जैसा राज्य, जो गरीबी और नक्सली समस्या की मार झेल रहा था, वहां पर इतने कम समय में बाबूलाल मरांडी ने अपने काम के बूते झारखंड को एक अलग पहचान दिलायी। तब के और अभी के सर्वे में बहुत अंतर है। तब मीडिया पर यह आरोप नहीं लगता था कि वह मैनेज होती है और यह भी प्रचलन में नहीं था कि नेता पैसा खिला कर अपनी वाहवाही बटोरे।

नक्सलियों पर लगाम लगाने की कीमत चुकायी बाबूलाल ने

झारखंड में नक्सलियों का आतंक चरम पर था। बाबूलाल मरांडी ने उन पर लगाम लगाने की पूरी कोशिश की थी। उन्हें कामयाबी भी हासिल हुई, लेकिन नक्सलियों ने इसका बदला, उनके बेटे की हत्या कर लिया। बाबूलाल को झारखंड की जनता की सुरक्षा की कीमत अपने बेटे को गंवा कर चुकानी पड़ी। उन दिनों बाबूलाल मरांडी का नाम नक्सलियों की हिटलिस्ट में सबसे ऊपर था। दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का नाम था और तीसरे नंबर पर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का नाम था।

अब बात चंपाई सोरेन की

चंपाई सोरेन ने 90 के दशक में अलग झारखंड राज्य आंदोलन के जरिये राजनीति में कदम रखा था। पहली बार वर्ष 1991 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी राजनीति में कदम रखा। वह सरायकेला विधानसभा के उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कर विधायक बने। वर्ष 1995 में चंपाई सोरेन ने जेएमएम के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीते। चंपाई सोरेन ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में सिर्फ एक बार वर्ष 2000 में हार का मुंह देखा। वह भाजपा के अनंत राम टुडू से चुनाव हार गये थे। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा। वह अभी भी कोल्हान टाइगर के नाम से जाने जाते हैं। चंपाई सोरेन का पूरा राजनीतिक जीवन शिबू सोरेन की छात्र छाया में गुजरा। वह शिबू सोरेन को अपना आदर्श भी मानते हैं। कोल्हान की सात सीटों पर चंपाई का प्रभाव ज्यादा देखने को मिलता है। लेकिन उन सीटों पर शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन का प्रभाव भी रहा है। जेएमएम के लिए संथाल से सुरक्षित कोल्हान को माना जाता है। यहां सवाल यह उठता है कि अब जब चंपाई सोरेन पर शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन और जेएमएम कार्यकर्ताओं का साथ नहीं रहेगा, तब क्या वह अपना जादू उसी प्रकार बिखेर पायेंगे जैसा पहले बिखेरने में कामयाब रहे। क्या चंपाई सोरेन भाजपा में आने के बाद कोल्हान को बचा पायेंगे। क्योंकि चंपाई सोरेन का पूरा कार्यकाल तो झारखंड मुक्ति मोर्चा की छत्रछाया में रहा है। अब तो चंपाई सोरेन को साबित करना होगा कि अब भी वह कोल्हान के टाइगर हैं।

चंपाई के सामने पहली चुनौती

चंपाई जब जेएमएम में थे, तब जेएमएम के सभी कार्यकर्ता उनकी सुना करते थे, लेकिन क्या पार्टी से अलग होने के बाद, उन जेएमएम कार्यकर्ताओं, जिनके भरोसे वह परफॉर्म करते रहे हैं, क्या उनका सहयोग उन्हें हासिल होगा। सवाल तो यह भी उठेगा कि क्या भाजपा के कार्यकर्ता उन्हें कोल्हान में सहयोग पूरा करेंगे। जो पार्टी से सालों उम्मीद लगाये हुए हैं, क्या वे नेता या कार्यकर्ता दिल से चंपाई का समर्थन करेंगे। सीता सोरेन का उदाहरण सामने है। झामुमो छोड़ सीता सोरेन भाजपा में आयीं। भाजपा ने दुमका से पूर्व में घोषित उम्मीदवार और तत्कालीन सांसद सुनील सोरेन का टिकट काट कर सीता सोरेन को दे दिया। उस चुनाव में क्या हुआ। इधर उधर की छोड़िये, खुद सीता सोरेन ने आरोप मढ़ा कि भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का सहयोग नहीं मिला था। भाजपा में शामिल होते समय सीता सोरेन को उम्मीद थी कि दुर्गा सोरेन की पत्नी और गुरुजी की बहू होने के कारण उन्हें दुर्गा सोरेन के प्रति समर्पित झामुमो कार्यकर्ताओं का साथ मिलेगा। लेकिन चुनाव में उलट पड़ गया। जेएमएम का एक नेता भी उनके साथ नहीं आया। वैसे चुनाव से पूर्व यह माना जा रहा था कि दुमका सीट भाजपा के लिए आसान है। कारण 2019 के चुनाव में भाजपा के सुनील सोरेन ने दुमका सीट करीब 20 हजार मतों से जीती थी। जब परिणाम सामने आया, तो स्पष्ट हो गया कि वह बीस हजार वोट तो सीता सोरेन से छिटका ही, बीस हजार और वोट उनके खिलाफ पड़ गया। इस प्रकार वह नलिन सोरेन से हार गयीं।

दूसरा उदाहरण

चंपाई सोरेन अपने ऊपर हुए अन्याय और अपमान को मुद्दा बना रहे हैं। सीता सोरेन ने भी लोकसभा चुनाव में इसे ही मुद्दा बनाया था। उन्होंने तो खुल कर हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन पर इल्जाम लगा कर पार्टी छोड़ी थी। वह चुनावी सभाओं में कह रही थीं कि उन्हें बार-बार अपमानित किया गया। आरोप तो उन्होंने उस शिबू सोरेन पर भी लगा दिया, जिन्हें वह आदर्श मानती थीं। इसकी भारी प्रतिक्रिया हुई। सीता सोरेन को गलती का एहसास हुआ। उन्होंने माफी तक मांगी। लेकिन बात जुबां से निकल जाने के बाद वापस नहीं होती। नतीजा क्या हुआ? जनता को वह समझाने में विफल रहीं। इसके उलट वहां के लोगों और कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनील सोरेन के साथ हुए अन्याय की बात उठा डाली। सुनील सोरेन को तो टिकट भी मिल गया था। वह सीटिंग सांसद भी थे। उसके बाद भी भाजपा द्वारा उनका टिकट काटा गया और सीता सोरेन को पार्टी में शामिल करा कर टिकट दिया गया। अंततः सीता सोरेन चुनाव हार गयीं।

अब बात कल्पना सोरेन की

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने लोकसभा चुनाव के वक्त हेमंत सोरेन के जेल भेजे जाने पर अन्याय की बात जनता के समक्ष रख दी। उन्होंने कहना शुरू किया आपके भाई को भाजपा ने इसलिए जेल भिजवाया, क्योंकि वह आपके हित की बात करते थे। आपकी खातिर उन्होंने समझौता नहीं किया। वे झुके नहीं। कल्पना सोरेन की यह व्यथा जनता में असर कर गयी। कई सभाओं में उनकी आंखों से आंसू भी निकले। वे आंसू चूंकि बनावटी नहीं थे, इसलिए उसका जबरदस्त असर पड़ा। कल्पना सोरेन की सभाओं में भारी भीड़ होने लगी। देखते ही देखते उन्होंने राजनीति में धमाकेदार इंट्री कर दी। इससे जेएमएम के साथ-साथ कांग्रेस को भी दो सीटों का फायदा हो गया। इसका मतलब यही है कि जनता भी आंकती है कि किस लेवल का अन्याय हुआ है। किसकी व्यथा जेनुइन है। किसके आंसू असली हैं और किसके बनावटी। किसकी आंसुओं में ज्यादा सच्चाई है। अब देखने वाली बात यह होगी कि चंपाई सोरेन अपने साथ हुए अन्याय की बात को किस तरह कोल्हान की जनता के समक्ष रखते हैं और जनता उससे कितना प्रभावित होती है।

तीसरा उदाहरण

चंपाई के सामने एक और उदाहरण है। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बहरागोड़ा से समीर मोहंती का टिकट काट जेएमएम के तेज तर्रार नेता कुणाल षाड़ंगी पर भरोसा जताया और उन्हें टिकट दे दिया गया। नतीजा क्या हुआ। तमाम प्रयास के बावजूद कुणाल चुनाव हार गये। कुणाल की पहचान जेएमएम से थी, कुणाल के प्रचार में रघुवर दास से लेकर अमित शाह भी आये थे। तब भी परिणाम उलटा रहा।

चौथा उदाहरण गीता कोड़ा का भी है। गीता कोड़ा कांग्रेस के टिकट से सांसद थीं। लेकिन उन्होंने भी 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का दामन थामा। गीता कोड़ा को उनके ही कार्यकर्ताओं के साथ-साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं का भी पूरा साथ नहीं मिला। गीता चुनाव हार गयीं। माना जाता है कि कोड़ा दंपति का चाइबासा में अपना बड़ा जनाधार है। हो जाति के लोग उनके साथ हैं, लेकिन भाजपा में आते ही हो समुदाय के लोग उनसे दूर चले गये और यहां गीता फेल हो गयीं।

मौजूदा परिस्थितियों में एक तरफ जहां विधानसभा चुनाव में चंपाई सोरेन के सामने अपनी सरायकेला सीट बचाने की चुनौती होगी, वहीं भाजपा की उम्मीदों पर खरा उतरने की भी चुनौती होगी। उनके सामने परेशानी यह है कि सरायकेला से भाजपा से रमेश हांसदा भी अपनी तैयारी में लगे थे। अब चंपाई प्रकरण के बाद उन्हें भी ठगा हुआ महसूस हो रहा होगा। उनके दिल से अगर कसक नहीं गयी तो वह भी अपना रुख किसी और दिशा में बदल सकते हैं। कहीं कुणाल षाड़ंगी और समीर मोहंती वाला केस न हो जाये।

निष्कर्षः अगर चंपाई सोरेन कोल्हान में सीट निकाल पाये, भाजपा को विधानसभा चुनाव में कोल्हान में फायदा हुआ, तो निश्चित ही पार्टी में उनका कद बढ़ेगा, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती तब सामने आयेगी, जब परिणाम आशाजनक नहीं होगा। इस बातों के लिए चंपाई सोरेन को तैयार रहना होगा।

कुर्सी छोड़ दी, लेकिन गलत दबाव नहीं माना

मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने 28 महीनों तक बेदाग सरकार चलायी। उनके कार्यकाल के दौरान गठबंधन सरकार के तत्कालीन नेताओं लालचंद महतो, मधु सिंह, रमेश सिंह मुंडा और जलेश्वर महतो, समरेश सिंह ने बिजली बोर्ड के तत्कालीन चेयरमैन राजीव कुमार को हटाने की मांग रख दी। राजीव कुमार उस समय बिजली विभाग में अच्छा काम कर रहे थे और उनके काम में कोई गलती नहीं थी। बाबूलाल ने उन नेताओं का प्रस्ताव मानने से इंकार कर दिया और नतीजा यह हुआ कि उन्हें कुर्सी छोड़नी पड़ी।

बाबूलाल मरांडी को अन्य नेताओं से अलग करती है उनकी चल्लेंजिंग स्पिरिट। वह कभी भी आदिवासी नेताओं का हक मार चुनावी मैदान में नहीं उतरे। जब बाबूलाल मरांडी झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बने, तो उन्हें झारखंड विधानसभा का सदस्य बनने के लिए चुनाव लड़ना था। चाहते तो वह पार्टी के किसी विधायक को कह कर अपने मनमाफिक सीट से चुनाव लड़ सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने किसी का हक नहीं मारा। उन्होंने रामगढ़ की सामान्य सीट से चुनाव लड़ा और जीते। उस समय वह सीट खाली थी। यहां से चुनाव लड़ने का मुख्य कारण यही था कि वह बताना चाहते थे कि वह सबके नेता हैं। उस समय जब बाबूलाल मरांडी को चुनाव लड़ना था, तो उस समय भाजपा के कद्दावर नेता कैलाशपति मिश्र ने उन्हें बहुत मना किया था कि रामगढ़ से वह चुनाव नहीं लड़ें। उन्होंने कहा था कि बहुत रिस्क है। लेकिन बाबूलाल ने कहा कि उन्हें रिस्क में ज्यादा मजा आता है। कैलाशपति मिश्र ने कहा कि हार जाने पर पता है न क्या करना पड़ेगा। फिर बाबूलाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पद से रिजाइन करना पड़ेगा और क्या होगा। उप चुनाव में वह रामगढ़ से लड़े और जीत गये।

एक और उदाहरण। 2019 में जब बाबूलाल मरांडी जेवीएम में थे, तो विधानसभा लड़ने की बात हुई। उस समय भी वह सुरक्षित सीट की खोज में नहीं गये। वह राजधनवार की सामान्य सीट से चुनाव लड़े और जीते। झारखंड में संथाल और आदिवासियों के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के बाद किसी दूसरे नेता का नाम अगर आता है, तो वह बाबूलाल मरांडी ही हैं। जब बाबूलाल मरांडी ने अपनी अलग पार्टी जेवीएम बनायीं थी, तब उन्होंने खुद को साबित भी किया था। उन्हें विधायक बनाने की फैक्ट्री भी कहा जाता था। बिना धनबल के उनकी पार्टी ने झारखंड विधानसभा के चुनावों में अलग छाप छोड़ी थी। 2009 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल की पार्टी ने 11 विधानसभा सीटें जीती थीं। 2014 में आठ और 2019 में तीन। यही नहीं, लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने किसी सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ने की जगह कोडरमा सामान्य सीट से 2004 और 2009 में चुनाव लड़े और जीते।

www.epaper.azadsipahi.in

29 अगस्त, 2024
भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

रांची
गुरुवार, वर्ष 09, अंक 309

ओड़िशा में भ्रष्ट अधिकारियों पर एसआइटी की नजर

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

न्यूज रील्स

कोलकाता कांड में फंसे पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष आइएमए से सस्पेंड

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब सीबीआइ ने उनका नाम उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के संबंध में दर्ज किया है।

नौसेना को मिलेगी घातक अरिघात परमाणु पनडुब्बी

नयी दिल्ली। 29 अगस्त का दिन देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय नौसेना के लिए बेहद अहम रहने वाला है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाली देश की दूसरी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आइएनएस अरिघात राष्ट्र को समर्पित की जायेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 29 अगस्त को विशाखापत्तनम का दौरा करेंगे, जहां वह इस पनडुब्बी को भारतीय नौसेना को सौंपेंगे। इस पनडुब्बी का निर्माण विशाखापत्तनम स्थित एसबीसी में किया गया है।

मुख्यमंत्री ने सरायकेला में केंद्र सरकार और भाजपा पर बोला हमला

उनको राज्य का हर अल्पसंख्यक घुसपैठी लगता है : हेमंत सोरेन

- असम और मप्र के नेता को यहां लाकर विष वमन करा रहे हैं
- हमारी सरकार बनते ही पीछे पड़ गये, साजिश कर जेल भेजा

आजाद सिपाही संवाददाता

गम्हरिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को सरायकेला में केंद्र सरकार और भाजपा पर जम कर निशाना साधा। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत लाभुकों के खाते में राशि हस्तांतरण के लिए आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों को झारखंड का हर अल्पसंख्यक बांग्लादेशी घुसपैठी नजर आता है। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले पांच महीने से राज्य को अशांत करने के लिए असम और मध्यप्रदेश से नेताओं को बुला कर साजिश रच रही है। यहां घुसपैठ के मुद्दे को हवा देकर सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ रही है। हमारी सरकार बनते ही हर घंटे उसे गिराने में जुटी रही। मुझे हर समय खदेड़ने का प्रयास किया। जब वह थक गयी, तो हमें षडयंत्र के तहत जेल भेज दिया। ऐसा ही काम वह हर उस राज्य में कर रही है, जहां की सरकार उसकी बात नहीं मानती। उन्होंने कहा कि भाजपा धनबल और सरकारी एजेंसियों के बल पर चुनी हुई सरकारों को अशांत करने में जुटी रहती है। उसने कई लोगों को जेल में डाला।

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार गरीब-गुरबों पर ध्यान देती है, उनका कर्ज माफ करती है, जबकि केंद्र सरकार अपने पूंजीपति मित्रों के लिए नीतियां बनाती है, उनका अरबों का कर्ज माफ करती है। हमने गरीबों का बिजली बिल माफ करने का फैसला किया है, तो उनके पेट में दर्द हो रहा है। उन्हें तो केवल हिंदू- मुस्लिम करना है। बेरोजगारी भत्ता को लेकर उठते सवाल पर मुख्यमंत्री ने मंच से विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जाकर ब्लॉक में पता करें कि राज्य के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता मिल रहा है या नहीं। विपक्ष के लोग तरह- तरह के षडयंत्र और साजिश रच कर सरकार को परेशान कर रहे हैं। आजकल नया नेता और नया कैंडिडेट कैसी-कैसी रोटी सेंक रहे हैं, यह राज्य की जनता देख रही है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक रूप से जब नहीं सफल हो पाते हैं, तो तरह- तरह के हथकंडे अपना कर सरकार को परेशान करते हैं।

हेमंत सोरेन ने कहा कि वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, पोटो हो के वंशज हर जुल्म और सितम को सहने के लिए तैयार हैं। हमारे राज्य से देश का खजाना चलता है।

(शेष पेज 04 पर)

कोल्हान की छह लाख से अधिक महिलाओं को मिली राशि

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कोल्हान प्रमंडल की छह लाख से अधिक महिलाओं के खातों में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत एक-एक हजार रुपये की राशि भेजी। उन्होंने कहा कि पिछले 15 से 20 दिनों के अंदर राज्य की लगभग 48 लाख महिलाओं को इस योजना के लाभ से आच्छादित किये जाने के लक्ष्य के साथ वह आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले दोनों में जिस बेटी-बहन की उम्र 21 साल हो जायेगी, स्वतः इस योजना से जुड़ जायेंगी। उन्होंने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि का हस्तांतरण कार्यक्रम पिछले दिनों संताल परगना में भी आयोजित किया गया था। उस कार्यक्रम में उपस्थित हजारों महिलाओं की भीड़ तथा उनके चेहरे की खुशी देखकर काफी अच्छा महसूस हुआ। भारी बारिश के बाद भी कार्यक्रम में शिरकत कर रही महिलाओं की खुशी, उत्साह, उमंग देखते बन रही थी।

चपांई का इस्तीफा

झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन को भेजी चिट्ठी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी पदों से त्याग-पत्र दिया। झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों, पिछड़ों एवं आम लोगों के मुद्दों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

पत्र में क्या लिखा चंपाई सोरेन ने

चंपाई सोरेन ने अपने पत्र में लिखा कि आदरणीय गुरु जी. जोहार ! मैं चंपाई सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा की वर्तमान कार्यशैली एवं नीतियों से विक्षुब्ध होकर, पार्टी छोड़ने को विवश हूं। अत्यंत ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आप के मार्गदर्शन में जिस पार्टी का सपना हम जैसे कार्यकर्ताओं ने देखा था एवं जिस के लिए हम लोगों ने जंगलों, पहाड़ों एवं गांवों की खाक छानी थी, आज पार्टी अपनी उस दिशा से भटक चुकी है। झामुमो मेरे लिए एक परिवार जैसा रहा एवं मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे इसे छोड़ना पड़ेगा। लेकिन पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम की वजह से मुझे बहुत ही पीड़ा के साथ यह कठिन निर्णय लेना पड़ा रहा है।

आपके वर्तमान स्वास्थ्य की वजह से आप सक्रिय राजनीति से दूर हैं तथा आपके अलावा पार्टी में ऐसा कोई फोरम नहीं है, जहां हम अपने मन की पीड़ा को बता सकें। इस वजह से मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं। आपके मार्गदर्शन में झारखंड आंदोलन के दौरान तथा उसके बाद भी मुझे जीवन में बहुत कुछ सीखने का अवसर प्राप्त हुआ है। आप सदैव मेरे मार्गदर्शक बने रहेंगे। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार करने की कृपा करें। सधन्यवाद!

चंपाई सोरेन की जासूसी के आरोप में स्पेशल ब्रांच के दो एसआइ फंसे

एफआइआर के बाद दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/नयी दिल्ली। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की जासूसी करने के आरोप में झारखंड पुलिस की स्पेशल ब्रांच के दो सब इंस्पेक्टरों को दिल्ली पुलिस ने चाणक्यपुरी थाने में हिरासत में लिया था। लंबी पूछताछ के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया है। दोनों 2018 बैच के सब इंस्पेक्टर हैं। जानकारी के अनुसार इन दोनों ने पूछताछ के दौरान आइजी प्रभात कुमार का नाम लिया है। ये दोनों चंपाई सोरेन के पीछे-पीछे कोलकाता गये और फिर वहां से दिल्ली गये। वे उसी होटल में ठहरे, जहां चंपाई सोरेन ठहरे थे। जब दोनों की गतिविधियां संदिग्ध दिखीं और पूछताछ की गयी, तो दोनों ने खुद को पत्रकार बता दिया। जब दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया, तो खुलासा हुआ कि दोनों झारखंड पुलिस के स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर हैं। इनसे पूछताछ में जानकारी मिली कि उनकी ड्यूटी आइजी प्रभात कुमार ने लगायी है। चंपाई सोरेन के आप्त सचिव के रूप में नियुक्त गुरु प्रसाद महतो ने दिल्ली के चाणक्यपुरी थाने में लिखित शिकायत की है। उसके आलोक में दिल्ली पुलिस ने उनसे पूछताछ की।

जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल समेत तीन रेल परियोजनाओं को मंजूरी मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल समेत तीन रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। ये परियोजनाएं झारखंड, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ को कवर करने वाली हैं। इन पर करीब 6456 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रेल मंत्री ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। तीन रेल परियोजनाओं में झारखंड और पश्चिम बंगाल की जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल रेल लाइन है। 121 किलोमीटर रेल लाइन पर 2170 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ओड़िशा और छत्तीसगढ़ की सरडेगा-भालुमुंडा नयी रेल लाइन के तहत 37 किलोमीटर रेल लाइन पर 1360 करोड़ रुपये खर्च होंगे। तीसरी रेल परियोजना में ओड़िशा की बरगढ़ रोड-नावापाड़ा रोड नयी लाइन है। इसके तहत 138 किलोमीटर रेल लाइन पर 2926 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मोहन भागवत को भी मिलेगी मोदी-अमित शाह जैसी सुरक्षा

एएसएल श्रेणी की सुरक्षा पानेवाले देश के तीसरे व्यक्ति

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा को और मजबूत कर दिया है। उन्हें अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसी सुरक्षा मिलेगी। दरअसल, गृह मंत्रालय ने मोहन भागवत की सुरक्षा को जेड प्लस से बढ़ा कर एएसएल (एडवांस्ड सिक्योरिटी लिएजॉन) में बदल दिया है। बता दें कि आरएसएस प्रमुख को अभी तक जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी। सूत्रों ने कहा कि गृह मंत्रालय ने कई जगहों पर मोहन भागवत की सुरक्षा में ढिलाई देखी, जिसके बाद ही उसके अधिकारियों ने नये सुरक्षा प्रोटोकॉल पर काम करना शुरू किया और आरएसएस प्रमुख की सुरक्षा को और मजबूत करने का फैसला लिया गया। ऐसा बताया जा रहा है कि कई भारत विरोध संगठन उन्हें निशाना बना रहे हैं। उनकी सुरक्षा बढ़ाये जाने की जानकारी सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दे दी गयी है। अब नयी सुरक्षा श्रेणी के अनुसार सीआइएसएफ की टीम उस स्थान पर पहले से ही मौजूद रहेगी, जहां मोहन भागवत दौरा करेंगे। मोहन भागवत को जून 2015 में जेड-प्लस की सुरक्षा दी गयी थी। इससे पहले कांग्रेस सरकार ने भी उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा कवर देने का आदेश दिया था। हालांकि उस समय केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने कर्मियों और वाहनों की कमी के कारण उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा उपलब्ध नहीं करायी गयी थी। जेड-प्लस सुरक्षा में 36 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं, जिसमें एनएसजी के भी 10 कमांडो होते हैं।

अपने मंत्री की जासूसी करवा रही हेमंत सरकार: बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आसन्न विधानसभा चुनाव में अपनी हार को देखते हुए पूरी तरह बौखला गये हैं। हेमंत सरकार पूरी तरह से अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक निर्णय लेते हुए सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इतना नैतिक पतन हो गया है कि सत्ता पाने के लिए पिता समान चंपाई सोरेन, लोबिन हेंब्रम, मां समान भाभी सीता सोरेन की क्या, वे किसी की भी बलि ले सकते हैं। ऐसा लग रहा कि वे औरंगजेब जैसा व्यवहार कर रहे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में चंपाई सोरेन की गतिविधियों, उनके झारखंड और राज्य से बाहर के दौरों पर कड़ी नजर रखने के लिए राज्य पुलिस की विशेष शाखा ने पुलिसकर्मियों को गुप्त तरीके से लगाया है। खबर तो यहां तक आ रही कि उन्हें हनी ट्रैप में भी फंसाने की योजना बनायी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी संभावना भी है कि राज्य सरकार चंपाई सोरेन सहित कई अन्य नेताओं की फोन टेपिंग भी करवा रही हो। इनमें राज्य के माननीय न्यायाधीश भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह निजता का हनन है।

कोलकाता की घटना से निराश और भयभीत हैं राष्ट्रपति

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे देश में गुस्सा और नाराजगी का माहौल है। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह घटना से निराश और भयभीत हैं। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए राष्ट्रपति ने महिला अपराधों पर रोक का आह्वान किया और कहा कि अब बहुत हो गया, अब समय आ गया है कि भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की विकृति के प्रति जाग जाये और उस मानसिकता का मुकाबला करे, जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान के रूप में देखती है। एक लेख में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, इतिहास का सामना करने से डरने वाले समाज सामूहिक भूलने की बीमारी का सहारा लेते हैं। अब समय आ गया है कि भारत इतिहास का सामना करे। महिला अपराधों पर राष्ट्रपति ने कहा कि हमें इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटना चाहिए, ताकि इसे शुरू में ही रोका जा सके। जो लोग इस तरह के विचार रखते हैं, वे महिलाओं को एक वस्तु के रूप में देखते हैं। अपनी बेटियों के प्रति यह हमारा दायित्व है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दे सकता। देश को इस पर गुस्सा जाहिर करना ही चाहिए और मैं भी इससे गुस्से में हूं। राष्ट्रपति ने 'महिला सुरक्षाः बस बहुत हुआ' शीर्षक से लिखे लेख में पहली बार कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना पर अपने विचार रखे। इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल समेत देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। घटना को लेकर मंगलवार को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई और बुधवार को बंगाल बंद का आयोजन किया गया।

चंपाई सोरेन की जासूसी के आरोप पर झामुमो का पलटवार

भाजपा ने प्रपंच रचा, पोल खुली, माफी मांगे : विनोद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा द्वारा चंपाई की जासूसी के आरोपों पर पलटवार किया है। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि झूठ बोल-बोल कर भाजपा के नेताओं ने पूरे देश का बेड़ा गर्क करके रखा हुआ। ठगी, झूठ और उपद्रव जैसे चाल, चरित्र और चेहरा रखने वाले भाजपा एक्सपोज हो गयी है। भाजपा के नेताओं को देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय की तरफ से जारी बयान से यह साफ हो गया है कि दिल्ली में झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के दो एसआइ इसी कार्य के निर्वहन के दौरान गलत फहमी के कारण निरुद्ध हुए थे, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। पुलिसकर्मियों का पदस्थापन सुरक्षा के लिए किया गया था। वह किसी व्यक्ति विशेष की जासूसी नहीं कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे दिन भाजपा के बड़े कद के नेता जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी सहित कई शामिल हैं, सभी ने चंपाई सोरेन की जासूसी की तथ्यहीन सूचना सिर्फ और सिर्फ फरेब के लिए फैलायी है। बाबूलाल भी हिमंता की तरह मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्हें भी अच्छी तरह यह मालूम होगा कि चंपाई सोरेन उच्च सुरक्षा श्रेणी से आच्छादित हैं।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 29 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
04

राज्यपाल ने मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल का किया निरीक्षण

मारसल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति सदस्यों के साथ किया संवाद

दीपक कुमार

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को हजारीबाग जिले के मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल केंद्र, प्रखंड-चुरचू का अवलोकन किया। राज्यपाल वहां बच्चों से मिले और वहां बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

इसके पश्चात राज्यपाल महोदय ने मारसल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लि उत्पादक केंद्र पंचायत बहेरा का अवलोकन किया और बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों के साथ संवाद किया और उनके उत्पादों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों के कार्यों की सराहना की। कहा कि बुनकर सहयोग समिति के कार्य हमारी बहनों के हित में ध्यान में रखते हुए हो। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों की आय में वृद्धि हो, ऐसा प्रयास हो। राज्यपाल ने कहा कि वे बुनकरों की कार्यप्रणाली व समस्याओं से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी व गुणवत्तापूर्ण बुनकरो के द्वारा निर्मित वस्त्रों की मांग बाजार में बहुत है और इस क्षेत्र में बहुत संभावनायें हैं। उन्होंने बुनकरों को प्रोत्साहित किया और कहा कि वे अपनी समस्याओं को लिखकर राज भवन में प्रेषित कर सकती हैं। राज्यपाल के समक्ष बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये। मौके पर प्रमंडलीय आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा, डीआइजी सुनील भास्कर, उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, प्रशिक्षु आइएएस लोकेश बारंगे और अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद

कुजू में ग्रामीणों से किया संवाद

प्रदूषित पानी पीने से अधिक लोग हो रहे बीमार : राज्यपाल संतोष गंगवार

पेयजल समस्या सहित कुजू रेलवे साइडिंग प्रदूषण मुद्दा रहा हावी

अमरजीत कुमार

कुजू (आजाद सिपाही)। केंद्र सरकार के साथ-साथ झारखंड की सरकार जनता के विकास को लेकर बेहतर कार्य कर रही है। आम जनता को योजनाओं की जानकारी लेकर उसका लाभ लेने की जरूरत है। उक्त बातें झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने बुधवार को कुजू पूर्वी पंचायत सचिवालय में ग्रामीणों के साथ सवांद सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं को उज्ज्वला योजना कनेक्शन दिया जा रहा है।आज देश के 80 करोड़ जनता को निःशुल्क अनाज देने का काम कर रही है। उन्होंने वैश्विक कोरोना काल की बातों को याद करते हुए कहा कि इस काल में हमारे कई लोगों की जान चली गयी, लेकिन विश्व में सबसे कम हमारे देश को क्षति पहुंची थी।

अभी कई देशों में कोरोना जड़ से खत्म नहीं हुआ है, लेकिन हमारे देश में कोरोना पूर्ण रूप से समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान कई लोग नौकरी के छूटने की वजह से बेरोजगार हो गये थे। जिनको सरकार द्वारा आर्थिक मदद किया गया है। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन गोविंदपुर मध्य विद्यालय के शिक्षक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने किया। मौके पर डीडीसी रोबीन टोप्पो, पंचायती राज पदाधिकारी निशा सिंह, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रविंद्र कुमार गुप्ता, मांडू बीडीओ संजय कुमार कोनगाड़ी समेत कई अधिकारी के अलावे मुखिया ललिता देवी, मुखिया जयकुमार ओझा, पंचायत सचिव चांदनी कुमारी, प्रवीण मेहता, अशोक कुमार, धर्मराज राम, राजू चतुवेर्दी, संतोष मेहता सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

प्रदूषित पानी पीने से अधिक लोग हो रहे है बीमार : राज्यपाल

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि नल-जल योजना बहुत ही आवश्यक है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इन योजनाओं को धरातल पर लाया गया है। कही अगर पर्याप्त नहीं है वहां जिला प्रशासन ध्यान देने का कार्य करें। उन्होंने दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदूषित पानी पीने से आधी बीमारी होती है। जिससे लोग बीमार हो रहे है। वहीं, छिन्नमस्तिका मंदिर व टूटी झरना मंदिर को पर्यटन स्थल बनाने की बात पर उन्होंने कहा कि मंदिरों को पर्यटन स्थल बनाने को लेकर सरकार से बात की जायेगी। रामगढ़ उपायुक्त ने केंद्र व राज्य की क्रियान्वयन की स्थिति से कराया अवगतकार्यक्रम दौरान रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार ने राज्यपाल के समक्ष जिले में हुए अब तक केंद्र और राज्य सरकार की क्रियान्वयन स्थिति से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने बताया कि 2007 में हजारीबाग से अलग होकर रामगढ़ का निर्माण हुआ। जिसमें 6 प्रखंडों में 125 पंचायत है। जिसमें जिला प्रशासन द्वारा पंचातय स्तर तक विकास को लेकर बेहतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मनरेगा योजना के तहत 25 हजार परिवारों को रोजगार मुहैया कराने की जानकारी दी। जबकि डीएमएफटी फंड से सड़क, नाली, शौचालय आदि का निर्माण कार्य करने की बात कही।

गार्ड ऑफ ऑनर देकर राज्यपाल का हुआ स्वागत

राज्यपाल के समक्ष कुजू रेलवे साइडिंग का प्रदूषण रहा हावी, राज्यपाल ने एक करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों का किया वितरण। राज्यपाल के सुरक्षा की रही कड़े इंतेजाम

राज्यपाल के आगमन को लेकर पूरे पंचायत सचिवालय में रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार अगुवाई में जिले के पुलिस अधिकारी तैनात रहे। सुरक्षा को लेकर मुख्यद्वार पर चेकिंग गेट लगाया गया था। जहां पुलिस अधिकारियों द्वारा मशीन से जांच के बाद लोगों को अंदर प्रवेश कराया जा रहा था।

पेज 01 का शेष

उनको राज्य का हर अल्पसंख्यक...

हमारी संपदा का दोहन होता है। हमारी सरकार बनने के बाद हमने जब एक लाख 26 हजार करोड़ के बकाये की मांग की, तो हमें जेल में डाल दिया गया, ताकि पैसे न देने पड़ें। मगर हम झारखंडी अपना हक और अधिकार लेना जानते हैं। आने वाले समय में यहां की खनिज संपदा निकालने वाली कंपनियों से सारा हिसाब लिया जायेगा। जो कंपनियों यहां खनन कर रही हैं, उसमें 75 फीसदी झारखंडियों को नौकरी देने का कानून हमारी सरकार ने बनाया है। जो कंपनी झारखंडियों को नौकरी नहीं देगी, उसे हम खनन नहीं करने देंगे। केंद्र सरकार ने तो सारी सरकारी नियुक्तियां बंद कर दी हैं। बैंक, रेलवे सहित सारे केंद्रीय संस्थानों में नौकरी बंद है। जबकि हम लगातार झारखंडियों को नौकरी दे रहे हैं। अभी अभी उत्पाद पुलिस की बहाली हुई है। केंद्र ने तो उलटे युवाओं की नौकरी में हकमारी कर दी है। अब युवाओं को मात्र चार साल के लिए नौकरी दी जा रही है। हमारी सरकार ने युवाओं को चिंता की है। अग्निवीरों के शहीद होने पर उनके आश्रितों को पुलिस के समान सरकारी सुविधा दी जायेगी। इसका कानून हमने बना दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अरबपति मित्रों का ऋण तो केंद्र सरकार माफ कर देती है, लेकिन हमारे किसान भाइयों का कर्ज माफ नहीं होता। हमारी सरकार ने किसानों के दो लाख तक के कर्ज को माफ करने का निर्णय लिया है। हमारी सरकार बिजली बिल माफ करने जा रही है। हमने यह भी निर्णय लिया है कि जो गरीब हैं, इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं, अगर उनके यहां बिजली बिल बकाया है, तो हम माफ कर देंगे।

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने राज्य से डबल इंजन की सरकार को छीन कर सरकार बनायी। 2019 में सरकार बनते ही राज्य की जनता ने कोरोना त्रासदी के दौर को झेला। उस दौर में हमारी सरकार ने पूरी ताकत झोंक दी। सीमित संसाधनों के बीच हमारी सरकार ने राज्य की जनता को बचाने का काम किया। लाखों नौकरियां चली गयीं। पूरा देश त्राहिमाम कर रहा था, मगर हमारी सरकार ने देश के कोने- कोने में फैले झारखंडी मजदूरों को हवाई जहाज से लाने का काम किया। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने देश की जनता को सपना दिखाया था कि हवाई चप्पल वालों को भी हवाई जहाज से घुमाया जायेगा, मगर उनके कार्यकाल में देश में भुखमरी की स्थिति आ गया। गरीब मजदूरों को उनके हाल पर छोड़ दिया।

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का आयोजन करके दिखा दिया कि हमारी सरकार आदिवासियों की हितैषी है, भाजपा नहीं। भाजपा के नेता तो विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देने की भी जहमत नहीं जुटा पाते। हमारी सरकार ने गांव- गांव सरकारी पदाधिकारियों को भेज कर उनकी समस्याओं को सुलझाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 20 साल तक राज्य में शासन किया और इस दौरान 15 लाख लोगों को पेंशन दी गयी। हमारी गठबंधन की सरकार ने मात्र साढ़े चार साल में 40 लाख लोगों को पेंशन के लाभ से जोड़ा है। खासकर महिलाओं के लिए हमारी सरकार जन्म से लेकर जीवन के भरण- पोषण तक की योजना चला रही है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिये राज्य की सभी महिलाएं खुशहाल होने जा रही हैं। इस योजना का लाभ पाने के लिए किसी को ब्लॉक का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है। उनके घर भेज कर हम फार्म भरवा रहे हैं और लाभ दे रहे हैं। अभी तक 48 लाख मां-बहनोंने फार्म भर दिया है। उनके खाते में पैसा जाना शुरू हो गया है। उन्होंने वादा किया कि हमारी सरकार यदि फिर से सत्ता में आती है, तो राज्य के हर परिवार में एक लाख रुपये प्रतिमाह दिये जायेंगे। ऐसा पिछली किसी भी सरकार ने नहीं किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री बेबी देवी, सांसद जोबा मांझी, विधायक दशरथ गागराई, विधायक निरल पूर्ति, विधायक सविता महतो, विधायक मंगल कालिंदी, विधायक रामदास सोरेन, विधायक समीर कुमार मोहंती, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक संजीव सरदार, विधायक सुखराम उरांव, विधायक सोनाराम सिंकू सहित जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

रॉयल एनफील्ड के शोरूम का उद्घाटन

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। यहां के प्लस टू हाई स्कूल के समीप रॉयल एनफील्ड के शोरूम का उद्घाटन श्री मति शकुंतला लाल ने किया। इस अवसर पर संचालक शेखर लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रॉयल एनफील्ड के बढ़ते करेज को देखते हुए आज विष्णुगढ़ में रॉयल एनफील्ड के शोरूम का उद्घाटन हुआ। इस प्रतिष्ठान में रॉयल एनफील्ड 350 सीसी, 450 सीसी, 650 सीसी तीनो मॉडल उपलब्ध है। सभी कलर व सभी मॉडल के साथ-साथ क्लासिक और हंटर बाइक भी मिलेगा। हंटर बाइक को लगातार दो वर्षों से बाइक ऑफ ईयर अवार्ड मिल रहा है। ग्राहकों को सेल्स व सर्विस की सुविधा मिलेगी। मौके पर संजय कुमार, प्रवीण कुमार, राकेश कुमार, मैनेजर मनीष कुमार, सेल्स टीम के शोमेन, शशि, चंदन समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

हजारीबाग जिले का विकास मेरी पहली प्राथमिकता: डॉ आरसी मेहता

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। सदर विधानसभा के कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉ आरसी मेहता लगातार सदर विधानसभा के अलग अलग क्षेत्रों में जनसंपर्क चला रहे हैं। बुधवार को नगर निगम क्षेत्र के विष्णूपुरी, रामनगर, कृष्णापुरी, मटवारी, कोर्रा, फॉरेस्ट कॉलोनी आदि वार्ड का दौरा किया। विष्णुपुरी के सभा में डॉ मेहता ने कहा की हजारीबाग जिले का सर्वांगीण विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। साथ ही कहा की अब तक हजारीबाग एयरपोर्ट विहीन है जिसे लाना मेरी पहली प्राथमिकता है। एयरपोर्ट निर्माण में विलंब के जमीनी स्तर तक हमने पड़ताल किया है। नगवां चुरचू में हवाई अड्डा हेतु सरकार ने पूर्व में भूमि अधिकरण किये थे, जिसमें अनेकों लोगों के भूखंड का सरकार ने अभी तक मुआवजा नहीं दिया है और कुछ एक का आज तक ट्रेजरी में पैसा पड़ा हुआ है। मैं सरकार से इस संबंध में बात कर रहा हूं कि जिनका मुआवजा नहीं मिला है सरकार मुआवजा दे और हजारीबाग एयरपोर्ट का तत्काल निर्माण कराये। अगर जल्द सरकार इस ओर ध्यान नहीं देती है तो धरना भी दूंगा। जनसंपर्क अभियान में मुख्य रूप से कोऑपरेटिव जिला अध्यक्ष राजू मेहता, सदर जिला परिषद सदस्य मुकेश कुमार, आईपीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ दीपक सिंह, युवा प्रदेश सचिव कोमल कुमारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ललन बक्शी, दीपक कुमार, राजेश कुमार, मुकेश कसेरा विकास कुमार वर्मा आदि शामिल थे।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

कोडरमा (आजाद सिपाही)। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग से संबंधित मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम विद्यालयों में अबतक हुए बच्चों के कुल नामांकन, वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्कूल को भेजे गये स्कूल अनुदान राशि के उपयोग, व्यय की स्थिति, वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्यार्थियों को देय छात्रवृत्ति योजना, विद्यार्थियों को साईकिल उपलब्ध कराने, विद्यार्थियों का बैंक खाता और आधार खाता सहित सूची, इ-विद्यावाहिनी में विद्यार्थियों का आधार, बैंक खाता के सत्यापन संबंधित प्रतिवेदन, इ-विद्यावाहिनी अंतर्गत शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना के विभिन्न आयामों की समीक्षा की गयी और सभी संबंधितो को अनिवार्य निदेश दिये गये। इसके उपरांत समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत प्रगति और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई और संबंधित अधिकारियों द्वारा कमियों को निश्चित समयावधि में दूर करने हेतु निदेशित किया गया। साथ ही उपायुक्त द्वारा छात्र-छात्राओं के बहुआयामी विकास एवं विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल कल्याण समिति, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महिलाओं ने समस्याओं को लेकर राज्यपाल से लगायी गुहार

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड सरकार एक ओर आधी आबादी के हाथों को मजबूत करने ले लिए मंइयां सम्मान योजना जैसे लाभकारी योजना चला रही है, वहीं दूसरी ओर बुनकर महिलाए अपने काम का भुगतान नहीं होने से परेशान है और विभाग से लेकर सभी बड़े पदाधिकारी तक गुहार लगा चुकी है। बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार हजारीबाग जिले के चुरचू प्रखंड स्थित बहेरा पंचायत के ग्राम कजरी पहुंचे। कार्यक्रम के उपरांत कजरी कॉटन की महिलाओ ने राज्यपाल से एक साल पूर्व सरकारी विद्यालय में आपूर्ति की गयी पोशाक, स्वेटर और जूता मौजा आपूर्ति का

भुगतान करवाने का गुहार लगाया है। इस दौरान महिलाओं ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। जिसमें कहा है की जिला शिक्षा विभाग हजारीबाग के पत्रांक 1360 दिनांक 7 अक्टूबर 2023 के आलोक में अध्यनरत कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के सरकारी विद्यालय के कुल 58,573 छात्र-छात्राओं को दो सेट पोशाक, एक स्वेटर और एक जोड़ा जुता मौजा निर्माण कर और वितरण करने का कायार्देश मारसल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लि को मिला था। समिति द्वारा कार्यालय आदेशानुसार ससमय गुणवता पूर्वक आपूर्ति कर दी गयी। समिति में सभी सदस्य अनुसूचित जनजाति (संथाल) के हैं। समिति के मुख्यालय में सभी जिला प्रशासनिक से लेकर गर्वनर झारखंड तक विजिट कर चुकें है। समिति के सदस्य द्वारा कपड़ा बुनाई और कपड़ा सिलाई का कार्य 12 वर्षों से करते आ रहें हैं और जिला में पिछले तीन वर्षों से लगातार पोशाक का कार्य करते आ रहें हैं। जिला में वित्तीय वर्ष 2023-24 का कुल 58,573 छात्र-छात्राओं में से 17,192 छात्र-छात्राओं का जिला शिक्षा विभाग द्वारा राशि एक करोड़ ग्यारह लाख उनसठ हजार दो सौ ग्यारह रुपये भुगतान समिति को प्राप्त हो चुका है। आगे आग्रह किया है की कायार्देश में अंकित कुल (58,573) छात्र-छात्राओं में से शेष 41,381 छात्र-छात्राओं का पोशाक, स्वेटर और जुता मौजा का कुल राशि दो करोड़ एकत्तर लाख बारसठ हजार पंद्रह रुपए को समिति के खाता में भुगतान करवाने का गुहार लगाई है। गुहार लगाने वालों में समिति के अध्यक्ष के अलावा कई कामगार महिलाएं शामिल है।

अडाणी फाउंडेशन ने टीबी के मरीजों को दिये पोषण किट

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव/हजारीबाग। 28 अगस्त 2024: गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन ने तीसरे चरण के तहत गोद लिए 80 टीबी मरीजों के बीच बुधवार को निःशुल्क पोषण किट वितरित किया। बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान अदाणी फाउंडेशन की ओर से वितरित किये गये प्रत्येक किट में च्वयनप्राश, अरहर दाल, चना, गुड़, हरा मूंग, सरसों तेल और हॉर्लिक्स जैसी आहार सामग्रियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना के तहत छह महीने के ईलाज के दौरान रोगियों को हर माह पोषक आहार प्रदान किया जा

रहा है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने देश को टीबी मुक्त बनाने की भी शपथ ली। सबने एक स्वर में कहा कि अपने मोहल्ले, गांव और शहर को टीबी मुक्त बनाना है। इस अवसर पर बड़कागांव स्थित सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अविनाश कुमार ने कहा, अडाणी फाउंडेशन टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय है। इसके अलावा अदाणी फॉउंडेशन द्वारा निःशुल्क एम्बुलेंस भी प्रदान किया गया है, जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ मिल रहा है। हजारीबाग क्षेत्र के मरीजों के लिए आपात परिस्थिति में यह एम्बुलेंस सुविधा त्वरित रूप में उपलब्ध है।

कार्यक्रम के दौरान टीबी विभाग के ट्रेनिंग सुपरवाइजर दीपक कुमार ने बताया कि पोषण किट के आहारों की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ाई गयी है। मरीजों से कहा गया कि दवा के अतिरिक्त जो पोषण आहार उन्हें मिल रहे हैं उनका नियमित रूप से सेवन किया जाना चाहिए ताकि जल्द से जल्द टीबी को ठीक किया जा सके। अडाणी फाउंडेशन के इस प्रयास से टीबी के मरीजों की संख्या में कमी आयेगी और टीबी लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका समय पर उपचार करवा लिया जाये तो इससे हमेशा के लिए इससे छुटकारा मिल सकता है। इस अवसर पर सीएसआर विभाग के उप प्रबंधक मोहित गुप्ता, एग्जीक्यूटिव अधिकारी शरद मिश्र, तारकेश्वर कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

केरेडारी (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना केडीसीएमपी के द्वारा प्रखंड के कुम्हरा बेन्गवरी गांव में मासिक मोबाइल मेडिकल शिविर का सफल आयोजन बुधवार को किया गया। इस शिविर में कुल 140 ग्रामीण महिला पुरुषों के स्वास्थ्य का निःशुल्क जांच किया गया। इस शिविर इस शिविर का आयोजन एनटीपीसी के नैगम समाजिक दायित्व का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर बनाना है। मेडिकल कैंप में विभिन्न प्रकार की बुनियादी चिकित्सा जांच की सुविधाएं उपलब्ध करायी गयीं, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, बुखार, सर्दी-खांसी और अन्य सामान्य बीमारियों की जांच शामिल थी। कैंप में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम ने मिलकर ग्रामीणों का निरीक्षण किया और आवश्यक उपचार प्रदान किया। इसके साथ ही विशेष परामर्श भी दिया गया जिसमें बदलते मौसम और ठंड के मौसम से बचाव के लिए जरूरी उपाय बताये गये। इस अवसर पर ग्रामीणों ने केडीसीएमपी और एनटीपीसी द्वारा आयोजित इस मेडिकल कैंप की जमकर सराहना की ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह की स्वास्थ्य सेवाओं की गाँव में बहुत आवश्यकता है और ऐसे कैंप से उन्हें न केवल चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होती हैं बल्कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी बढ़ती है। इस प्रकार के मेडिकल कैंप्स न केवल ग्रामीणों को उपचार प्रदान करते हैं बल्कि उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी बनाते हैं। ऐसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में सुधार होगा जो एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सहायक होगा।

बड़कागांव में बालू का अवैध धंधा जोरों पर

किसके इशारे पर हो रहा है बड़कागांव में अवैध बालू का खेल

पिंटू कुशवाहा दिनकर

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। एनजीटी द्वारा रोक लगने के बावजूद भी बड़कागांव प्रखंड में बालू का अवैध कारोबार जोरों पर चल रहा है। बरसात के दिनों में भी नदियों से बालू का अवैध उठाव और भंडारण थम नहीं रहा है। अवैध बालू का भंडारण के कई कम्पनियों में बालू का स्टॉक यार्ड बना दिया गया है। बालू माफियाओं द्वारा अधिकांश स्थान में सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध भंडारण किया गया है। जलस्त्रोतों के संरक्षण के लिए खनन विभाग ने 10 जून से 15 अक्टूबर तक बालू के अवैध उठाव, उत्खनन व परिवहन पर रोक लगा दी है। इसके बाद भी बालू माफियाओं की सक्रियता नहीं थम रही है।

प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का उठाव कर उसे खपाया जा रहा है। या फिर अवैध रूप से भंडारण किया जा रहा है। इस संबंध में बड़कागांव अंचलाधिकारी बालेश्वर राम से संपर्क साधना चाहा लेकिन उनका मोबाइल ऑफ पाया गया।

आखिर किसके संरक्षण से चल रहा है अवैध बालों का कारोबार: उत्खनन और ढुलाई कार्य में हाईवा, टर्बो और ट्रैक्टर के माध्यम से ढुलाई की जा रही है। बालू की ढुलाई रात में होती है और दिन में भी कभी-कभार होती है। हाइवा और टर्बो वाहन से प्रखंड के बाहर शहरों में ले जाकर बिक्री की जा रही है। इस अवैध बालू उत्खनन और ढुलाई से सरकार का करोड़ों रुपैया का चूना लगाया जा रहा है। जब एनजीटी द्वारा और उत्खनन विभाग द्वारा बालू उत्खनन पर रोक लगा दी गयी है, तो किसके इशारे पर अवैध उत्पादन चल रहा है ? वहीं सूत्रों की माने तो बड़कागांव से लेकर जिला तक के पदाधिकारी को अवैध बालू कारोबारी के द्वारा मासिक नजराना पेश किया जाता है। वही इस कारोबार में लगे लोगों पर कुछ सफेदपोशो का भी संरक्षण प्राप्त होने की बात सामने आती है।

नदियों से हो रहा है बालू का उठाव: ज्ञात हो कि थाना क्षेत्र के हहारो नदी के सिरमा, छवानिया नदी, मंझला बाला नदी, कांडतरी नदी सोनपुरा नदी, सांढ, नदी, शिबा डीह नदी, बादमाही नदी, गोंदलपुरा नदी, दामोदर नदी में बालू का उठाव हो रहा है। बालू उठाने वाले वाहन चालक और कारोबारी बड़े चालाकी से बालू का उठाव करते नजर आते हैं। नदियों में जब पानी कम हो जाता है तब बालू उठाया जाता है। इसके अलावा बालू का संग्रह महुदी, तलसवार, नयाताड, पलांडू, बालू घाटों और बदमाही नदी के गोंदलपुरा, बादम, हरली, गंगादोहर, विश्रामपुर में बालू घाट में किया जाता है।

लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने प्राचीन शिव मंदिर सयाल में किया पौधरोपण

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। पर्यावरण की हरियाली को लेकर बुधवार को लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने प्राचीन शिव मंदिर सयाल में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्ष रेखा वर्णवाल, सचिव अंजू देवी, कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, जॉन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ राजेंद्र महतो, जिला चेयरपर्सन लायन अखिलेश शर्मा और जिला चेयरपर्सन अशोक सिन्हा ने पौधरोपण कर किया। इस दौरान क्लब के लोगों ने सयाल स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में आम, अमरूद, पपीता, कटहल, शरीफा, नींबू सहित दर्जनों फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर इसके संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर आज के प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन डॉ एमके मंजुल ने कहा कि पौधरोपण क्लब का अभियान है। इसी के तहत हमसभी ने पौधारोपण के साथ-साथ इसके संरक्षण का भी संकल्प लिया है। पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में एमजेएफ संजय जयसवाल, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट माला शर्मा, विजय वर्णवाल, विजयंत कुमार, निर्मल अग्रवाल, रेखा मंजुल, रेनू जायसवाल, अर्जुन सिंह, संजय शर्मा, संतोष सिन्हा, अंतेश्वर प्रसाद, संदीप केसरी, बृजेश पाठक, पूर्णिमा पाठक और क्लब के दर्जनों सदस्यों और ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर चलाया गया जागरूकता अभियान

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव महोदय के निर्देशानुसार बुधवार को प्रखंड कार्यालय पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयु यादव के द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान केंद्र सरकार के द्वारा भारत में नये कानून संहिता के तहत नये धाराओं की जानकारी दी गयी। साथ ही उपस्थित लोगों को बताया गया कि कानून में बड़ा संशोधन किया गया। धारा संख्या 511 से घटाकर 358 की गयी है और इसके तहत 20 नये अपराध जोड़े गये हैं। कई अपराधों में न्यूनतम सजा का प्रावधान है। साथ ही छोटे-छोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है। वहीं कई अपराधों के लिए जुर्माना बढ़ाया गया है, और सजा की अवधि में भी इजाफा किया गया है। पहले क्राइम-पहले आइपीसी के नाम से जाना जाता था। जो अब भारतीय न्याय संहिता बीएनएस के नाम से जाना जायेगा। भारतीय न्याय संहिता में नये कानून इस प्रकार लागू किया गया है। पहले हत्या के धारा 302 जो अब 103 हो गया हत्या का प्रयास-धारा 307-जो 109 किया गया। गैर इरादतन हत्या-धारा 304 को धारा 105 में निहित किया गया है। छेड़छाड़-धारा 354-को बदलाव कर धारा 74 और धोखाधड़ी धारा 420 को धारा 318, लापरवाही से मौत धारा 304ए-धारा 106, आपराधिक षडयंत्र के लिए सजा धारा 120बी-अब धारा 61, देश के खिलाफ युद्ध- धारा 121, 121 एअब धारा 147, 148, मानहानि-धारा 499/500-धारा 356 किया गया। लूट की-धारा 392 को धारा 309 और डकैती-धारा 395 अब धारा 310, पति द्वारा क्रूरता का शिकार महिलाएं -धारा 498ए अब धारा 85 किया गया।

सिंदूरी की सड़क वर्षा होने से कीचड़ में तब्दील

कुंदा/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के नवादा पंचायत के गांव सिंदूरी का सड़क वर्षा होने से कीचड़ में तब्दील है। इस रास्ते से चलने वाले आम जनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा दीकत विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल जाना मुश्किल हो रहा है। शिक्षक का भी जाना मुश्किल होता है। गांव से विधालय की दूरी 1 किलोमीटर है और कच्ची सड़क लगभग 2 किलोमीटर दूरी में वर्षा होने से पूरी तरह कीचड़ में तब्दील है, दो पहिया वाहन से लेकर चार पहिया वाहन कीचड़ में फस जाता है। यहां पर मिट्टी चिकनी व फिसलने वाली मिट्टी है। वाहन इस रास्ते में आने पर वाहन का निकलना बहुत ही मुस्कील होता है। ग्रामीणों ने कई बार सड़क बनाने के लिए मांग रखते हैं पर इनकी मांग को कोई सुनता नही है। इस गांव में विकास के लिए सड़क बनना बहुत ही जरूरी है। ग्रामीणों के द्वारा उपायुक्त महोदय व झारखंड सरकार से सड़क को पक्की सड़क बनाने के मांग किया जाता है।

राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर का आयोजन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। केंद्रीय विद्यालय रामगढ़ कैंट में केंद्रीय विद्यालय स्टेट रांची डिवीजन के अंतर्गत राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर 2024 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नॉमिनी अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल रवि भूषण और प्राचार्य अमर कुमार के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। बच्चों ने उनका स्वागत गान और एक स्वागत नृत्य से किया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को स्काउट गाइड और गाइड के महत्व के बारे में बताया । प्राचार्य ने भी इस पर प्रकाश डाला। राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर 2024 में कुल 22 केंद्रीय विद्यालय के 120 बच्चे शामिल हुए हैं। यह सभी बच्चे केंद्रीय विद्यालय रांची संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालय से हैं। इसमें केंद्रीय विद्यालय बीएचयू से अधिकारी के रूप में प्रियंवदा वर्मा है। साथ ही तीन अन्य अधिकारी केंद्रीय विद्यालय रांची संभाग से अर्चना कुमारी, केंद्रीय विद्यालय बोकारो नंबर वन शोभा डुंगडुंग केंद्रीय विद्यालय हिनू दूसरी पाली नंदिता होरो, केंद्रीय विद्यालय पतरातू से अपना योगदान दे रहीं हैं। यह कार्यक्रम 1 सितंबर 2024 तक चलेगा।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय ने कोलकाता के मुद्दे पर निकाला शांतिपूर्ण मार्च

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। राधा गोविंद विश्वविद्यालय रामगढ़ द्वारा कोलकाता आरजी मेडिकल कॉलेज के पीड़ित लड़की को न्याय के लिए शांतिपूर्ण मार्च निकालकर घटना का विरोध प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह ने कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज के पीड़ित लड़की को न्याय की मांग करते हुए कहा कि यह किसी चिकित्सक या महिला के खिलाफ अपराध नहीं है, बल्कि मानवता के खिलाप अपराध है। शांतिपूर्ण मार्च राधा गोविंद विश्वविद्यालय पटेल चौक से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए सुभाष चौक पहुंचा। शांतिपूर्ण मार्च आयोजन में राधा गोविंद विश्वविद्यालय एवं राधा गोविंद इंटर कॉलेज के हजारों की संख्या में छात्र -छात्राएं शामिल हुए। सभी छात्र छात्राएं पोस्टर, बैनर लेकर चल रहे थे और पीड़ित लड़की के न्याय की मांग को लेकर नारे लगा रहे थे। कुलसचिव प्रो निर्मल कुमार मंडल ने शांतिपूर्ण मार्च का नेतृत्व घटना की घोर निंदक किया।

सड़क दुर्घटना में मां-बेटे की मौत, घंटों सड़क जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़-बोकारो मार्ग अंतर्गत बुधवार को एक अनियंत्रित ट्रेलर ने मां बेटे को कुचल दिया। इस हादसे में मां और बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह हादसा व्यवहार न्यायालय के समीप हुआ है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और पुलिस पर कहर बरपाने वाले ट्रेलर को पकड़ने का दबाव बनाया। मृतकों की पहचान हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुरनी पेटो निवासी रानी कुमारी और अबोध बालक श्रेयांश राज के रूप में हुई है।

रजरप्पा से रामगढ़ की तरफ जा रहा था पूरा परिवार : इस मामले में मृतका रानी कुमारी के पति पिंटू कुमार ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पिंटू ने पुलिस को बताया कि बुधवार को वह अपनी पत्नी रानी और पुत्र श्रेयांश राज को लेकर अपनी बाइक संख्या जेएच 02 बीए 9082 से रजरप्पा से रामगढ़ की ओर जा रहा था। इसी क्रम में कोर्ट मोड़ के पास तेजी और लापरवाही से आ रहे ट्रेलर ने उनकी बाइक को पीछे से धक्का मार दिया। इस हादसे में तीनों मोटरसाइकिल से नीचे गिर गये। इसी दौरान ट्रेलर ने उनकी पत्नी रानी और पुत्र श्रेयांश राज को कुचल दिया। घटना के बाद वह ट्रेलर वहां से फरार हो गया।

सीसीटीवी में कैद हुआ घटना

घटनास्थल पर पहुंची रामगढ़ पुलिस ने मां और बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। सीसीटीवी कैमरे में घटना का वीडियो रिकॉर्ड हुआ है। साथ ही जिस ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मारी थी, उसकी भी पहचान हो गयी है।

करोड़ों हड़पने वाला स्वास्थ्य विभाग का अनुसेवक गिरफ्तार

कई अधिकारियों पर लटक रही तलवार, डॉक्टरों के पैन कार्ड और दस्तावेजों की हो रही है जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। स्वास्थ्य विभाग में फर्जी डॉक्टरों की लिस्ट बनाकर राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का करोड़ों रुपया हड़पने वाला अनुसेवक अमजद हुसैन गिरफ्तार कर लिया गया है। रामगढ़ थाने में बुधवार को अमजद हुसैन से पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा गठित की गयी टीम पूछताछ की। पूछताछ के बाद गिरफ्तार अमजद हुसैन को जेल भेज दी गयी। जिन पांच डॉक्टरों के नाम पर पिछले डेढ़ वर्षो से अवैध निकासी की जा रही थी, उनके बैंक खातों का पूरा डिटेल

भी निकाला जा रहा है। अलग-अलग बैंकों में अमजद हुसैन और उसकी पत्नी के नाम पर फिलहाल पांच खातों का पता चला है। जिसमें लगातार वेतन के नाम पर पैसे ट्रांसफर किये जा रहे थे। उसने यह गोरखधंधा कितने वर्षों तक किया है, इसका पता लगाया जा रहा है। बैंक खाता सिर्फ रामगढ़ में ही है या दूसरे जिले में रखे गये हैं इस बिंदु पर भी जांच चल रही है।

कई अधिकारियों पर लटक रही तलवार

डीसी चंदन कुमार ने यह संभावना जतायी है कि सिर्फ एक अनुसेवक अकेले इतना बड़ा घोटाला नहीं कर सकता है। इस मामले में कई बड़े अधिकारियों की संलिप्तता अवश्य होगी। यही वजह है कि जांच कमेटी पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय लेनदेन और वेतन को लेकर सारी संचिका खंगालेगी। जिन अधिकारयों की भी संलिप्तता उजागर होगी, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। डीसी ने यह भी संभावना जतायी है कि घोटाले का यह खेल सिर्फ रामगढ़ जिले तक ही सीमित नहीं है। राज्य सरकार को भी इस मामले में पत्र लिखा जायेगा। अन्य जिलों में भी अगर जांच की जाये तो ऐसे घोटाले जरूर सामने आयेंगे।

कैसे हासिल किये गये थे डॉक्टर के पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज : अधिकारियों की टीम इस बात की भी जांच कर रही है कि अमजद हुसैन ने देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज कैसे हासिल किया। जबकि रामगढ़ जिले में वह चिकित्सक कभी मौजूद ही नहीं रहे हैं। महाराष्ट्र के डॉ राहुल उमरे के अलावा डॉ संगीता बडाइक, डॉ वीणा कुमारी, डॉ टी चक्रवर्ती और सरिता कुमारी अलग-अलग जगह के रहने वाले हैं।

पत्थर में बदल गया तिजोरी में रखा जेवर, थाने तक पहुंचा मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। आपने किस्से और कहानियों में यह सुना होगा की गुप्त स्थान पर रखा गया धन, मिट्टी हो गया। लेकिन रामगढ़ में यह मनगढ़ंत कहानी सच्ची घटना में तब्दील हो गयी है। यहां एक घर के तिजोरी में रखा गया जेवर पत्थर में तब्दील हो गया है। प्रथम दृष्ट्या कोई भी इस बात पर भरोसा नहीं कर रहा। लेकिन जिस परिवार के साथ यह घटना घटी है, उसके होश उड़ गये हैं। उस परिवार ने रामगढ़ पुलिस को भी इस मामले की सूचना देकर उनके भी होश फाख्ता कर दिये हैं। परिवार वालों ने पुलिस से न सिर्फ इस मामले की जांच करने की मांग की, बल्कि तिजोरी में मिले पत्थरों की फोरेंसिक जांच करने की भी मांग कर डाली है।

पुलिस को मिली खबर, तो उड़ गये होश

रामगढ़ पुलिस को जबसे इस बात की सूचना मिली है, तब से जांच करने वाले अधिकारी भी परेशान हो गये हैं। क्योंकि उन्हें प्रथम दृष्ट्या जेवरों की अनुमानित राशि करोड़ों में बतायी गयी है। करोड़ों रुपये के जेवर अचानक से पत्थर में कैसे तब्दील हो गए और परिवार वालों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

तिजोरी को नहीं पहुंचा नुकसान, डीवीसी कॉलोनी में घटी घटना: यह घटना डीवीसी के मैनेजर रतन मोसेस के आवास पर घटी है। यह आवास डीवीसी कॉलोनी में है, जहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। बाहरी व्यक्तियों का आना-जाना भी नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस तिजोरी में रखे गये जेवर पत्थर में बदले हैं, उस तिजोरी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

अगर इसे चोरी की घटना से जोड़कर देखा जाये, तो यह कल्पना कर पाना मुश्किल है कि चोर पत्थर लेकर क्यों जायेंगे? जबकि वे जेवर चुरा कर अपना काम खत्म कर सकते हैं। इस मामले में कितनी सच्चाई है और कितनी कहानी बनायी गयी है इसका पता तो पुलिस की जांच से ही चलेगा।

पंचायत सचिवालय में हुई चोरी

कुंदा/चतरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बौधाडीह पंचायत सचिवालय से बीती रात अज्ञात चोरों ने गेट का ताला तोड़कर आधार केंद्र में उपयोग होने वाले सामग्री को ले भागे। इसकी सूचना ऑपरेटर को तब हुआ जब वह मंगलवार को निर्धारित समय पर पंचायत सचिवालय पहुंचे तो देखा कि मेन गेट का कुंडी टूटा हुआ है, साथ ही कमरे से प्रिंटर, आधार मोरफो, चार्जर, लैपटॉप समेत अन्य उपकरण गायब है। घटना की सूचना पाकर मुखिया अनिता देवी पंचायत प्रतिनिधि बिनोद साव, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि जयराम भारती ने पंचायत सचिवालय को ऑपरेटर ने बताया की चोर करीब दो लाख मूल्य का समान ले गये हैं।

रामगढ़ स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम

बरकाकाना, रामगढ़, मुरी और चांडिल स्टेशन का हुआ औचक निरीक्षण

रेलवे के तमाम अधिकारी-कर्मी रहे मौजूद

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ कैंट रेलवे स्टेशन का विकास अमृत स्टेशन के रूप में किया जा रहा है। पर्यटन के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण रामगढ़ स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाना है। साथ ही इसके प्रवेश द्वार को बेहद आकर्षक तरीके से बनाना है। इसके पूरे परिसर का सौंदर्यीकरण भी किया जाना है। लेकिन अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही से यह काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। बुधवार की सुबह दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्रा औचक निरीक्षण के दौरान जब यहां पहुंचे, तो स्टेशन के हालात देखकर चकित रह गये। ना तो बेहतर तरीके से अतिक्रमण हटाया गया था, ना ही यहां रोशनी और पानी की बेहतर व्यवस्था थी। यहां तक कि साफ सफाई को लेकर भी कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे। ठेकेदार की लापरवाही यहां तक थी कि दिव्यांगों के लिए बनाये गये रैंप पर भी पीलर ढाल दिया गया। उन्होंने सारे अधिकारियों की क्लास लगायी और कहा कि जल्द ही सारे काम दुरुस्त होने चाहिए। मुख्य प्रवेश द्वार पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा देख जीएम ने आरपीएफ इंस्पेक्टर इंचार्ज संजीव कुमार की क्लास लगा दी।

चार महीने बाद अलग रूप में दिखेगा रामगढ़ स्टेशन

मीडिया से बात करते हुए जीम अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि तीन से चार महीने में रामगढ़ स्टेशन एक अलग रूप में ही दिखेगा। रजरप्पा मंदिर झारखंड के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसीलिए रामगढ़ स्टेशन के भवन में रजरप्पा मंदिर के प्रारूप को शामिल किया गया है। इस स्टेशन पर लगभग 2000 यात्रियों का आवागमन प्रतिदिन होता है। नजदीक में बरकाकाना जंक्शन बेहद महत्वपूर्ण स्टेशन है। इस रेल खंड पर 15 रेलगाड़ियों का आवागमन होता है। ऐसी स्थिति में ट्रेनों के परिचालन के लिए इस स्टेशन को सिंगल लाइन से डबल लाइन में परिवर्तित किये जाने की योजना है। डबल लाइन के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है। जल्द ही यह स्टेशन और भी अधिक विकसित हो जायेगा।

दूसरे प्रवेश द्वार का निर्माण जल्द होगा पूरा: जीम अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि रामगढ़ स्टेशन पर सेकंड एंट्रेंस की व्यवस्था नहीं थी। उसके लिए भी भवन का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 60 फीसदी कार्य पूरे हो चुके हैं। विकास नगर और जारा टोला की तरफ बड़ी आबादी रहती है। उधर से रामगढ़ स्टेशन आने वाले यात्रियों को इससे सुविधा होगी। इस दौरान सारे तकनीकी बिंदुओं पर भी उन्होंने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये।

मौके पर उनके साथ डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा, सीनियर डीसीएम निशांत कुमार, सीओ एमसीएसआर श्रेया सिंह, सीनियर डीएम रमेश सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रेस क्लब रामगढ़ की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

क्लब के सभी सदस्यों का होगा सामूहिक बीमा, वार्षिक सदस्यता शुल्क भी घटा

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। प्रेस क्लब रामगढ़ के दूसरी कार्यकारणी समिति की बैठक बुधवार को क्लब परिषर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार बीरु ने किया। जबकि संचालन सचिव धनेश्वर प्रसाद ने किया। कार्यकारणी की बैठक में कई बिंदुओं पर गहन मंथन किया गया। जिसके बाद क्लब और पत्रकार हित में बड़े निर्णय लिया गया। जिसमें सदयस्ता वार्षिक शुल्क 500 की जगह 250 रुपया किया गया। इस्केक अलावा सभी सदस्यों को सामूहिक बीमा कराया जायेगा। साथ ही नया परिचय पत्र बनाया जायेगा। सत्र 2024-25 का सदयस्ता शुल्क संग्रह किया जायेगा। इसके बाद उपायुक्त को क्लब के विकास और पुलिस अधीक्षक को पत्रकारों की सुरक्षा हेतु मांग पत्र सौंपने का निर्णय लिया गया।

अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करने वाले होंगे व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर: प्रेस क्लब के सदस्यों का व्हाट्सएप ग्रुप में अमर्यादित शब्दों का प्रयोग अनुशासनहीनता माना जायेगा। अगर कोई सदस्य इस तरह का कार्य करते है तो तुरंत ग्रुप से रिमूव कर दिया जायेगा। बैंक खाता का हस्तांतरण करने का भी निर्णय लिया गया। जिसमें अध्यक्ष सचिव और कोषाध्यक्ष का नाम होगा। बैठक में अध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार बीरु, सचिव धनेश्वर प्रसाद, उपाध्यक्ष प्रदीप राज बब्लू, सहसचिव नारायण दत्त व्यास शर्मा, कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम, कार्यकरणी सदस्य दिलीप कुमार सिंह, सुरेन्द्र सिंह, नीरज कुमार, राज कुमार रविदास, सुरेन्द्र कुमार पासवान, मनोहर लहरी, सौरव नारायण सिंह आदि उपस्थित थे।

हजारीबाग सांसद ने जवाहर नवोदय विद्यालय का किया निरीक्षण

पतरातू (आजाद सिपाही)। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बुधवार को पीटीपीएस पतरातू स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय पंहुचकर विद्यालय का निरीक्षण किया। उसके बाद उन्होंने सबसे पहले बच्चों से पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने सांसद के समक्ष विद्यालय में कई समस्याओं से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि नवोदय विद्यालय में आधारभूत संरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। विद्यालय का नया भवन का निर्माण हो चुका है जिसपर अभी तक शिफ्टिंग नहीं हो पाया है। बच्चों को दिक्कत हो रहा है। जल्द नये भवन में बच्चों को शिफ्ट किया जायेगा। सांसद ने विद्यालय के प्राचार्या मीणा मुर्मू से जल्द नये भवन में शिफ्टिंग करने, छात्रावास में रह रहे बच्चों को मिलने वाले समुचित लाभ उपलब्ध कराने, बच्चों के अभिभावकों को स्कूल से जोड़कर समन्वय समिति का निर्माण करने, आगामी शैक्षणिक सत्र से यहां की सीटों की संख्या दोगुनी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान रामगढ़ जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलन कुमारी भी मौजूद थे। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजाराम प्रजापति राधेश्याम अग्रवाल भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह कोडरमा जिला प्रभारी पंकज गुप्ता कुश श्रीवास्तव वारिस खान मुखिया किशोर कुमार महतो धर्मेंद्र सिंह योगेश दांगी भाजपा युवा मोर्चा पतरातू मंडल अध्यक्ष गणेश कुमार ठाकुर प्रिया नाथ मुखर्जी राहुल सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

टंडवा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के मिश्रौल रामघाट खेल मैदान में बुधवार को सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया। टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि सांसद कालीचरण सिंह, विशिष्ट अतिथि में विधायक किशुन कुमार दास, जनार्दन पासवान, सुजीत भारती, जीतन राम, जिप सदस्या देवती देवी उपस्थित हुए। जहां अतिथियों का स्वागत बुके और माला पहनाकर किया गया। वहीं अतिथियों ने संयुक्त रूप से टूर्नामेंट का उद्घाटन फीता काटकर और फुटबॉल को किक मारकर किया गया। मौके पर सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस इसे निखारने की जरूरत है । कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेलकुद बहुत जरूरी है। विधायक श्री दास ने कहा कि खेल से युवाओं में क्षमता का विकास होता है। मैं युवाओं को हरसंभव मदद करने का भरोसा दिलाता हूं। उद्घाटन मैच मासीलौग बनाम बानपुर के बीच खेला गया। जहां मासीलौग चार गोल से विजयी हुआ । इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीम भाग लिया हैं। इस मौके पर आयोजनकर्ता प्रयाग राम, मुखिया महावीर साव, सुबेश राम, ईश्वर दयाल पांडेय, प्रमोद सिंह, रामचंद्र प्रसाद, अमित कुमार, संजय पांडेय, सुरेश यादव, महेश वर्मा, सुनील चौरसिया, मुनेश गंझू, वंसत कुमार, सन्नाउल्ला समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

दो बालू लदे हाइवा जब्त

भदानीनगर (आजाद सिपाही)। जिले में अवैध खनन और खनिजों के परिवहन पर रोक लगाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर मंगलवार की मध्यरात्रि को जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक के नेतृत्व में सघन छापामारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान मतकमा चौक के समीप हाईवा जेएच 19 सी 9377 पर लगभग आठ सौ घन फिट अवैध बालू लदा पाया गया। वहीं एक अन्य हाईवा जेएच 02 बीए 7586 पर छह सौ 50 घनफिट लदा हुआ बालू पाया गया।

खोया - पाया

सपथ पत्र के अनुसार क्रम सं. 1528 दिनांक 28.08.2024, मैं सुरेन्द्र नाथ दुबे पिता - अर्जून दूबे निवासी - पिस्का मोह, रातु रोड राँची शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ कि निम्नलिखित बाते मेरी जानकारी के अनुसार सही एवं सत्य है :- 1. यह कि मैं भारतीय नागरिक हूँ तथा उपरोक्त पते का निवासी हूँ। 2. यह कि मैं कहना चाहता हूँ कि मेरा जमीन संबंधित डीड नं0 3511 दिनांक 02/03/1972 जिसका क्रेता महेश्वर ना0 सिंह है जो मेरे डीड सं0 25921 दिनांक 04.12.2010 जो मौजा हेहल, थाना - सुखदेवनगर थाना नं0 203 खाता नं0 177 प्लॉट नं0 54 सब प्लॉट नं0 54/6 रकबा 5 कट्ठा 3 वर्गफीट वार्ड नं0 3 न्यू वार्ड नं0 36 खेवट नं 06 का डीड है फोटो स्टेट कराने जा रहा था जो उपहार सिनेमा गैलेक्सीया मॉल से आगे कही गिर गया बहुत खोज बिन किया परन्तु नही मिला। 3. यह कि यह शपथ पत्र थाना में सन्हा दर्ज करने हेतु निष्पादित किया जा रहा है। यह शपथ पत्र दिनांक 28.08.2024 ई0 को राँची में सम्पन्न होता है।

भारत-अमेरिका साथ-साथ

पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर दिखी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए अगर सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हुई उनकी फोन वार्ता पर गौर करें, तो हाल की यूक्रेन यात्रा की सार्थकता ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आती है। यूक्रेन यात्रा ने उन गलतफहमियों को भी खत्म कर दिया है, जो रूस यात्रा के बाद खास तौर पर पश्चिमी हलकों में दिखाई देने लगी थीं।

उठ रहे थे सवालः पीएम मोदी की रूस यात्रा की टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाये गये थे। एक तो वह यात्रा अमेरिका में नाटो देशों की प्रस्तावित बैठक के ठीक पहले हुई थी, दूसरे वह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हुई उनकी पहली विदेश यात्रा होने की वजह से भी अहम मानी गयी थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी तब पीएम मोदी की रूस यात्रा पर खुले रूप में नाखुशी जतायी थी।

दोनों को एक जैसा सुझावः इसके बरक्स सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की पहल पर हुई फोन वार्ता इस बात का साफ संकेत है कि जो भी गलतफहमियां रही हों, वे पूरी तरह मिट चुकी हैं। हालांकि भारत पहले दिन से अपने इस रुख पर अडिग रहा है कि वह बातचीत के जरिये जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के पक्ष में है। पीएम मोदी ने रूस में राष्ट्रपति पुतिन से भी कहा था कि युद्ध के मैदान से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकता, और यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी सुझाव दिया कि जल्द शांति स्थापित करने के लिए वह रूस से बातचीत करें।

पिछले महीने पीएम मोदी ने रूस की यात्रा की थी। उस समय टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाये गये थे। हालांकि, अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पीएम मोदी की फोन पर वार्ता हुई। इसी के साथ ये स्पष्ट हो गया कि भारत-अमेरिका साथ-साथ हैं। इधर, दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना भी कई लिहाज से अहम है।

बांग्लादेश का जिक्रः दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना कई लिहाज से अहम है। पड़ोस का यह मुल्क जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसे लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं। ऐसे में भारत और अमेरिका, दोनों देशों का अपनी चिंताएं साझा करना मायने रखता है। पीएम मोदी की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मसला उठाना जाहिर करता है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद इस मामले में भारत की चिंता दूर नहीं हुई है। जिस तरह से तथ्यों के विपरीत जाकर बांग्लादेश के कुछ नेता बाढ़ के लिए भारत पर उंगली उठाने की कोशिश कर रहे हैं, वह भी बताता है कि वहां भारत के खिलाफ माहौल बनाने वाले तत्व अब भी सक्रिय हैं।

टाइमिंग है अहमः यह फोन वार्ता ऐसे समय हुई है, जब कुछ ही दिनों बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान मोदी और बाइडन मिलने वाले हैं। उसी बीच, क्वॉड देशों की बैठक भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों में हो रही प्रगति की भी समीक्षा की। कुल मिलाकर, इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों की सहजता को रेखांकित किया है।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत ने पिछले दशक में मजबूत आर्थिक विकास का प्रदर्शन किया है। भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति के वैश्विक अग्रणी देशों में से एक होने की अद्भुत क्षमता है। हमारी जैव अर्थव्यवस्था 2014 के 10 बिलियन डॉलर से 13 गुना बढ़कर 2024 में 130 बिलियन डॉलर से अधिक की हो गयी है। 2030 तक इसके 300 बिलियन डॉलर के बाजार मूल्य तक पहुंचने की उम्मीद है।

बायो इ3 नीतिः अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी

डॉ जितेंद्र सिंह

दूरगामी प्रभाव वाली एक ऐतिहासिक पहल के रूप में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की बायो इ3 (अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति का उद्देश्य स्वच्छ, हरित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के लिए उच्च प्रदर्शन वाले जैव विनिर्माण को बढ़ावा देना है। यह नीति पूरी दुनिया के भविष्य के आर्थिक विकास के शुरूआती मार्गदर्शकों में से एक के रूप में भारत के लिए वैश्विक परिदृश्य में अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करेगी।

भौतिक उपभोग, अत्यधिक संसाधन उपयोग और अपशिष्ट उत्पादन के असंवहनीय प्रारूप ने विभिन्न वैश्विक आपदाओं को जन्म दिया है, जैसे जंगल की आग, ग्लेशियरों का पिघलना और जैव विविधता में कमी आदि। भारत को 'हरित विकास' के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, एकीकृत बायो इ3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति जलवायु परिवर्तन, घटते गैर-नवीकरणीय संसाधनों और असंवहनीय अपशिष्ट उत्पादन की चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में, सतत विकास की दिशा में एक सकारात्मक और निर्णायक कदम है। इस नीति का एक प्रमुख उद्देश्य रसायन आधारित उद्योगों को अधिक स्थायी जैव-आधारित औद्योगिक मॉडल में परिवर्तित करना है। यह चक्रीय जैव अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा, ताकि नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल किया जा सके। इसके लिए यह जैव-आधारित उत्पादों के उत्पादन के लिए माइक्रोबियल सेल कारखानों द्वारा बायोमास, लैंडफिल, ग्रीन हाउस गैसों जैसे अपशिष्ट के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा।

भौतिक उपभोग, अत्यधिक संसाधन उपयोग और अपशिष्ट उत्पादन के असंवहनीय प्रारूप ने विभिन्न वैश्विक आपदाओं को जन्म दिया है।

इसके अलावा, बायो इ3 नीति भारत की जैव अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने, जैव-आधारित उत्पादों के पैमाने का विस्तार करने और व्यावसायीकरण की सुविधा प्रदान करने; अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा कम करने, इनका पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण करने; भारत के अत्यधिक कुशल कार्यबल के समूह का विस्तार करने; रोजगार सृजन में तेजी लाने तथा उद्यमिता की गति को तेज करने के लिए अभिनव समाधान तैयार करेगी। नीति की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैंः 1) उच्च मूल्य वाले जैव-आधारित रसायन, बायोपॉलिमर और एंजाइम; स्मार्ट प्रोटीन और फंक्शनल फूड; सटीक जैव चिकित्सा; जलवायु अनुकूल कृषि; कार्बन स्तर में कमी और इसका उपयोग; तथा समुद्री एवं अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे विषयगत क्षेत्रों में स्वदेशी अनुसंधान और विकास-केंद्रित उद्यमिता को प्रोत्साहन और समर्थन; 2) जैव विनिर्माण सुविधाएं, जैव फाउंड्री क्लस्टर और जैव-कृत्रिम बुद्धिमत्ता (बायो-एआई) हब की स्थापना के जरिये प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण में तेजी; 3); नैतिक और जैव सुरक्षा विचार पर जोर देते हुए आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के पुनरुत्पादन मॉडल को प्राथमिकता देना; 4) वैश्विक मानकों के अनुरूप नियामक सुधारों का सामंजस्य।

यह परिकल्पना की गयी है कि जैव-विनिर्माण हब केंद्रीकृत सुविधाओं के रूप में काम करेंगे, जो उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और सहयोगी प्रयासों के माध्यम से जैव-आधारित उत्पादों के उत्पादन, विकास और व्यावसायीकरण को गति प्रदान करेंगे। इससे एक ऐसे समुदाय का निर्माण होगा, जहां जैव-विनिर्माण प्रक्रियाओं के पैमाने, स्थायित्व और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संसाधन, विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी साझा की जा सकती है।

भारत ने पिछले दशक में मजबूत आर्थिक विकास का प्रदर्शन किया है। भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति के वैश्विक अग्रणी देशों में से एक होने की अद्भुत क्षमता है। हमारी जैव अर्थव्यवस्था 2014 के 10 बिलियन डॉलर से 13 गुना बढ़कर 2024 में 130 बिलियन डॉलर से अधिक की हो गयी है। 2030 तक इसके 300 बिलियन डॉलर के बाजार मूल्य तक पहुंचने की उम्मीद है। विभिन्न क्षेत्रों में बायो इ3 नीति के कार्यान्वयन से देश की जैव अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलने की संभावना है, साथ ही 'हरित विकास' को प्रोत्साहन मिलेगा। देश की उच्च प्रदर्शन वाली जैव विनिर्माण पहलों को बढ़ावा देने से उभरती प्रौद्योगिकियां और नवाचार सामने आयेंगे, जिनका लाभ उठाते हुए जैव अर्थव्यवस्था की आधारशिला रखी जायेगी। जैव विनिर्माण 'मेक इन इंडिया' पहल का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनने के लिए तैयार है और यह 21वीं सदी की मांगों को पूरा करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करेगा। एक बहु-विषयक प्रयास के रूप में, इसमें मानव कोशिकाओं सहित सूक्ष्मजीवों, पौधों और पशु कोशिकाओं की क्षमता को उजागर करने की शक्ति है, ताकि न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन के साथ लागत प्रभावी तरीके से जैव-आधारित उत्पाद विकसित किए जा सकें।

यह परिकल्पना की गयी है कि जैव-विनिर्माण हब केंद्रीकृत सुविधाओं के रूप में काम करेंगे, जो उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और सहयोगी प्रयासों के माध्यम से जैव-आधारित उत्पादों के उत्पादन, विकास और व्यावसायीकरण को गति प्रदान करेंगे। इससे एक ऐसे समुदाय का निर्माण होगा, जहां जैव-विनिर्माण प्रक्रियाओं के पैमाने, स्थायित्व और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संसाधन, विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी साझा की जा सकती है। ये जैव-विनिर्माण हब, जैव-आधारित उत्पादों के 'प्रयोगशाला-से-प्रारंभिक विनिर्माण' (लैब-टू-पायलट) और 'पूर्व-व्यावसायिक पैमाने' के विनिर्माण के बीच के अंतर को दूर करेंगे। स्टार्ट-अप इस प्रक्रिया में अभिनव विचारों को लाकर और विकसित करके तथा उन्हें लघु एवं मध्यम आकार के उद्यम (एसएमइ) बनाकर और स्थापित निर्माता बनने में सहयोग करके महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

बायोफाउंड्री का तात्पर्य है, उन्नत क्लस्टरों के निर्माण, ताकि जैविक इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं को पैमाने के अनुरूप- प्रारंभिक डिजाइन और 'परीक्षण चरणों से लेकर पायलट' तथा 'पूर्व-व्यावसायिक उत्पादन' तक - तैयार किया जा सके। विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के लिए एमआरएनए-आधारित टीकों और प्रोटीन का बड़े पैमाने पर निर्माण कुछ सराहनीय उदाहरण हैं, जिनके लिए बायोफाउंड्री मूल्यवान हो सकती हैं। ये क्लस्टर मानकीकृत और स्वचालित प्रक्रियाओं का उपयोग करके जैविक प्रणालियों और जीवों के डिजाइन, निर्माण एवं परीक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।

बायो-एआइ हब अनुसंधान एवं विकास में एआइ के एकीकरण को प्रोत्साहित करने और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में काम करेंगे। एआइ और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, ये बायो-एआइ हब बड़े पैमाने पर जैविक डेटा के एकीकरण, भंडारण और विश्लेषण के लिए जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता, अत्याधुनिक अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स सहायता प्रदान करेंगे। विभिन्न विषयों (उदाहरण के लिए, जीव विज्ञान, महामारी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग, डेटा विज्ञान) के विशेषज्ञों के लिए इन संसाधनों को सुलभ बनाने से अभिनव जैव-आधारित अंतिम उत्पादों के निर्माण की सुविधा मिलेगी- चाहे वह जीन थेरेपी की एक नयी किस्म हो, या एक नया खाद्य प्रसंस्करण विकल्प हो।

इन समन्वित पहलों के माध्यम से, बायोइ3 नीति, विशेष रूप से टियर-टू और टियर-थ्री शहरों में, रोजगार सृजन में वृद्धि लायेगी, जहां जैव विनिर्माण हब स्थापित करने का प्रस्ताव है, क्योंकि ये स्थान बायोमास स्रोतों के निकट स्थित हैं। भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार में निवेश करके, यह व्यापक नीति राष्ट्र के 'विकसित भारत' के संकल्प में योगदान देगी। यह नीति एक बेंचमार्क के रूप में काम करेगी तथा इस बात को दर्शायेगी कि एक प्रभावी विज्ञान नीति राष्ट्र निर्माण और विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे सकती है।

(लेखक केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।)

देश-विदेश की खबरें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक का फैसला

बनेंगे 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर, 10 लाख को मिलेगा रोजगार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 अगस्त को देशभर में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित करने की मंजूरी दी है। इससे लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी दी है। इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल सकेगा। इस योजना पर 28,602 करोड़ रुपये का निवेश होगा। वैष्णव ने बताया कि 10 राज्यों में फैली छह प्रमुख आर्थिक गलियारे भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। वैष्णव ने बताया कि प्रस्तावित 12 स्मार्ट औद्योगिक शहरों में लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश संभावनाएं पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा और औद्योगिक नोड्स एवं शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार करेगा जो आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को काफी बढ़ावा देगा।

उत्तराखंड का खुरपिया, पंजाब का राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र का दिघी, केरल का पलक्कड़, यूपी का आगरा और प्रयागराज, बिहार का गया, तेलंगाना का जहीराबाद, आंध्र का ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान का जोधपुर-पाली

वैष्णव ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों को वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि ये औद्योगिक स्मार्ट शहर उन्नत बुनियादी ढांचे से लैस हों जो कुशलतापूर्वक औद्योगिक संचालन का समर्थन कर सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम से रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने की उम्मीद है और अनुमानतः 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां और 30 लाख तक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इन परियोजनाओं से लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश क्षमता पैदा होगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर राज्यों को पनबिजली के विकास के लिए 4,136 करोड़ रुपये के इक्विटी समर्थन की भी मंजूरी दी है। इसके अलावा रेलवे की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने देशभर के 234 शहरों में निजी एफ एम रेडियो के 734 चैनलों की नीलामी को भी मंजूरी दी है।

और अफ्रीकी चीते जल्द आयेंगे भारत

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। सरकार ने इस साल के अंत तक 12 से 14 और चीतों को भारत लाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। मामले से जुड़े अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। इसके लिए केन्या के साथ भी बातचीत की जा रही है और एक समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चीतों के अगले समूह को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में लाने की योजना है। एक अधिकारी ने बताया, हम इस मामले पर दक्षिण अफ्रीका से बातचीत कर रहे हैं। एक प्रतिनिधिमंडल ग्राउंड लेवल पर बातचीत करने के लिए सितंबर के अंत में या अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगा। चीतों का अगला समूह इन दोनों में से किसी भी देश से आ सकता है। उन्होंने कहा, हमने दक्षिण अफ्रीका को बताया है कि हम चीता प्रोजेक्ट स्टीयरिंग कमेटी की सिफारिश और योजना के मुताबिक इस साल के अंत तक चीतों का एक और समूह लाने की कोशिश तेज करना चाहते हैं।

कैसे मुसलमान बढ़े और घट गये हिंदू, श्वेत पत्र लायेंगेः हिमंता बिस्वा सरमा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार श्वेत पत्र लाकर बतायेगी कि राज्य में कैसे मुसलमान बढ़ते चले गये और हिंदू घट गये। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को असम की जनसंख्या में पैदा हुए असंतुलन के बारे में पता चलेगा और खतरे का अनुमान लगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम अप्रैल-मई तक श्वेत पत्र लाकर बतायेंगे कि कैसे हिंदू बहुसंख्यक इलाकों में मुस्लिमों की संख्या बढ़ती चली गयी, लेकिन कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई। दोनों समुदाय शांति से रहते रहे। लेकिन जहां स्थिति इसके उलट है, वहां ऐसा नहीं है।

इससे पहले मंगलवार को हिमंता बिस्वा सरमा ने विधानसभा में विधायकों से अपील की थी कि वे यह तय करें कि किसी भी इलाके में लोगों का पलायन न हो।

उन्होंने कहा, हम असम में सांप्रदायिक सौहार्द और शांति बनाना चाहते हैं। यह श्वेत पत्र कई दिलचस्प चीजें बतायेगा। आप देखकर हैरान रह जायेंगे कि चीजें कैसे बदल रही हैं। राज्य में कुल 28 हजार पोलिंग बूथ हैं और 19 हजार में जनसंख्या का असंतुलन हो गया है। हम श्वेत पत्र तैयार कर रहे हैं और इसे अप्रैल-मई तक जारी कर देंगे। सरमा ने कहा कि कांग्रेस को भी इस मसले पर साथ आना चाहिए, क्योंकि यह राजनीति की बात नहीं है। सरमा ने कहा, सभी को एकजुट होकर मुकाबला करना होगा। किसी को भी परेशान नहीं होना चाहिए। लेकिन जो लोग जहां भी रह रहे हैं, वहां उन्हें शांति से रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने समान नागरिक संहिता को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि हमारा काम यह है कि महिलाओं को सशक्त किया जाये और बाल विवाह रोके जायें। असम सरकार यूसीसी पर काम नहीं कर रही है। हम किसी धर्म के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक बार सभी मुस्लिम शादियों और तलाक के रजिस्ट्रेशन का कानून जब पास हो जायेगा, तो फिर हम बहुविवाह पर भी पाबंदी का कानून लायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में अंतर्धार्मिक विवाहों पर भी नियंत्रण करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हम असम की संस्कृति के संरक्षण के लिए कदम उठा रहे हैं।

यौन उत्पीड़न के आरोपों से हिली मलयालम फिल्म इंडस्ट्री, अब तक 17 मामले दर्ज

तिरुवनंतपुरम (आजाद सिपाही)। यौन उत्पीड़न के आरोपों की बाढ़ से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री मॉलीवुड में भूचाल आ गया है। यौन उत्पीड़न के मामलों में अब तक 17 मामले दर्ज किये गये हैं। आरोपों के बीच मलयालम मूवी आर्टिस्ट की एसोसिएशन एमएमएए को भी भंग कर दिया गया है। पुलिस आरोपों को लेकर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के कई फिल्मी सितारों और फिल्म निर्माताओं से पूछताछ कर सकती है। यौन उत्पीड़न के आरोपों की कड़ी में नया आरोप फिल्म अभिनेत्री सोनिया मल्हार का है। मल्हार का आरोप है कि साल 2013 में एक फिल्म के सेट पर अभिनेता उनके साथ छेड़छाड़ की थी। अभिनेत्री ने केरल सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल के सामने अपनी शिकायत दर्ज करायी है। मॉलीवुड में यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए केरल सरकार ने इस विशेष जांच दल का गठन किया है। सोनिया मल्हार से पहले फिल्म अभिनेत्री मीनू मुनीर ने भी यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये थे।

सपा-कांग्रेस के अंदर जिन्ना की आत्मा घुस गयी हैः योगी

आजाद सिपाही संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अलीगढ़ के खैर में सोमना रोड स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल में रोजगार मेले का उद्घाटन किया। साथ ही लोन वितरण, टैबलेट और स्मार्ट फोन का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता। विकास के साथ रोजगार चाहिए। इन सबके लिए सुशासन चाहिए। आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। सरकार जनता के दरवाजे पर रोजगार देने पहुंच रही है। जिसकी जितनी क्षमता है उसे उसके अनुसार रोजगार दिया जा रहा है। आजादी के बाद देश में विकास खिसकने के साथ भेदभाव चल रहा था। लेकिन डबल इंजन की भाजपा सरकार के कार्यकाल में कोई भेदभाव नहीं हो रहा। यदि किसी ने अराजकता करने, बहन-बेटियों की अस्मत से खिलवाड़ करने की कोशिश की, तो उसके साथ कोई रहम नहीं किया जायेगा, उसका रास्ता यमराज के पास होगा। कांग्रेस ने राष्ट्र नायकों का अपमान किया है। भाजपा राष्ट्रनायकों को सम्मान देने का काम कर रही है। कांग्रेस जब सत्ता में थी, तो सिर्फ एक ही परिवार के बारे में सोचती थी। कांग्रेस ओर सपा में जिन्ना की आत्मा घुस गयी है। जिन्ना ने देश को बांटने का काम किया था, सपा-कांग्रेस समाज को धर्म जाति के नाम पर बांटने और तोड़ने का कार्य कर रही हैं। लेकिन मोदी के नेतृत्व में इनके मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया जायेगा।

कनाडा में रह रहे भारतीय छात्रों पर मंडरा रहा निर्वासन का खतरा

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में सैकड़ों भारतीय छात्रों ने नयी संघीय नीति के खिलाफ प्रदर्शन किया है। दरअसल इस नीति के चलते कनाडा में पढ़ाई कर रहे विदेशी छात्रों पर निर्वासन का खतरा मंडरा रहा है और इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। दरअसल कनाडा सरकार ने हाल ही में अपनी आव्रजन नीति में कुछ बदलाव किये हैं। इन बदलावों के चलते 70 हजार से अधिक स्नातक छात्रों का भविष्य अनिश्चितता में पड़ गया है। इस नीति के खिलाफ भारतीय छात्रों ने कनाडा के प्रिंस एडवर्ड आइलैंड प्रांत की विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसी तरह के प्रदर्शन ओंटारियो, मैनिटोबा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांतों में भी हो चुके हैं। आव्रजन नीति में बदलाव के तहत कनाडा की सरकार स्थायी निवास के नामांकन की संख्या को 25 प्रतिशत तक कम करने की तैयारी कर रही है। साथ ही कनाडा में पढ़ाई के लिए मिलने वाले परमिट को भी कम किया जायेगा।

इतने साल में पहली बार झारखंड में बनी है गरीब-गुरबों की सरकार : मंत्री

● मंत्री ने किया आधा दर्जन गावों में जनसंवाद, समस्याओं का किया निराकरण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि झारखंड गठन के बाद 24 साल में पहली बार राज्य में गरीब गुरबों व झारखंड वासियों की सरकार बनी है। जब से राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनी है, तब से लगातार पूरे राज्य में गरीबों, मजदूरों, किसानों को ध्यान में रख कर सरकार जनहित की योजनाएं चला रही है। मंत्री श्री ठाकुर बुधवार को गढ़वा प्रखंड अंतर्गत परिहारा पंचायत के विभिन्न गावों में आयोजित जनसंवाद को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि जब से गढ़वा की जनता ने उन्हें अपना सेवक चुना है तब से वे लगातार गांव-गांव घूमकर लोगों से मिल रहे हैं। जनता की समस्याओं का निदान कर रहे हैं। पिछले साढ़े चार वर्षों में गढ़वा में ऐतिहासिक विकास कार्य हुआ है। उनका प्रयास है कि जनता को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। आपके गांव, आपके टोला तक पहुंचकर जनहित का सारा काम लगातार कर रहा हूं। इस दौरान मंत्री श्री ठाकुर परिहार पंचायत के ग्राम कितासोती कला स्कूल के समीप, ग्राम कितासोती खूर्द में स्कूल के समीप, ग्राम करके में देवी धाम के समीप, ग्राम बलिगढ़ में देवी मंदिर के समीप तथा ग्राम परिहारा में पंचायत भवन के समीप आयोजित जनसंवाद में ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, चंदा देवी, फुजैल अहमद, भागीरथी सिंह, मुखिया रविंद्र राम, राकेश, दिनेश बैठा, सतेंद्र, प्रभा देवी, रामचंद्र यादव सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री ने किया 14 हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन

हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन करते मंत्री

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने 14 हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन किया। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विधायक विधायक मद से अधिष्ठापित हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन मंत्री श्री ठाकुर ने मेराल प्रखंड के बसरिया गांव स्थित स्कूल के समीप आयोजित कार्यक्रम में फीता काटकर और स्वीच दबाकर किया। मौके पर मंत्री ने कहा कि हाई मास्ट लाइट पहले सिर्फ शहरों में ही देखने को मिलता था। परंतु उन्होंने गढ़वा के प्रत्येक गांव में हाई मास्ट लाइट लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब गढ़वा का प्रत्येक गांव हाई मास्ट लाइट की रौशनी से जगमग होगा। आज गढ़वा प्रखंड में दो, मेराल में छह, रंका में एक, रमकंडा में तीन तथा डंडा प्रखंड में लगे दो हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन किया गया। मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दीपमाला, रविंद्र, सुडो, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री बन चुकी सड़क को ही बनाते चल रहे हैं : गिरिनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में परिवर्तन सह जनसंपर्क यात्रा अनवरत जारी हैं। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मंत्री पानी के हैं, लेकिन बने हुए रोड को ही बनाते चल रहे हैं। आपलोगों को समझना चाहिए जहां ज्यादा कमीशन मिल रहा है, उसी काम को किया जा रहा है। जनता की बात कोई सुनने वाला नहीं है सिर्फ अपना स्वार्थ देख रहे। मंत्री ने आगे कहा कि हम आपको भड़का नहीं रहे अपने अधिकार के लिए जागरूक होना पड़ता हैं। आज सभी जगह भ्रष्टाचार काफी बढ़ गया हैं। गढ़वा के बीडीओ ने इतनी धांधली कर रखी हैं कि बिना पैसा लिए किसी भी योजना में सिग्नेचर नहीं किया जा रहा। झारखंड के युवाओं को छलने का काम किया जा रहा हैं। बाहर के लोगों को नौकरी दी जा रही है, और नौकरी में बहाली से पहले ही बेच दिया जा रहा है। झारखंड में ठेकेदारी सिस्टम को बहुत बढ़ा दिया गया है। आज जितने भी काम हो रहा, सारे ठेकेदार बिहार और चाईबासा से काम करने आ रहे। श्री सिंह ने कहा कि हम आपसे वोट मांगने नहीं आये है, आपका हाल-चाल पूछने आये हैं। बुधवार को परिवर्तन यात्रा मुख्य रूप से प्रखंड गढ़वा पंचायत रंका के गांव बौलिया, उटमा, रंका, बरदागा, असेया, गोढ़या में किया गया `परिवर्तन यात्रा में मुख्यरूप से अवध सिंह, शिवनाथ चौधरी, संजय तिवारी, सुनील चंद्रवंशी, अवधेश तिवारी,आनंद तिवारी सुनील पासवान, योगेंद्र पासवान, उर्मिला कंवर वार्ड सदस्य, रामेश्वर चौधरी, सूर्यदेव चौधरी, शिव चौधरी, अर्जुन चौधरी, प्रशांत चौधरी वार्ड सदस्य, खुर्शीद खान बैजनाथ, ब्रह्मदेव साह सहित सैकड़ों में ग्रामीण उपस्थित थे।

पार्श्वगायक मुकेश की 48वीं पुण्यतिथि मनायी गयी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। संगीत कला महाविद्यालय में पार्श्व गायक स्वर्गीय मुकेश चंद्र माथुर की 48 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर संगीतमयी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात स्वर्गीय मुकेश के तस्वीर पर पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर संगीत कला महाविद्यालय के निदेशक प्रमोद सोनी ने कहा कि स्वर्गीय मुकेश चंद्रमाथुर के जीवनी पर प्रकाश डाला। रंजीत किशोर ने जाने चले जाते है कहां दुनिया से जानेवाले.., जीना यहां मरना यहाँ इसके सिवा जाना कहां.., पूर्णिमा कुमारी के फूल तुम्हे भेजा है खत में फूल नही मेरा दिल है, धर्मेंद्र कुमार ने चंदन सा बदन चंचल चितवन, और परिधि कुमारी के साथ महबूब मेरे महबूब मेरे तू है तो दुनिया कितनी हंसी है। सुनेश विश्वकर्मा ने दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन मे समायी काहे को दुनिया बनायी और खुशी कुमारी के साथ मैं ना भूलूंगा मैं ना भूलूंगी, अनिल कुमार ने सुहानी चांदनी रातें हमे सोने नही देती और प्रियंका कुमारी के साथ फूल आहिस्ता फेंको फूल बड़े नाजुक होते है, नैतिक कुमार ने स्वर्गीय मुकेश गीतों को गाकर अपना श्रद्धांजलि अर्पित की।

महिला की गला दबाकर हत्या, फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने का किया गया प्रयास

मृतका पूनम का फाइल फोटो।

कांडी (आजाद सिपाही)। स्थानीय थाना क्षेत्र की एक बिटिया को दहेज लोभियों ने 26 अगस्त को गला दबाकर मार डाला। साक्ष्य छुपाने के लिए उसे साड़ी के फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। कांडी थाना क्षेत्र के खरौंधा पंचायत अंतर्गत मोखापी गांव निवासी संतन यादव की पुत्री पूनम कुमारी उम्र 21 वर्ष की शादी मात्र एक एक महीना 18 दिन पहले 10 जुलाई 2024 को पलामू जिला के हैदर नगर थाना अंतर्गत सिमरसोत गांव निवासी प्रमोद कुमार यादव के बेटे विपिन कुमार यादव के साथ हिंदू रीति रिवाज से यथाशक्ति दहेज एवं उपहार देकर की गयी थी। लेकिन शादी के बाद से ही दामाद विपिन यादव अपनी पत्नी पूनम को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। दहेज में एक गाड़ी दिया गया था, उसके बावजूद ससुराल वालों के द्वारा एक लाख रुपये और सोने का चेन की लगातार मांग किया जा रहा था। दहेज को लेकर ससुर व भसुर के द्वारा भी धमकी दिया जाता था। पति विपिन यादव ने रक्षाबंधन के दिन कहा कि सोने का चेन देंगे तो राखी बंधाने ले चलेंगे, नहीं तो जान से मार देंगे। उसकी सास ललमतिया देवी व बड़ी गोतनी रंजू देवी भी मिलजुल कर प्रताड़ित करती थी। मायके वालों ने आरोप लगाया की सब लोग मिलकर पूनम को गला दबाकर जान से मार दिया। साक्ष्य छुपाने के लिए उसी की साड़ी में फंदा बनाकर खिड़की के पास एक बांस में लटका दिया। इस बात की सूचना मेरी बुआ सीमा देवी पति सुनील यादव ने 26 अगस्त 2024 को 2:00 बजे फोन से दी कि लड़की को जान से मार दिया गया है। जिस घर में हत्या की गयी है, उसका दरवाजा बाहर से खुला था। जिसे बाद में अंदर से बंद कर-के बंद करने वाला पीछे की खिड़की से बाहर निकल गया। मृतका के भाई दीपक कुमार यादव ने हैदर नगर थाना प्रभारी को आवेदन देकर हत्यारों की गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। इस संबंध में हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि उक्त मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

सोन नदी में जल स्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्रों में खतरा बढ़ा

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सोन नदी में जल स्तर बढ़ जाने से सोनतटीय क्षेत्रों में खतरा बढ़ गया है। मिली सूचना के अनुसार मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के देवलांड में स्थित बाणसागर बांध में जलस्तर अधिक होने के कारण उसके गेटों को खोल दिया गया गया है, जिससे सोन नद का जल स्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गयी है। जलस्तर स्तर इसी तरह बढ़ा, तो कांडी प्रखंड के हरिहरपुर, श्रीनगर, दारीदह, डूमरसोता सहित प्रखंड के सभी सोनतटीय इलाकों में रात्रि में जलस्तर और अधिक बढ़ने की संभावना है। सोन नद में यदि जलस्तर बढ़ा तो बाढ़ से और अधिक नुकसान हो सकता है। इस स्थिति में आजाद सिपाही परिवार सभी से आग्रह करता है कि अपनी सुरक्षा को ध्यान में रख कर ही नदी के किनारे पर जाएं।

राशन वितरण में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने डीलर उमेश के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत बुका के डीलर उमेश यादव द्वारा जविप्र राशन कार्डधारी लाभुकों के बीच पिछले चार माह से राशन वितरण में घोर अनियमितता बरती जाने संबंधी शिकायत पर बुधवार को बसपा नेता नीरज चौबे सैकड़ों लाभुको के साथ प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर, सीओ सह प्रभारी एमओ आफताब आलम को लिखित आवेदन देकर लाभुकों को अविलंब राशन दिलाते हुए उक्त डीलर के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की मांग किया है। लाभुकों ने जविप्र डीलर के उपर आरोप लगाते हुए कहा कि डीलर उमेश यादव द्वारा हमसभी को पिछले चार माह से राशन नहीं दिया जा रहा है, जब लाभुक राशन की मांग करते हैं, तो वह अभद्र व्यवहार और गाली गलौज करते हुए कहता है कि तुम लोगों को जहां जाना है, जाओ मुझे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। कहा कि पिछले जुलाई माह में 10 से 15 किलो राशन कम देने की बात कह रहे हैं। डीलर द्वारा ससमय राशन नहीं दिये जाने से ज्यादातर लाभुक भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। जबकि बसपा नेता नीरज चौबे ने प्रभारी एमओ से उक्त डीलर के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करते हुए लाभुकों के बीच अविलंब राशन वितरण कराने की बात कही, अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी। जिस पर प्रभारी एमओ ने मामले की जांचोपरांत दो दिनों के अंदर लाभुकों के बीच राशन वितरण करवाने का आश्वासन बसपा नेता को दी। इस मौके पर बसपा जिलाध्यक्ष प्रमोद राम, राकेश रवि, ऐनुल खां, महफूज आलम, लाभुक भोला राम, अनिल राम, रामचंद्र राउत, रामाश्रय साह, अलखी देवी, सोनिया देवी, रामपति देवी, मालती देवी सहित सैकड़ों लाभुक मौजूद थे।

परिवर्तन होने से ही रोजगार मिलेगा पलायन पर भी लगेगी रोक : मानवेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुरा। विशुनपुरा लाल चौक स्थित ललकी माटी पुराने पंचायत भवन में झामुमो प्रखंड इकाई विशुनपुरा के कार्यकर्ताओं का बैठक पूर्व विधायक अंनत प्रताप देव के पुत्र झामुमो युवा नेता मानवेंद्र प्रताप देव उर्फ मनू बाबा के अध्यक्षता में किया गया। बैठक में बूथ कमिटी बनाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर मानवेंद्र प्रताप देव ने कहा कि पूर्व विधायक ग्रामीणों की हर समस्याओं को निदान करने के लिए तत्पर रहते है। इस बार परिवर्तन से ही विकास संभव है, परिवर्तन होने से रोजगार सहित पलायन पर भी रोक लगेगा।

उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक ने चुनाव जीतने के बाद भवनाथपुर में पावर प्लांट का शिलान्यास करवाया था। उनके कार्यकाल में आचार संहिता सहित कयी समस्याएं आती रही, जिसके चलते प्लांट का कार्य नहीं हो पायी थी, लेकिन पिछले 15 वर्ष में उनको दुबारा अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि एक बार फिर छोटे राजा के हाथों को मजबूत करने का समय आ गया है।युवाओं ने इस बार भवनाथपुर विधानसभा में परिवर्तन के लिए ठान लिया है। युवाओं को लगातार पिछले 15 वर्षो से कुर्सी पर बैठ कर रोजगार के नाम पर सिर्फ छलने का कार्य किया है। यहां के युवा रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशो में पलायन के लिये मजबूर है, लेकिन वर्तमान विधायक भानुप्रताप साही द्वारा 15 वर्षो का लंबा कार्यकाल के बाद भी युवाओं का पलायन रोकने में विफल साबित हुये है। इस मौके पर मुखतेश्वर पांडेय, प्रदीप सिंह, देवेंद्र सिंह, पंकज सिंह, प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, गौरव प्रताप देव, मनोज रवि, मानिक गुप्ता, सोनू गुप्ता, अमरेश सिंह, सचिन कुमार, ऐनुल अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

एसडी मेमोरियल एकेडमी में हुआ खेल प्रतियोगिता का आयोजन

● कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग से व्हाइट लायंस तथा बालिका वर्ग राइजिंग सन ने जीता खिताब

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एस डी मेमोरियल एकेडमी मे बालक और बालिकाओं के बीच अलग-अलग खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वर्ग 1 से वर्ग 8 तक के विद्यार्थियों ने भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। बालिका वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में व्हाइट लाइंस और राइजिंग सन के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें राइजिंग सन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 9 पॉइंट से व्हाइट लाइंस को पराजित किया। बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता, व्हाइट लायंस और ब्लैक पैंथर के बीच खेला गया, जिसमें व्हाइट लाइंस ने ब्लैक पैंथर को कड़े मुकाबले में दो पॉइंट से पराजित कर खिताब को जीत लिया। इसके अलावे वर्ग 1 से वर्ग छः के बालक और बालिकाओं के लिए 200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

कक्षा एक बालक वर्ग से ओम कुमार प्रथम सूर्यमणि द्वितीय तथा हिमांशु कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वर्ग 2 में बालक वर्ग से अजीत कुमार प्रथम आकाश कुमार द्वितीय तथा आयुष कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में लाडली कुमारी प्रथम नजराना खातून द्वितीय तथा जिया कुमारी तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में प्रधानाध्यापक अरुण कुमार शिक्षक गौतम कुमार ने रेफरी की भूमिका निभायी।

युवाओं के जुड़ने से पार्टी को मिलेगी मजबूती : एमएन खान

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा शहर के कई युवाओं ने एआईएमआईएम की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी युवाओं को एआईएमआईएम के पलामू प्रमंडल प्रभारी सह गढ़वा विधान सभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी डॉक्टर एमएन खान ने पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर डॉक्टर एम एन खान ने कहा कि युवाओं को पार्टी से जुड़ने पर पार्टी पूरी तरह से मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम पार्टी के नीति और सिद्धांतों से प्रभावित होकर गढ़वा शहर के कई युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। डॉक्टर एम एन खान ने कहा कि अब युवाओं को लगने लगा है कि एआईएमआईएम ही उनका विकास कर सकता है। साथ ही रोजगार उपलब्ध करा सकता है। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले युवाओं ने कहा कि वे एआईएमआईएम के नीति और सिद्धांतो से प्रभावित होकर वे लोग इस पार्टी का दामन थामा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की झारखंड सरकार एक भी वादा करने में सफल नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दिला सका। यह झूठी सरकार है।

मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर जाने से मजदूरों का रोजगार ठप

● प्रखंड में मनरेगा योजना से अबुआ आवास, आम बागवानी, मेड़ बंदी, टीसीबी, जैसे कई कार्य में चल रहा था। पिछले करीब एक माह से सभी योजनाएं बंद है बंद

जितेंद्र यादव

डंडई (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय में पंचायत सेवक, अनुसूचियां कर्मचारी व मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से प्रखंड क्षेत्र के कुल सभी 9 पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत संचालित विकास कार्यो पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। क्रियान्वित सभी योजना का कार्य बंद पड़ा हुआ है। वहीं मनरेगा में मजदूरों का डिमांड लगना बंद है। कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से पंचायत व प्रखंड कार्यालय के दफ्तरो में ताले लटक रहा है। प्रखंड कार्यालय से प्रत्येक दिन कामकाज को लेकर आने वाले लाभुकों को निराश घर लौटना पड़ रहा है। हड़ताल के बाद प्रखंड कार्यालय के मनरेगा बीपीओ, मनरेगा कनिय अभियंता, पंचायत सचिवालय में पंचायत सचिव के दफ्तर में ताला लटका है। प्रखंड में मनरेगा योजना से क्रियान्वित योजना का कार्य बंद हो जाने से मनरेगा मजदूर व लाभुक काफी परेशान हैं। बता दें कि प्रखंड कर्मियों को हड़ताल पर चले जाने से बिरसा हरित कूप निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। वहीं कई लाभुको का कूप बरसात के पानी से ध्वस्त होने के कगार पर है। लाभुकों का कुआं खुदाई का कार्य जैसे ही पूर्ण हुआ वैसे से ही मनरेगा कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल चले गये हैं। जिससे भारी बरसात में अधूरे पड़े कूप निर्माण कार्य धंसने लगा है। इससे लाभुकों के साथ-साथ सरकार का भी करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। प्रखंड में मनरेगा योजना से अबुआ आवास, आम बागवानी, मेड़ बंदी, टीसीबी, वाटर रिचार्ज जैसे कई कार्य प्रखंड में चल रहा था। वह पिछले करीब एक माह से सभी योजनाएं बंद पड़ा हुआ है। जिस कारण मजदूरों का रोजगार भी नहीं मिल पा रहा है। प्रखंड से मजदूरों का लगातार पलायन हो रहा है। मजदूरों ने कहा, प्रखंड में महीनों दिनों से मनरेगा कार्य है बंद, पलायन को विवश मनरेगा मजदूर अशोक कुमार,शामलेश कोरवा, चंदेश्वर सिंह सहित अन्य मजदूरो ने बताया कि कमाई का एकमात्र जरिया मजदूरी है। बरसात की वजह से क्षेत्र में मजदूरी का काम नहीं मिलता। ऐसे में मनरेगा में मजदूरी ही एकमात्र साधन है। उन्होंने बताया कि अपने काम को कराने के लिए महीनों से प्रखंड कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं पर मनरेगा कर्मियों से मुलाकात नहीं हो पा रहा है। सूचना मिलता है कि मनरेगा कर्मी हड़ताल पर गये हुए हैं। जिससे बिना काम कराय घर लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को मनरेगा कर्मियों के मांगों को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाए ताकि क्षेत्र में पुनः मनरेगा कार्य बहाल हो सके।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार
सूचना
राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांकः–28.09.2024

व्यवहार न्यायालय, लातेहार में निःशुल्क, सुलभ एवं त्वरित न्याय के लिए

विदित हो कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के तत्वावधान एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), राँची के निर्देशन में **जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार** के द्वारा **दिनांक 28.09.2024** दिन शनिवार समय 11.00 बजे पूर्वाहन से **व्यवहार न्यायालय, लातेहार के परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत** का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्नलिखित मामलों का निश्पादन किया जाएगा। आप सभी आमजनों से अनुरोध है कि **दिनांक 15.07.2024** से **27.9.2024** तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार अंतर्गत चल रहे विभिन्न बेंचों द्वारा शुरू किए गए **"पूर्व राष्ट्रीय लोक अदालत कॉन्सिलिएशन बैठक"** में अपने मामलों का निष्पादन हेतु स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से सूचीबद्ध करा सकते है, जिससे आपके मामलों का निष्पादन दिनांक **28.09.2024** को **राष्ट्रीय लोक अदालत** में हो सके।

उक्त **राष्ट्रीय लोक अदालत** में निम्नलिखित प्रकार के मामलों का निश्पादन किया जायेगा।

1. सभी प्रकार के दीवानी मामले	9. विद्युत विभाग से संबंधित मामले
2. सुलहनीय अपराधिक मामले	10. वन विभाग से संबंधित मामले
3. बैंक सर्टिफिकेट केस	11. माप तौल विभाग से संबंधित मामले
4. वैवाहिक पारिवारिक मामले	12. चेक बाउन्स से संबंधित मामले
5. श्रम संबंधित मामले	13. विवाद पूर्व निस्तारण योग्य मामले
6. भू–अधिग्रहण से संबंधित मामले	14. उत्पाद विभाग के मामले
7. राजस्व संबंधित मामले	15. अंतिम प्रपत्र से संबंधित वाद
8. वाहन दुर्घटना से संबंधित मामले	16. उपभोक्ता फोरम से संबंधित मामले एवं अन्य सुलहनीय मामले

अतः सामान्य जनता एवं समस्त वादकारीगण एवं संबंधित पक्षकारों से अनुरोध है कि वे अपने उपरोक्त वर्णित मामलों से संबंधित वादों को उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निश्पादित करा कर लाभ उठावे तथा इसे सफल बनायें ।

(अंजनी अंजन) पुलिस अधीक्षक–सह–सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार।

(गरिमा सिंह) उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार लातेहार।

(मनोज कुमार सिंह) प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार।

नोटः–उक्त **राष्ट्रीय लोक अदालत** के संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु आप किसी भी कार्य दिवस को व्यवहार न्यायालय परिसर, लातेहार में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के कार्यालय में उपस्थित होकर या दूरभाश सं0 8987736366 से सम्पर्क कर सकते हैं।

निवेदक
(शिवम चौरसिया),सचिव,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार

PR 333958 Law(24-25)#D

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 29 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
08

सरकारी योजना से लाभुकों को जोड़ना ही प्राथमिकता : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में 'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी प्रखंड के सभी पंचायतों में सरकार की अति महत्वपूर्ण योजना आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया जाना हैं। दिनांक 30 अगस्त से 15 सितंबर तक जिले अंतर्गत सभी प्रखंड के सभी पंचायतों में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के माध्यम से आम लोगों को राज्य सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। इस कार्यक्रम अन्तर्गत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं का आम जनों के बीच व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस अभियान के सफल संचालन हेतु सभी का सहयोग अपेक्षित है।

बैठक में कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने अभियान के सफल संचालन को लेकर सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी को समन्वय के साथ पंचायत व ग्राम स्तर पर विशेष जागरूकता के साथ लोगों को कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी से अवगत कराने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक योग्य लाभुक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

जिप सदस्य ने मुआवजा दिलाने के लिए सीओ से मुलाकात की

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। जिप सदस्य राधा तिर्की ने सीओ से मिल कर मुआवजा की बात की। बीते दिन रविवार को अंचल क्षेत्र के एकागुड़ी में तालाब में एक साथ तीन बच्चों का डूबने से मौत हो गयी थी। जिसे क्षेत्र में बहुत बड़ा व दर्दनाक घटना घटित हुआ था। उसी निमित मृतक बच्चों के परिजनों द्वारा जिप सदस्य राधा तिर्की से संपर्क कर सरकारी सहायता दिलाने के लिये अनुरोध किया गया। जिस पर बच्चों के परिजनों को जीप सदस्य द्वारा मदद का भरोसा दिया था। उसी क्रम में बुधवार को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा राशि दिलाने के लिये अंचलाधिकारी राकेश कुमार तिवारी से मुलाकात की। वही सीओ श्री तिवारी ने कहा कि मृत बच्चों के परिजनों से जरूरी कागजात अंचल कार्यालय में जमा कराने का जिसे हर संभव मदद का भरोसा दिया गया।

सिदगोड़ा ग्वाला बस्ती में छापेमारी, अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम जिले के उत्पाद विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर सिदगोड़ा में छापामारी के दौरान लगभग दो लाख का अवैध अंग्रेजी शराब जप्त कर लिया। वही कारोबारी को भी विभाग ने गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी देते हुए उत्पाद आयुक्त विमला लकड़ा ने बताया बीते कई दिनों से अवैध शराब बनाने की जानकारी मिल रही थी। बुधवार को एक टीम का गठन कर सिदगोड़ा थाना अंतर्गत ग्वाला बस्ती में छापेमारी की गई। जहा दीपक यादव के घर में सभी प्रतिष्ठित ब्रांड के अवैध शराब निर्माण की जानकारी मिली। इस दौरान 30 पेटी के साथ बोतल के ढक्कन और स्टीकर भी बरामद किया गया।वही संचालित करने वाले करोवारी दीपक यादव को गिरफ्तार किया गया। आयुक्त ने बताया बरामद शराब की बाजार मूल्य लगभग 2 लाख की है।

मारुति शोरूम में रंगदारी और फायरिंग मामले में सरगना समेत चार गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बीते दिनों बिष्टुपुर के मारूति शोरूम में कारोबारियों से रंगदारी मांगने व बाहर फायरिंग करने के मामले में मुख्य सरगना समेत चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सिदगोड़ा सिंधु रोड निवासी सरगना प्रभास सिंह उर्फ नुनु सिंह, बिहार के बांका जिला निवासी अभिषेक सिंह उर्फ पंडित, शुभम सिंह और देवघर निवासी अमन सिंह उर्फ गोलू शामिल है। पुलिस ने पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर फायरिंग की घटना में प्रयुक्त कार समेत अन्य सामान बरामद जब्त कर लिया। बुधवार को घटना की जानकारी देते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने कहा प्रभास सिंह ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर मारूति शोरूम के बाहर फायरिंग करवाई थी। साथ ही शहर के कारोबारियों से फोन पर रंगदारी मांगने का मामला अन्य थानों में दर्ज है। इस मामले में पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा इससे पूर्व घटना में शामिल दो अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मटका फोड़ प्रतियोगिता में टाटी की टीम जीती

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू चंदवा के सीमा पर गोली गांव में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर टीम टाटी के गोविंदाओं ने 40 फिट की ऊंचाई में लगाया गया मटका फोड़ प्रतियोगिता पर जीत हासिल की तो वहीं वहीं जूनियर टीम में अंजनी पुत्र अखाड़ा कुंदो, एवं बालिका वर्ग मे गोली पाहन टोली, और नन्हे मुनहे बजरंग दल गोली ने जीत हासिल की। इस कार्यक्रम में पुरोहित अनंत पाठक, उदय यादव, अरविंद यादव, रामप्रवेश पाहन, राजबहादुर पाहन, सुभाष यादव, प्रेम यादव, संतू पासवान, लोकेश पाठक, गेंदा पाहन, संदीप यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होगा आयोजित

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। मुख्य सचिव, झारखंड के निदेश के आलोक में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम लोहरदगा जिला में दिनांक 30.08.2024 से 13.09.2024 तक पंचायतवार किया जायेगा। शिविर सुबह 11 बजे से संचालित होगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर राज्य सरकार के विभिन्न लोक-कल्याकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। प्रत्येक शिविर में ऑन-द-स्पॉट शिकायत प्राप्त कर उनका निवारण किया जायेगा। जिनमें राजस्व अभिलेखों में संशोधन/ परिमार्जन, आय/ जन्म/ मृत्यु प्रमाण-पत्र में यथावश्यक संधोधन, आधार/ राशन कार्ड में संशोधन, बिजली बिल से संबधित शिकायत आदि शामिल हैं।

मुरपा छोटका टोली में सर्पदंश से छात्रा की मौत

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सेन्हा थाना क्षेत्र के उगरा पंचायत अंतर्गत मुरपा छोटका टोली में सर्पदंश से 14 वर्षीय छात्रा की मृत्यु हो गयी। परिवारिक सूत्रों के द्वारा बताया जाता है कि उगरा पंचायत अंतर्गत मुरपा छोटका टोली निवासी कैला उरांव का परिवार के सदस्य खाना खा कर सोये हुए थे। वही कैला उरांव की पुत्री सिमा कुमारी भी घर मे अंदर जमीन पर मच्छरदानी डाल कर सोई हुई थी। जिसे कुछ चीज बाएं पैर में काटने का आभास हुआ तो वह जग गयी और वहीं परिवार के सदस्यों को बताने के उपरांत अचेत हो गयी। परिवार के सदस्यों द्वारा आनन फानन में सदर अस्पताल लोहरदगा ले जाया जा रहा था। जिसे अस्पताल ले जाने के क्रम में सिमा कुमारी का मृत्यु हो गया। सिमा प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय गगेया की दसवीं कक्षा की छात्रा थी।

कुष्ट रोग का इलाज संभव, अफवाह में न पड़ें : संतोषी शेखर

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बुधवार को बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मे कुष्ट रोग खोजी अभियान कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जिसका विधिवत उद्घाटन जिला परिषद की सदस्य संतोषी शेखर, उप प्रमुख बीरेंद्र जयसवाल, प्रभारी चिकत्सा अधिकारी डॉ जयवंत लकड़ा, पंसस प्रवीन कुमार के द्वारा सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर के किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद संबोधित करते हुए प्रभारी चिकत्सा पदाधिकारी ने कहा की कुष्ट रोग की श्राप या छुवा छुत की बीमारी नहीं हैं। इसकी खोज और इलाज पूरी तरह से सम्भव है और इसको लेकर ही हमारे स्वास्थय विभाग की 266 सदस्यों पूरी टीम लगी हैं। वही जिला परिषद सदस्य संतोषी ने कहा की कुष्ट रोग का इलाज संभव हैं और इसको लेकर किसी भी तरह के अफवाह मे पड़ने की जरूरत नहीं हैं। बीमारी का इलाज सभव हैं इस लिए स्वास्थय विभाग का हम सभी मिलकर इस अभियान को सफल बनाने मे सहयोग करें। इस दौरान मौके पर बीपीओ ओम प्रकाश गुप्ता, अनवर अंसारी, युवराज सिंह आलोक रंजन, अर्चना सिंह, अरुण सिंह, समेत अन्य स्वास्थ कर्मी और सहिया साथी मौजूद थे।

आज लोहरदगा आयेंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलेश

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय राजेन्द्र भवन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विधायक दल के नेता रामेश्वर उरांव का स्वागत सह अभिनंदन समारोह आयोजित की गयी है। उक्त कार्यक्रम में सांसद सुखदेव भगत, पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, प्रदीप कुमार बालमुचू, एवं प्रदेश स्तर के कई बड़े नेता गण भी उपस्थित रहेंगे। वही कार्यक्रम में लोहरदगा जिला कांग्रेस कमिटी के सभी सम्मानित पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआइ, सेवा दल, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, ओबीसी प्रकोष्ठ, एससी प्रकोष्ठ, एसटी प्रकोष्ठ, सभी प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, बूथ स्तर के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

लोहरदगा में योगी सेना के मटका फोड़ कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

मोटिया संघ बरवाटोली ने मटका फोड़ प्रतियोगिता में दिखाया दम

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के बरवाटोली स्थित मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर प्रांगण में मंगलवार की देर रात मटका फोड़ प्रतियोगिता योगी सेना के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। वही कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक नृत्य एवं राधा कृष्ण का रूप सज्जा प्रतियोगिता की प्रस्तुति की गयी। नन्हे मुन्ने बच्चों ने हृदय को मोह लेने वाली प्रस्तुति दी और सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मोटीया संघ बरवा टोली ने सबसे जल्द ही मटकी को फोड़ कर ट्रॉफी और 7100 रुपए का इनाम अपने नाम कर लिया। मौके पर अमन कुमार ने कहा जिस तरह योगी सेना लोहरदगा लगातार हिंदुत्व और सनातन के लिए लगातार कार्य करती आ रही है वो बहुत सराहनीय है।हम सभी को मिलकर इसी तरह हिंदुराष्ट्र के लिए कार्य करते रहना है और साथ ही जो लव जिहाद का केस, बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में लगातार बढ़ते जा रहे है,उसको लेकर हम सभी को जागरूक होना है। मथुरा में श्री कृष्ण को उनका हक दिलाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगी सेना के प्रवीण ठाकुर (जिला अध्यक्ष), रौशन झा, अजय सिंह, रमेश साहू (अध्यक्ष, मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर), सुनील अग्रवाल, अजय पंकज, अशोक कुमार, देवेंद्र कुमार, भोला कुमार, मयंक ठाकुर, अतुल गणपत, आलोक मित्तल, सुशील कुमार, गौरव कुमार अग्रवाल (नगर अध्यक्ष), अमित साहू, नवीन ठाकुर, श्रेयल बाबा, आशीष साहू, पवन प्रजापति, संभव तमेड़ा, आयुष मित्तल, प्रेम सिन्हा एवं सभी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

दो राजस्व कर्मचारियों के भरोसे 15 पंचायत

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड अंतर्गत अंचल कार्यालय बीते कई वर्षों से राजस्व कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। लिहाजा इसका खामियाजा अंचल सहित हल्का के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जिस कारण सही समय पर जमीन संबंधित कागजात अपडेट नहीं हो पाता और लोग हल्का कर्मचारी एवं अंचल कार्यालय का चक्कर लगाते रहते हैं। बरवाडीह अंचल अंतर्गत कुल 15 पंचायत और 191 वार्ड है। जो मात्र 2 राजस्व कर्मचारी के भरोसे है। जिस कारण दाखिल खारिज सहित अन्य कार्यों में भी विलंब होता है। जमीन संबंधित विवाद का मामला भी बहुत ज्यादा प्रकाश में आता है। अंचल कार्यालय स्थित लाखों की आबादी को यदि जाति आवासीय आय प्रमाण पत्र बनाना होता है। तो उन्हें राजस्व कर्मचारियों का साइन जरूरी रहता लेकिन राजस्व कर्मचारियों की कमी रहने के कारण लोग साइन करवाने के लिए कई दिनों तक भटकते हैं।

प्रभारी एमओ और एजीएम के खिलाफ डीलर गोलबंद

आजाद सिपाही संवाददाता

उप प्रमुख बिरेन्द्र जायसवाल और डीलर ज्वाला प्रसाद।

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों ने प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अरविंद कुमार रवि और एजीएम सर्वेश सिंह पर शोषण करने तथा 500 ग्राम से 1 किलोग्राम तक कम राशन देने का आरोप लगाया है। बैठक में डीलरों ने साफ कर दिया कि अगर जिला प्रशासन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के शोषण से डीलर को मुक्त नहीं कराया गया तो अगले माह से प्रखंड के एक भी डीलर खाद्यान्न व तेल का उठाव व वितरण नहीं करेंगे। इस पूरे मामले में प्रखंड उप प्रमुख बिरेन्द्र जायसवाल ने भी जिले के उपायुक्त गरिमा सिंह को पत्राचार कर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि जनसेवक अरविंद कुमार रवि प्रभारी एमओ और पंचायत सचिव के पद पर भी आसीन है। जनसेवक सर्वेश सिंह भी एजीएम व पंचायत सचिव के पद पर आसीन है। जिसे लेकर भी उप प्रमुख ने नाराजगी व्यक्त की है व प्रभारी एमओ व एजीएम को हटाने की मांग की है। साथ ही साथ भ्रष्टाचार में लिप्त दोनों अधिकारियों पर जिले के उपायुक्त के निगरानी में कमिटी गठित कर कार्रवाई की मांग की है।साथ ही डीलरों का आरोप है कि एमओ द्वारा खाद्यान्न व तेल उठाव के समय डीलरों से एक मुश्त मोटी रकम मांगी जाती है नहीं देने पर विभिन्न तरीके से शोषण किया जाता है।

टाटा स्टील फाउंडेशन और टाटा मोटर्स की साझेदारी, छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर में टाटा स्टील फाउंडेशन और टाटा मोटर्स ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। जिसका उद्देश्य आईटीआई तमाड़, आइटीआइ चांडिल, आइटीआइ जगन्नाथपुर और आइटीआइ बांसपाल के छात्रों को उन्नत औद्योगिक अनुभव और कौशल विकास के अवसर प्रदान करती है। इसके लिए टाटा मोटर्स के जमशेदपुर प्लांट में छात्रों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। ताकि वे वास्तविक उद्योग से जुड़े कौशल और ज्ञान प्राप्त कर सकें।मौके पर महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन में टाटा मोटर्स प्लांट हेड रविंद्र नरसिम्हा कुलकर्णी और टाटा स्टील फाउंडेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सौरव रॉय ने हस्ताक्षर किये। यह प्रक्रिया भारत सरकार के प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा प्रस्तावित दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली की एक वार्षिक,चक्रीय प्रक्रिया है। छात्रों को टाटा मोटर्स के प्लांट में सीधे तौर पर व्यावहारिक अनुभव और प्रशिक्षण मिलेगा।जिससे उनकी शिक्षा को मौजूदा उद्योग मानकों और अभ्यासों के साथ बेहतर ढंग से जोड़ा जा सकेगा। टाटा मोटर्स प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्रों को स्टाइपेंड,रहने की सुविधा, भोजन,परिवहन और चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएगी। यह समर्थन छात्रों को शैक्षणिक शिक्षा से पेशेवर अनुभव में सहजता से बदलाव करने में मदद करेगा। जिससे वे उद्योग में आवश्यक कौशल और ज्ञान को पूरी तरह से प्राप्त करने में ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। यह साझेदारी टीएसएफ इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स और टाटा मोटर्स के बीच संसाधनों और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान पर आधारित है। इस अवसर पर सौरव रॉय ने कहा हम आइटीआइ के छात्रों को ऐसी शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जो मौजूदा उद्योग मानकों और वैश्विक उपभोक्ता मांग के अनुरूप हो। उन्होंने कहा टाटा मोटर्स इस पहल के लिए सबसे उपयुक्त साझेदार है।

डोड़कसई में अनाज कम देने से उपभोक्ता नाराज

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। पोटका प्रखंड के कालिकापुर पंचायत अंतर्गत डोकरसाई के राशन कार्ड धारियों को दुकानदार द्वारा आठ से दस किलो कम दिया जा रहा है। यह सिलसिला पिछले चार माह से चालू है। शिकायत के बावजूद दुकानदार पर कोई असर नहीं पड़ता। तब कार्ड धारियों ने इसकी सूचना भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सह सांसद प्रतिनिधि उपेंद्र नाथ सरदार तथा भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष होपना महाली को सूचित किया। मंगलवार को शाम को डोकरसायि में ग्रामीणों की येक बैठक हुई। जिसमे सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक में गांव के लोगों ने अपने दोनो नेता को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। कार्ड धारियों ने राशन दुकानदार द्वारा आठ से दस किलो अनाज कम देने की बात बताया। दूसरी ओर डोकरसाई से राशन दुकान मातकमडीह की दूरी 5 किलोमीटर है। दूरी अधिक होने के कारण कार्ड धारियों को भी राशन लाने में परेशानी होती है। उपेंद्र नाथ सरदार ने बैठक से ही बीडीओ तथा एम ओ को राशन कम देने की की बात बताया। ग्रामीणों ने बैठक में दुकानदार द्वारा कार्ड धारियों को राशन कम देने का सार्वजनिक नोटिस को भी उजागर किया। जिसमे दुकानदार नोटिस के द्वारा यह बता रहे है की अंत्योदय में 35 केजी के बदले 32 केजी तथा पी एच में 5 केजी के बदले 3 केजी अनाज दिया जाएगा। उपेंद्र नाथ सरदार ने कहा है की चार माह के बकाया राशन यदि कार्ड धारी को नही मिला तो प्रखंड कार्यालय पर धरना दिया जायेगा।

सिस्टम को आइना दिखा रहा है दिव्यांग विगन आज तक नहीं मिला है सरकारी योजनाओं का लाभ

कुतुबुद्दीन

बारियातू (आजाद सिपाही)। बारियातू प्रखंड के टोंटी पंचायत अंतर्गत इटके ग्राम के कटहल टोला निवासी 70 वर्षीय बिगन पाहन पिता स्व झखर पाहन बीते 42 वर्ष से एक घटना के कर्म में अपने हाथ को टांगी द्वारा काट कर आज तक एक बक्से में बंद कर रखे है। बिगन पाहन अपने आप बीती कहानी बताते हुए कहता है कि आज से लगभग 42 वर्ष पूर्व मैं जलावन के लिए लकड़ी काट रहा था कि लकड़ी का एक बड़ा सा टुकड़ा मेरे हाथ में गिर गया जिससे मेरे हाथ दब गया था और बुरी तरह जख्मी हो गया था। मैं लकड़ी के टुकड़े से दबे हाथ को निकालने का घंटों प्रयास किया फिर भी निकाल न सका। अंत में टांगी के मदद से हाथ को काट कर तन से अलग कर डाला था। जिसके कारण मेरे शरीर से रक्त काफी अधिक बह रहा था। बाद में लकड़ी के टुकड़े को हिला कर कटे हाथ के टुकड़े को लेकर किसी तरह घर आया तो मेरे परिजनों ने बालुमाथ अस्पताल ले गया। जहां डॉ गुप्ता के द्वारा लगातार 42 दिन इलाज के पश्चात छुट्टी मिला। मैं एक ही हाथ से मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण किया। मुझे आज तक विकलांग होने के बाद विकलांगता का लाभ नहीं मिला। उन्होंने यह भी बताया कि मेरे पत्नी का उम्र लगभग 65 वर्ष हो जाने के बावजूद पेंशन से वंचित है। कई बार पेंशन को लेकर आवेदन दे चुका पर आज तक पेंशन से वंचित हूं। उन्होंने लातेहार उपायुक्त गरिमा सिंह व सिविल सर्जन अवधेश कुमार सिंह से हाथ को प्लास्टीक सर्जरी कराने व पत्नी का पेंशन दिलाने का मांग किया है।

विधायक कालिंदी के प्रयास से जर्जर सड़क की मरम्मत की मिली स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने विधानसभा क्षेत्र के जनता की वर्सो पुरानी मांग पर खासमहल चौक से गोविंदपुर रेलवे फाटक तक जर्जर सड़क निर्माण को पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत रहे। अंततः विधायक मंगल कालिंदी ने विकास के दौड़ में सफल हुए। विधायक के पहल पर अब 11 साल बाद क्षेत्र की हजारों हजार ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा। बुधवार को विधायक मंगल कालिंदी ने साकची स्थित कार्यालय में इसकी जानकारी दी। मौके पर विधायक मंगल कालिंदी ने बताया खासमहल चौक से परसुडीह, शंकरपुर, सरजामदा, बारीगोड़ा, राहरगोड़ा, गदड़ा होते हुए गोविंदपुर रेलवे फाटक तक जाने वाली मुख्य सड़क का निर्माण मंगोतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा किया जाएगा।विभाग ने इसके लिए कंपनी को वर्क ऑर्डर भी जारी कर दी।विधायक ने बताया सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाने के लिए काफी दिनों से प्रयासरत रहे। इसकी प्रशासनिक स्वीकृति होने के बाद जो भी तकनीकी समस्या थी उन्हें भी दूर कर लिया गया। जल्द ही सड़क निर्माण के लिए शिलान्यास किया जायेगा। उन्होंने कहा बीते 11 वर्ष पूर्व झामुमो की सरकार में उक्त सड़क बनी थी। उसके बाद दूसरे दलों (आजसू-भाजपा) की सरकार रही। लेकिन किसी ने सड़क निर्माण के लिए पहल नही की।उन्होंने कहा 2021 से लगातार कई बार मुख्यमंत्री से मिले।विधानसभा में लगातार मामले को उठाया। जिसके बाद सड़क की स्वीकृति मिली है। स्वीकृति मिलने के बाद संवेदक की ओर से निविदा नहीं डाली गई। जिसके कारण निर्माण में विलंब हुआ। मंगोतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सारी शर्तें पूरी करने के बाद विभाग ने उक्त कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया। विधायक ने बताया 18 करोड़, 41 लाख, 57 हजार 741 रुपये की लागत से सड़क का निर्माण होगा।

पांच दिन बाद वृद्धा का शव कुएं से बरामद

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के चापाटोली निवासी राम प्रसाद बड़ाईक की 63 वर्षीय पत्नी सचिया देवी की मौत कुआं में डूबने से हो गयी। घटना के संबंध में मृतक के पुत्र शंभू बडाईक ने बताया कि मेरी मां सचिया देवी शनिवार से ही घर से गायब थी जिसकी खोजबीन हम लोग अपने रिश्तेदार व अन्य जगहों पर कर रहे थे। बुधवार की सुबह मेरा चचेरा भाई पवन बड़ाईक अपने घर स्थित कुएं पर नहाने के लिए गया था जैसे ही वह कुआं के पास पहुंचा कुएं के ऊपर पानी पर तैरता हुआ एक महिला का शव दिखाई दिया जिसके उपरांत बिशनपुर पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस एवं ग्रामीण के सहयोग शव कुएं से बाहर निकला गया जिसकी पहचान पुत्र शंभू ने अपनी मां सचिया देवी के रूप में की। इधर पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया। इधर ग्रामीणों द्वारा कयाश लगाया जा रहा है कि वृद्ध फिसल कर कुआं में गिर गयी होगी।

शान-ओ-शौकत के साथ गुमला में निकाला गया चेहल्लुम का जुलूस

या अली, या हुसैन के नारों से गूंजा शहर

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला मुख्यालय गुमला में चेहल्लुम का जुलूस शान ओ शौकत के साथ निकाला गया। हजरत मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन की शहादत के 40वें दिन यानी 28 अगस्त बुधवार को यह जुलूस शहर में निकाला गया। इस मौके पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने इमाम हुसैन के नाम पर पारंपरिक हथियारों से लैस होकर शहर का भ्रमण किया। साथ ही गगन भेदी नारे लगाए। इस मौके पर जिला मुख्यालय के मुस्लिम बहुल मोहल्ले में लगभग 15 दिनों से जुलूस की तैयारी की गई और पारंपरिक हथियार नुमाइशी खेल का अभ्यास कराया गया। आकर्षक साज सजा और मुस्लिम सभ्यता से जुड़े वेशभूषा को आधार बनाकर मुस्लिम युवाओं ने जुलूस की सुंदरता में चार चांद लगाये।

चेहल्लुम केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष ने जताया आभार : चहल्लूम कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लड्डन ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, अंजुमन इस्लामिया और वहां उपस्थित अतिथियों का आभार जताया । उन्होंने कहा कि सबके आपसी सहयोग से यह चहल्लुम का जुलूस सफलतापूर्वक निकाल सका। उन्होंने कहा कि बतौर मुख्य अतिथि विधायक भूषण तिर्की और एसपी शंभु चौधरी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी स्टाल और संस्थाओं का उन्होंने आभार व्यक्त किया।

लगाये गये कई स्टॉल : जुलूस में शामिल लोगों को राहत पहुंचाने के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाए गए थे। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के द्वारा लगाया गया स्टॉल काफी सराहनीय रहा। गुमला में हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक यह स्टॉल कई मायने में सम्मान की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस स्टाल में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष शिवप्रसाद साहू, पूर्व अध्यक्ष सविंद्र सिंह,उपाध्यक्ष रविन्द्र सिन्हा, मीडिया प्रभारी अरविन्द मिश्रा, संजीव कुमार टुन्नु, शिवकुमार राम, निरंजन कुमार निनजी, नरेश साहु व अन्य जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत करते देखे गये।

सेंट्रल चेहल्लुम कमेटी ने किया अतिथियों का सम्मान

सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की ओर से टावर चौक में प्रशासनिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अतिथियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक भूषण तिर्की ने कहा कि इमाम हुसैन ने सच्चाई के रास्ते पर चलकर अपनी गर्दन कटा ली लेकिन बुरे लोगों की शर्तें स्वीकार नहीं की। श्री तिर्की ने यह भी कहा कि इमाम हुसैन , पैगंबर हजरत मोहम्मद के सबसे प्यारी नवासे थे। उन्होंने इस्लाम को बचाने के लिए कर्बला के मैदान में अपने पूरे परिवार और खानदान को शहीद करवाया लेकिन बुराई के सामने सर नहीं झुकाया। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। मौके पर उपस्थित एसपी ने कहा कि युवा किसी भी समाज को परिवर्तन की दिशा में ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और समाज परिवर्तन पर भी ध्यान देना पड़ेगा।

कहीं घोड़े की सवारी तो कहीं अरबी गिरोह का रहा जलवा

पूरे जुलूस में जहां एक और घुड़सवारी करता सैनिक आकर्षण का केंद्र रहा, वही दूसरी ओर रजा कॉलोनी से अरबी ड्रेस में फौजियों का एक झुंड अपने हाथों में तलवार लेकर तलवारबाजी करते हुए काफी आकर्षक लग रहे थे। बड़े-बड़े डीजे साउंड में धमाल मचाते डंके की आवाज और उन पर पारंपरिक हथियार की नुमाइश करते युवा काफी उत्साहित नजर आ रहे थे।

दो सीएचसी में डायलिसिस यूनिट का 2 सितंबर को होगा लोकार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। हंस फाउण्डेशन रांची एवं जिला प्रशासन तथा जिला स्वास्थ्य समिति, गुमला के संयुक्त पहल से हंस फाउण्डेशन राँची के द्वारा गुमला जिला के दो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र / रेफरल अस्पताल, घाघरा एवं बसिया में डायलिसिस यूनिट (हंस रीनल केयर सेंटर) की स्थापना की गयी है। दिनांक 02.09.2024 को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के कर कमलों से डायलिसिस यूनिट का उद्घाटन किया जायेगा तथा इसे जिलावासियों की सेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। हंस रीनल केयर सेंटर में निःशुल्क डायलिसिस सेवा मरीजों को उपलब्ध करायी जायेगी। दूर दराज के डायलिसिस मरीजों को गुमला या राँची में डायलिसिस के लिए जाना नहीं पड़ेगा बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घाघरा एव रेफरल अस्पताल, बसिया में ही मरीजों का डायलिसिस किया जायेगा। नागरिकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन की पहल एवं हंस फाउंडेशन के सहयोग से पूर्व में गुमला जिले के विभिन्न गांवों में 12 मोबाइल मेडिकल यूनिट के द्वारा ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करायी जा रही है अब डायलिसिस सेंटर के उद्घाना से जिले के नागरिकों को और भी अधिक सुविधा उपलब्ध होंगी।

हड़ताल तुड़वाने के लिए सकारात्मक वार्ता करे सरकार : रमेश कुमार चीनी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड के अलग-अलग हिस्सों से लेकर गुमला में भी सरकार के खिलाफ और अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल का दौर शुरू हो चुका है। मनरेगा कर्मचारी संघ के बाद पंचायत सेवक, मुखिया और नगर निकाय के अलावे अन्य संघ के लोग बेमियादी हड़ताल पर चले गए है। इससे जहां आम जनों का काम नहीं हो पा रहा है। वहीं विकास कार्य पूर्ण रूप से प्रभावित हो गए है। हड़ताल को तुड़वाने की दिशा में कोई सकारात्मक पहल अब तक सामने नहीं आई है। इसपर कांग्रेस के प्रदेश सचिव रमेश कुमार चीनी ने सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है। कहा है कि हड़ताल पर गए संघों से सरकार वार्ता करें और उनकी जायज मांगों को अविलंब पूरा करते हुए अन्य मांगों को लेकर भरोसा दिलाएं ताकि कर्मी अपने काम पर लौट सके। चुंकि शुक्रवार से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू हो रहा है। उसके बाद विस चुनाव की प्रकिया आरंभ हो जाएगी। ऐसे में यदि कर्मी अपने काम पर नहीं लौटे, तो सरकार के शिविर से लेकर चुनावी प्रकिया तक बाधित हो जाएगी। जनता को अपने काम के लिए सिर्फ दौड़ लगाना पड़ेगा। हड़ताल से विकास योजनाएं बेपटरी हो गयी है। जिसका परिणाम अब दिखने लगा है। इसलिए सरकार अविलंब वार्ता की दिशा में पहल करें ताकि गुमला व राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सके ।

सभी स्वर्णकार दुकान के बाहर राइफल धारी गार्ड रखें : दामोदर

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चैंबर ऑफ कॉमर्स के बस स्टैंड स्थित कार्यालय में गुमला चेंबर के अध्यक्ष दामोदर कसेरा एवं गुमला थाना के प्रभारी सुरेंद्र सिंह के संयुक्त तत्वाधान में एक आवश्यक बैठक आहूत की गयी। जिसमें सभी स्वर्णकार व्यवसायी बंधु उपस्थित थे। बैठक में बीते दिन सोने चांदी के दुकान पर दिन दहाड़े गोलीकांड एवं चोरी छिंतई की घटना को देखते हुए। सभी ने अपने अपने विचार रखे। चेंबर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा कि सभी स्वर्ण व्यापारी बंधु अपने अपने दुकान के बाहर राइफल धारी गार्ड रखें, जिससे की स्वयं सुरक्षा किया जा सके। बैठक में सभी की समस्याओं से रूबरू होते हुए, थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने कहा की सभी सोने चांदी के दुकानों पर चैनल गेट लगाना एवं उसे ग्राहक के आने पर ही खोल कर ग्राहक को अंदर करने का निर्णय लिया गया, सभी ग्राहकों का डायरी में सभी जानकारी अंकित करना, सभी दुकान के सामने सी सी टी वी कैमरा लगाना। पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा नियमित सभी दुकानों पर निरिक्षण करना इत्यादि शामिल है। स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष शिव सोनी ने कहा कि पुलिस की गशती बढ़ाई जाए। एवं रूपेश सोनी ने सीसी कैमरा लगाने की मांग की। सभी स्वर्ण व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से स्वयं की सुरक्षा के लिए हथियार के लाइसेंस देने की बात कही, जिस पर थाना प्रभारी ने कहा कि आप सभी इसके लिए आवेदन दे, हम इसके लिए प्रयास करेंगे। बैठक में चेंबर अध्यक्ष दामोदर कसेरा, थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिं, उपाध्यक्ष अभिजीत जायसवाल रॉकी, सचिव बबलू वर्मा, मीडिया प्रभारी आनंद गुप्ता, प्रदीप सोनी, स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष शिव सोनी, सचिव अरविंद सोनी एवं अन्य मौजूद थे।

ठनका गिरने से 27 बकरियों की मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला जिले के कसीरा नवा टोली गांव में बुधवार की अपराह्न आसमानी बिजली की चपेट में आने से 27 बकरियों की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक ग्रामीण बकरी चराने नवा टोली गांव की ओर गये थे। वहीं सभी बकरियों को लेकर घर लौट रहे थे। तभी कसिरा और नवा टोली के बीच बूंदाबांदी होने लगी। इसके बाद अचानक आसमान में बिजली चमकी और वज्रपात हो गया। बज्र पात की चपेट में आने से गांव के संजय लोहरा का पांच, दीपक रौतिया का पांच, प्रताप रौतिया का एक, दिलीप रौतिया का एक, सुरेश रौतिया का एक, कमलेश रौतिया का एक, आनंद रौतिया का पांच, बलदेव रौतिया का दो, और बुद्धेश्वर रौतिया का तीन बकरियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। ग्रामीणों ने बताया बकरियां आगे आगे चल रही थी जबकि चरवाहे पीछे थोड़ी दूर पर थे।

कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम शुरू जागरूकता रथ को हरी झंडी

आजाद सिपाही संवाददाता

कामडारा। कामडारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कामडारा में लेप्रोसी केस डिडक्शन कैंपेन प्रोग्राम का शुरूवात किया गया। जो 28 अगस्त से 09 सितंबर तक चलेगा प्रोग्राम के शुरूवात प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील खलखो ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया और बताया कि आजकल गांव में लोगों को पता नहीं चल पाता है कि आखिर बीमारी कैसे शशिर में फेल रहा है। लेप्रोसी केस डिडक्शन कैंपेन प्रोग्राम के तहत पूरे प्रखंड में कुल 73 गांव 12881 घर तथा कुल जनसंख्या 81855 है। हमारे स्वास्थ्य टीम के एएनएम तथा स्वास्थ्यकर्मी घर घर जाकर जांच करेंगे और इसका इलाज भी होगा। इस मौके पर सुबोध कुमार, मुकेश कुमार, साब्यसाची कर्मकार, तरूण पासवान समेत सभी एएनएम व सीएचओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी स्वास्थकर्मी उपस्थित रहे।

उद्यमी जागरूकता शिविर में 176 ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के चमेली गांव में उद्यमी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता तस्वीर में विकास भारती के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत, गैर विभागीय प्रशिक्षण केंद्र, खादी ग्राम उद्योग आयोग के प्राचार्य पंकज कुमार सिंह, कोऑर्डिनेटर विनोद कुमार, प्रशिक्षक आलोक तूरी, वार्ड सदस्य पार्वती देवी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में 72 रोगियों का इलाज मेडिकल कैंप के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर 176 ग्रामीणों को फलदार पौधों का वितरण किया गया। श्री सिंह द्वारा प्रशिक्षण केंद्र में चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के विषयों और खादी ग्रामोद्योग आयोग के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

सोलर पानी टंकी लगाने में अनियमितता का आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के नवडीहा पंचायत के भंडार टोली में 15वें वित्त आयोग से लगे सोलर पानी टंकी में काफी अनियमितता बरती गयी है। वहीं ग्रामीणों ने उक्त योजना की जांच की मांग की। मंगलवार को ग्रामीणों ने बताया कि सोलर पानी टंकी जलमीनार लगाया गया है लेकिन बहुत ही घटिया किस्म के नल और कई चीजों का उपयोग किया गया है। सोलर पानी टंकी जलमीनार लगाने के नाम से पैसे की बंदरबांट का खेल किया जा रहा है। करीब 1 लाख की लागत से लगने वाले सोलर पानी टंकी जलमीनार को कमीशन के फेर में 249000 में लगा दी है। उक्त योजना का पैसा लाभुक समिति का खाता में न डालकर सीधे भेंडर के खाते में किया गया है। जिससे साफ-साफ प्रतीत हो रहा है कि भ्रष्टाचार में मुखिया से लेकर पंचायत कर्मी व कंप्यूटर ऑपरेटर भी शामिल है। 15वें वित्त आयोग के योजना में लगे सामानो को बिना देखे उक्त सोलर पानी टंकी जलमिनार निर्माण में सीधे तौर पर भेंडर के खाते में पैसे को भेज दिया जाना निश्चित तौर पर जांच के विषय है। सोलर पानी टंकी जलमीनार योजना में पूर्व में भी भ्रष्टाचार देखने को मिला है। उक्त सोलर पानी टंकी योजना में कृष्णा इंटरप्राइजेज द्वारा लोकल कंपनी के सोलर, पानी टंकी, समरसेबल, स्टैंड और पाइप लगाया गया है। प्राक्कलन के विपरीत सामानों की आपूर्ति कृष्णा इंटरप्राइजेज भेंड़र द्वारा किया गया है। मुखिया के अनुसार 74920 रुपये का भुगतान भेंडर के खाते में किया गया है।

मुखिया ने कहा

इस संबंध में मुखिया राजकुमार भगत से पूछे जाने पर कहा कि लाभुक समिति बनाया गया है।लेकिन भेंडर के खाते में भुगतान किया गया। अगर घटिया सामान लगा है तो उसका पूरा भुगतान नहीं होगा।

पंचायत सेवक ने कहा

पंचायत सेवक जयंती टोपो ने कहा भुगतान हुआ है भेंडर द्वारा ही समान लगा है।इसीलिए उनके खाते में भुगतान हुआ है। अगर घटिया किस्म का सामान भेंडर द्वारा लगाया गया है तो इसकी जांच कराकर अगला भुगतान रोका जायेगा।

कंप्यूटर ओपरेटर ने कहा

इस संबंध में कंप्यूटर ऑपरेटर विपिन कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पुराने योजनाओं में लाभुक के खाते में पैसे जाने का प्रावधान सप्लाई कार्यों में नही थी। वेंडर के अकाउंट में ही जाता है। नई योजनाओं में लाभुक समिति के खाते में चार किश्तों में भुगतान किया जाना है। लेकिन इनके टाल मटोल सिर्फ जवाब प्राप्त हुआ। जबकि योजना वर्ष 2024 25 की है।

थाना दिवस का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। घाघरा थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन बुधवार को किया गया। इस क्रम में सीओ आशीष कुमार मंडल और थाना प्रभारी तरुण कुमार ने प्रखंड क्षेत्र से पहुंचे ग्रामीणों की समस्या सुनी।इस क्रम में 15 जमीन संबंधित वाद विवाद, जमीन बंटवारा, दाखिल खारिज, दखल व अन्य समस्या संबंधित विभिन्न मामलों को लेकर ग्रामीण पहुंचे थे। जहां सभी की समस्या सुनी गई और कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर सीओ आशीष मंडल ने कहा कि थाना दिवस का आयोजन होने से समस्या से संबंधित सभी मामलों का निपटारा किया जाता है। चाहे वह जमीन से संबंधित मामला हो या कोई अन्य संबंधित मामला हो। आप सभी ग्रामीण इसका लाभ उठाएं। वहीं अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने कहा कि लोग थाना दिवस का समुचित लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं को बताएं ताकि उसका निवारण किया जा सके। इस मौके पर कई ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा जिला अध्यक्ष की कुर्सी बचाने की जद्दोजहद

क्या तेली समाज समझौते के लिए होगा तैयार

सुधाकर कुमार

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला जिले में भारतीय जनता पार्टी के भीतर जातिगत संघर्ष और असंतोष की स्थिति बनती जा रही है। जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष, जो सुड़ी समाज से आते हैं पर आरोप है कि वे अपनी कुर्सी पर बने रहने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। इस संघर्ष में उनका समर्थन कर रहे हैं उनके जाति के एक प्रभावशाली व्यापारी जिन्होंने पहले भी एक मजबूत प्रत्याशी को 25 दिनों तक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से मिलने से रोका था। जिनका वर्चस्व पूरे जिले में तगड़ा है। दूसरी ओर 735 तेली समाज के कार्यकर्ताओं ने संगठन में अपनी उपेक्षा के विरोध में पार्टी से सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। तेली समाज के कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्हें संगठन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है।

सूत्रों के मुताबिक उनका आरोप है कि भाजपा के भीतर सुड़ी समाज का वर्चस्व है और तेली समाज के लोगों को संगठन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। इस उपेक्षा ने तेली समाज के भीतर गहरे असंतोष को जन्म दिया है। जिसे पार्टी नेतृत्व को जल्द से जल्द सुलझाना होगा।

अब सवाल यह उठता है कि क्या तेली समाज केवल तीन पदों के प्रस्ताव को स्वीकार कर इस अपमानजनक समझौते पर सहमत होगा या वे अपनी मांगों पर अडिग रहकर जिला अध्यक्ष का इस्तीफा लेकर रहेंगे। अगर तेली समाज इस समझौते को स्वीकार करता है तो इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है और उनकी राजनीतिक स्थिति भी कमजोर हो सकती है। वहीं अगर वे अपनी मांगों पर कायम रहते हैं और जिला अध्यक्ष का इस्तीफा लेने में सफल होते हैं तो इससे उनकी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन होगा और भविष्य में संगठन में उनकी स्थिति मजबूत हो सकती है।

भाजपा के लिए यह एक निर्णायक क्षण है। अगर पार्टी नेतृत्व इस संकट का समाधान नहीं करता, तो इसका असर आगामी चुनावों पर पड़ सकता है। पार्टी को इस समय समझदारी और संतुलन से काम लेना होगा। ताकि जातिगत असंतोष को शांत किया जा सके और संगठन की एकता बनाये रखी जा सके। यह देखना बाकी है कि पार्टी इस संकट से कैसे निपटेगी और क्या तेली समाज अपनी मांगों पर कायम रहेगा या अपमानजनक समझौते को स्वीकार करेगा।

इस पूरे घटनाक्रम का भाजपा के संगठनात्मक ढांचे और उसके दीर्घकालिक राजनीतिक भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। पार्टी के लिए यह समय आंतरिक असंतोष से निपटने और अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने का है।

(सूत्रों से मिली जानकारी के अनुरूप समाचार संकलन किया गया है)

ऑटो और बाइक की टक्कर में तीन घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला रायडीह मार्ग स्थित डोबडोबी मोड में बाइक व टेंपो की टक्कर में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। जिसमे एक युवक को गंभीर चोट लगी। घटना की सूचना पर रायडीह थाना प्रभारी दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और तीनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक एक बाइक में सवार होकर तीन युवक सलकाया अंबा टोली सुरसांग निवासी मोनू ओड,दीपक लोहरा और सिकंदर ओड सिसई मोनू का ससुराल गये थे। लौटने के क्रम में डोबडोबी के समीप टेंपो से सीधी भिड़ंत हो गयी। घटना में तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जबकि ऑटो चालक घटना स्थल से फरार हो गया। घटना में मोनू को सिर और पैर में गंभीर चोट लगी। जबकि अन्य दो को हल्की चोट लगी है।

मुखिया संघ का बेमियादी धरना जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिला मुखिया संघ ने पंचायती राज पदाधिकारी गुमला को मांग पत्र सौंप कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन की जानकारी दी है। झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के द्वारा राज्य वित्त आयोग की राशि पंचायत को देने सहित अन्य पांच मांगों को लेकर 27 अगस्त से जिला मुखिया संघ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर है। संघ के अध्यक्ष राम प्रसाद बड़ाइक ने बताया ग्रामीण विकास मंत्री के माध्यम से सरकार के समक्ष 24 जुलाई एवं 29 जुलाई 2024 को मांग पत्र समर्पित किया गया था। लेकिन मांगों पर किसी तरह का कार्रवाई नहीं किया गया। इसके बाद बाध्य होकर मुखिया संघ ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। यह प्रदर्शन जिले सहित सभी 12 प्रखंडों में किया जा रहा है। मांग की प्रतिलिपि गुमला उपायुक्त को भी दी गयी है।

12 सूत्री मांगों को लेकर जिला पार्षद ने ग्रामीणों के साथ दिया धरना

अबुआ आवास के नाम पर पंचायतों में खुलेआम हो रही वसूली : विजय

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के समक्ष बुधवार को जिला पार्षद विजय रविदास ने 12 सूत्री मांगों के समर्थन में ग्रामीणों के साथ मिलकर एक दिवसीय धरना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खुद विजय रविदास और संचालन लालगढ़ पंसस सूरजमल राम ने किया। इस अवसर पर विजय रविदास ने आरोप लगाया कि प्रखंड के सभी पंचायतों में अबुआ आवास के नाम पर खुलेआम पैसों की वसूली हो रही है। पंचायतों में बिचौलिया सक्रिय हैं। उन्हीं के माध्यम से वसूली कराई जा रही है। पैसा नहीं देने वाले जरूरतमंदों को योजना

धरना पर बैठे जिला पार्षद विजय रविदार व ग्रामीण।

के लाभ से वंचित कर दिया जा रहा है। वहीं सक्षम लोगों को आवास दिया जा रहा है। जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वहीं, वरीय भाजपा नेता बिजेंद्र पाठक ने कहा कि गठबंधन सरकार के कार्यकाल में झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है। विश्रामपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय को वसूली का केंद्र बना दिया गया है। वहीं, जिला पार्षद की मांगों में अबुआ आवास योग्य लाभुकों को देना, विश्रामपुर को अनुमंडल बनाना, विश्रामपुर को सूखा क्षेत्र घोषित करना, सिगसीगी पंचायत में कृषि पाठशाला बनाना, कजरु से घासीदास तक पथ निर्माण करना, राजखांड़ में धुरिया नदी पर पुल निर्माण करना, प्रखंड में सरकारी डिग्री कॉलेज खोलना, लालगढ़ में आईटीआई व पैरामेडिकल कॉलेज चालू करना, प्रखंड मुख्यालय से गौरा - घरटिया - चोरतिया पथ निर्माण करना, विश्रामपुर में खेल मैदान, सभी पंचायत में सिंचाई की व्यवस्था करना व प्रखंड के सभी पंचायत में जल मीनार को चालू करना शामिल है। धरना समाप्ति से पहले विजय रविदास के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद को अपना मांग पत्र सौंपा। मौके पर कमल किशोर राम, रवि कांत कुमार, एच विश्वकर्मा, श्याम नारायण पासवान, मुद्रिका यादव, विजय कुमार रवि आदि थे।

आइकॉन ऑफ झारखंड अवार्ड से नवाजे गये पर्यावरणविद् डॉ कौशल किशोर जायसवाल

राज्यपाल और केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री ने सम्मानित करते हुए उनके कार्यों को सराहा

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। रांची के होटल रेडिसनब्लू में झारखंड के प्रतिक सम्मानित समारोह का उद्गाटन राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों को हिमाचल का कपूर का पौधा देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ट्री मैन ऑफ झारखंड व विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल को पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे अर्से से उत्कृष्ट व उल्लेखनीय कार्य के लिए राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने आइकॉन ऑफ झारखंड अवार्ड से

राज्यपाल व केंद्रीय मंत्री संजय सेठ से अवार्ड लेते डॉ कौशल किशोर जायसवाला।

सम्मानित किया। साथ ही उनके कार्यों की दोनों ने सराहना की। इसस अवसर पर पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल ने कहा कि इसके पहले भी उन्हें प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड से राज्य के विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो द्वारा 12 मई को सम्मानित किया था। वहीं एक जून को अजरबैजान की राजधानी बाकू में टूरिस्ट डायरेक्टर विश्व के साउथ ईस्ट रौशन के हाथों अचीवर अवार्ड का सम्मान मिला था। इसी तरह 14 जुलाई को दिल्ली लोधी रोड स्थित इंडियन हैवी ट्रेड सेंटर गुलमोहर में यूएसए के मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में आठ देश के उच्च पद पर आसीन अतिथियों की उपस्थिति में डॉक्टरेट की उपाधि से चांसलर के हाथों सम्मान पाने का अवसर प्राप्त हुआ था। 13 अगस्त को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एशिया अचीवर समिट और भारत के गौरव अवॉर्ड से वहां के उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी और स्पीकर पॉल नरूला ने सम्मानित किया था। उन्होंने बताया कि इसके पहले सूबे के तीन राज्यपाल अब तक चार वार अवार्ड दे चुके हैं। इस वर्ष देश-विदेश में पांच और जीवन काल का 66वां अवार्ड मिलने से रिश्तेदारों, शुभचिंतकों व परिवार में भारी खुशी है।

महत्वपूर्ण न्यूज

नये क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी सम्मानित

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अजाप्टा के तत्वाधान में हुसैनाबाद उर्दू मध्य विद्यालय परिसर में बुधवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें हुसैनाबाद के नए प्रभारी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी कौलेश्वर दास को सम्मानित किया गया। साथ ही वरीय शिक्षक अंगद प्रसाद ने स्वरचित पुस्तक भेंट की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजाप्टा के अध्यक्ष मो जुबैर अंसारी और संचालन सचिव निर्मल कुमार ने किया। कार्यक्रम में शिक्षकों ने स्थानीय शिक्षण व शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रभारी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी ने शिक्षकों को आश्वस्त कराया कि हम सभी आपसी समन्वय से बेहतर कार्य करेंगे। मौके पर वरीय शिक्षक अंगद प्रसाद, राजेश कुमार गुप्ता, गिरिवर राम, रंजीत कुमार, सुरेंद्र राम, जितेंद्र राम, सैय्यद इकबाल हुसैन, अनूप सिंह, महेंद्र बैठा, डीएन सिंह, रामलाल राम, उपेंद्र राम, विनोद पासवान, पप्पू पासवान, प्रमोद पासवान, मनोज कुमार चौधरी, दिवाकर पटेल, अरविंद झा, हैदरनगर प्रखंड से चक्रवर्ती सिंह, सचिव अरुण चौधरी, विकास प्रसाद, विश्वनाथ प्रसाद आदि मौजूद थे।

नप कर्मियों की हड़ताल से सफाई कार्य बाधित

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत के दैनिक कर्मी विगत 23 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इससे शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गयी है। शहर के जेपी चौक, मुख्य बाजार, गांधी चौक समेत पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में कूड़ा-कचरे का अंबार लग गया है। विदित हो कि इन दिनों शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में डायरिया का प्रकोप बढ़ा हुआ है। अनुमंडलीय अस्पताल में प्रतिदिन दर्जनों मरीज भर्ती हो रहे हैं। मुख्य बाजार में गंदगी के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। शहरवासियों ने नगर पंचायत प्रशासन से अविलंब वैकल्पिक व्यवस्था कर सफाई करवाने की मांग की है। इस संबंध में हुसैनाबाद नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी तरनीश कुमार हंस ने बताया कि गुरुवार को हड़ताल पर गये कर्मियों की श्रम मंत्री के साथ वार्ता है। इसके बाद जो निर्णय होगा उसके बाद वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

चेहल्लुम पर्व साहस, त्याग व बलिदान का प्रतीक : मनोज

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। चेहल्लुम के अवसर पर शाहपुर में गोल्डन क्लब की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मेदिनीनगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज सिंह ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि चेहल्लुम का पर्व साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यह त्योहार मुसलमानों को इमाम हुसैन के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेने और एक बेहतर इंसान बनने का संदेश देता है। यह त्योहार इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है, जिन्होंने न्याय, समानता और सत्य के लिए अपना बलिदान दिया था। यह त्योहार त्याग और बलिदान की भावना को याद करने का भी अवसर है। यह पर्व सब्र, सहनशीलता, न्याय और समानता जैसे इस्लामी मूल्यों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। इससे समाज के अंदर एक बेहतर वातावरण तैयार होगा और समाजिक भाईचार की भी जड़ मजबूत होगी। मौके पर डाल्टनगंज जनरल जीशान खान, सानू सिद्दीकी, वसीम खान, मुन्ना खान आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर किया गया जागरूक

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। प्रमंडलीय जनसंपर्क इकाई, पलामू प्रमंडल के सौजन्य से बुधवार को मेला प्रदर्शनी एवं नुक्कड़-नाटक का आयोजन किया गया। मेदिनीनगर सदर प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से झारखंड की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना एवं सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया। बताया गया कि इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की उम्र की हर बहनों को खुशियों का उपहार के रूप में साल में 12 हजार रुपए दिया जा रहा है। इस योजना के तहत लाभुकों द्वारा प्राप्त आवेदन की स्वीकृति के उपरांत सरकार द्वारा बहनों के बैंक अकाउंट में सीधे राशि का स्थानांतरण किया जा रहा है।

सुबह 8 से शाम 6 बजे कोयल पुल पर बड़ी गाड़ियों के लिए नो एंट्री लगे, केवल स्कूल बसों को जाने दें: अरुणा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने कोयल पुरनचंद सेतु पर प्रतिदिन लग रहे जाम की भयावह स्थिति को लेकर पुलिस प्रशासन की ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है। कहा कि कोयल पुल प्रतिदिन 4 से 6 घंटा जाम हो रहा है। जो बच्चे चैनपुर-शाहपुर की ओर से शहर स्कूल पढ़ने आते शाम को 5-6 बजे तक घर पहुंच रहे है। मरीज अस्पताल आते हैं तो घंटो पुल पर लौटने के लिए खड़ा रहना पड़ता है। अगर आपात स्थिति हो जाए तो कोई विकल्प नहीं। इस पुराने पुल पर दबाव भी बढ़ रहा है। व्यवसाई धीरे-धीरे शहर से कटते जा रहे हैं। कभी चैनपुर शाहपुर की ओर कोई बड़ी घटना हो जाने पर

दमकल की गाड़ी भी नहीं पहुंच पाएगी, लेकिन इस ट्रैफिक व्यवस्था को देखने वाला कोई नहीं है। जिससे कभी बड़ी घटना भी हो सकती है। प्रथम महापौर ने आरक्षी अधीक्षक से कहा कि तत्काल सशक्त ट्रैफिक व्यवस्था करते हुए सुबह आठ से शाम छह बजे तक पुल पर बड़ी गाड़ियों को रोकते हुए नो एंट्री जोन घोषित करें। मात्र स्कूल बस को आने-जाने की अनुमति दी जाए। साथी ही ट्रैफिक व्यवस्था का शक्ति से पालन हो। बड़ी गाड़ियां जो छत्तीसगढ़, गढ़वा जाने वाली है उन्हें पड़वा होकर भेजा जाए। कहा कि जल्द दूसरे पुल का भी काम लगना है। बड़ी-बड़ी गाड़ियां चलेंगी ट्रैफिक और भी बाधित होगा इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में पीपा का पुल जिस पर श्री व्हीलर मोटरसाइकिल और पैदल आवागमन हो सके इसकी वैकल्पिक व्यवस्था तुरंत करनी चाहिए अन्यथा स्थिति और भयावह हो जाएगी।

पलामू-गढ़वा सीमा पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और मंत्री का हुआ स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश व मंत्री रामेश्वर उरांव बुधवार को पलामू के रास्ते गढ़वा गए। इस दौरान पलामू-गढ़वा सीमा पर कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पलामू प्रमंडलीय प्रभारी सुधीर चंद्रवंशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का जोरदार स्वागत किया। उसके बाद स्कॉट करते हुए दोनों नेताओं के काफिले को लेकर गढ़वा चले गए। सुधीर चंद्रवंशी ने बताया कि दोनों नेताओं के पलामू प्रमंडल में आगमन से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ विधानसभा चुनाव में जुट जायेंगे। मौके पर सोनू सिंह, युगल किशोर चंद्रवांशी, राजन चंद्रवंशी, मनोज कुमार आदि थे।

ओलिंपिक होस्ट करना चाहता है भारत : राष्ट्रपति

गेम्स में कबड्डी को भी शामिल होना चाहिए

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स को होस्ट करने के लिए उत्साहित है। 2036 के गेम्स भारत में हुए तो देश में स्पोर्ट्स का कल्चर तेजी से बढ़ेगा और नए प्लेयर्स खेलों में एंट्री के लिए इंस्पायर होंगे। राष्ट्रपति भवन में सीनियर पीटीआइ एडिटर्स से बात करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ओलिंपिक में कबड्डी जैसे खेलों को भी शामिल किया जाना चाहिए। अगस्त में ही खत्म हुए पेरिस ओलिंपिक में भारत ने 5 ब्रॉन्ज और एक सिल्वर समेत कुल 6 मेडल जीते थे।

भारतीय खेल देखना पसंद

दौपदी मुर्मू ने कहा कि मुझे स्पोर्ट्स देखना पसंद है, लेकिन इसे देखने के ज्यादा मौके नहीं मिल पाते। जब भी मौका मिलता है तो मैं इंडियन स्पोर्ट्स ही देखना

पसंद करती हूं। भारत में ओलिंपिक तो होने ही चाहिए। इनके आने से प्लेयर्स स्पोर्ट्स खेलने के लिए इंस्पायर होंगे।

2026 तक मिल सकती है मेजबानी

2028 के ओलिंपिक गेम्स अमेरिका और 2032 के ऑस्ट्रेलिया में होने हैं। 2036 गेम्स की मेजबानी तय नहीं है, इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी 2026 या 2027 तक मेजबानी को लेकर फैसला ले सकती है। भारत के अलावा सऊदी अरब, पोलैंड, इंडोनेशिया, मेक्सिको और कतर भी मेजबानी के दावेदार हैं। बतातें चलें कि राष्ट्रपति से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 15 अगस्त को भाषण में ओलिंपिक गेम्स होस्ट करने की इच्छा जताई थी। उन्हें विश्वास है कि देश ओलिंपिक जैसे शो-पीस इवेंट की मेजबानी कर सकता है। मोदी ने कहा था, 2036 ओलिंपिक गेम्स होस्ट करना भारत का सपना है। हमने इसके लिए तैयारी करना भी शुरू कर दिया है। पिछले दिनों राष्ट्रपति ने भारत के लिए ओलिंपिक मेडल जीतने वालीं शटलर साईना नेहवाल के साथ बैडमिंटन खेला था। उन्होंने नेहवाल के साथ अपनी फोटो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। दोनों राष्ट्रपति भवन में ही बैडमिंटन खेल रही थीं। मुर्मू ने नेहवाल के साथ फोटो पोस्ट कर लिखा था, स्पोर्ट्स के लिए नेचुरल लव। राष्ट्रपति ने एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डुरंड कप की ट्रॉफी टूर को भी हरी झंडी दिखाई।

विश्रामपुर विस क्षेत्र का हो रहा पूर्ण विकास : डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी

भाजपा नेता ने किया जनता उच्च विधालय के चारदीवारी निर्माण का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय स्थित राजकीय प्लस 2 जनता उच्च विद्यालय के चाहरदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में विश्रामपुर विधानसभा का पूर्ण विकास हो रहा है। विकाश भी किसी भेदभाव के बगैर और न्याय के साथ हो रहा है। विकास कार्यों

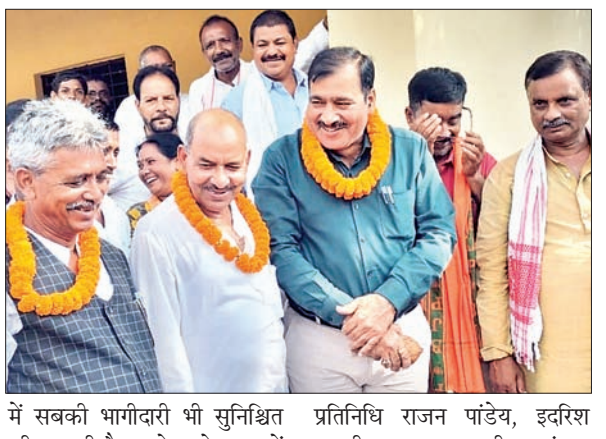

में सबकी भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। आने वाले समय में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र प्रदेश का सबसे विकसित क्षेत्र होगा। मौके पर विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, इदरिश हवारी, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी, विजय कुमार रवि, सुनील कुमार चौधरी, उपेंद्र तिवारी, रीता सिंह, सुशील चौधरी, राधेश्याम चौधरी आदि थे।

वार्ड सदस्य संघ ने मानदेय भुगतान की मांग को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। वार्ड सदस्य संघ ने मानदेय भुगतान व अबुआ आवास निर्माण योजना में प्राथमिकता देने की मांग की है। इस संबंध में हुसैनाबाद बीडीओ को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसमें कहा गया है कि सभी वार्ड सदस्यों को प्रति माह 500 रुपये मानदेय देंने की बात कही गयी थी। पर तीन वर्ष बीतने के बाद भी अभी तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद सामाजिक कार्य व जनसेवा में जुटे है। लेकिन वार्ड सदस्यों के मिट्टी का मकान होने के बावजूद अबुआ आवास योजना

का लाभ नहीं दिया जा रहा है। मुखिया व पंचायत सचिव द्वारा किसी भी योजना में वार्ड सदस्यों की भागीदारी नहीं दी जा रही है। उन वोगों द्वारा मनमानी तरीके से कार्य किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि उक्त मांगो पर अविलंब पहल नहीं की गयी तो आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगें। ज्ञापन देने वालों में वार्ड संघ के अध्यक्ष सोनू राम, सचिव अनिता देवी, अंजली कुमारी, वर्मा पासवान, सविता देवी, लक्ष्मी देवी, पूनम देवी, अजय यादव, पूजा कुमारी, जनेश्वर सिंह और अशोक ठाकुर आदि शामिल है।

कार्यालय :– जिला स्वास्थ्य समिति, कोडरमा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत संविदा के आधार पर विभिन्न पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

विज्ञापन संख्या :– **01/2024** आवेदन जमा करने हेतु अंतिम तिथि :–18/09/2024

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कोडरमा के विभिन्न विभागों में निम्नलिखित पदों पर एक वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं–

Post Code	Name of Post	Dept.	No of Post	Category
1	Staff Nurse -NHM	NRHM	26	UR-14, BC1-4, BC2-2, SC-2, ST-1, EWS-3
2	District ProMIS Operator cum Store Keeper	NRHM	1	UR -1
3	Refrigerator Mechanic	NRHM	1	UR -1
4	Block Data Manager	NRHM	2	UR-1, BC -1
5	Nutritional Counsellors - MTC	NRHM	2	UR-1, BC1- 1
6	ANM (RBSK)	NRHM	2	BC1-1, SC-1
7	ANM - MTC	NRHM	3	UR-1, BC1 -1, SC-1
8	Psychiatric Nurse - National Mental Health Programme (NMHP)	NMHP	1	UR -1
9	Staff Nurse - NUHM	NUHM	1	BC1 - 1
10	Pharmasist - NUHM	NUHM	1	BC1 -1
11	ANM - NUHM	NUHM	1	BC2 -1
12	Senior Treatment Supervisor (STS)	NTEP	5	UR-3, BC1-1, SC-1
13	Senior TB Lab Supervisor (STLS)	NTEP	2	UR-1, BC1-1
14	Lab Technician	NTEP	1	UR-1
15	PPM Co-ordinator	NTEP	1	UR-1
16	Sr. DoTS Plus Supervisor	NTEP	1	UR-1
17	Accounts Officer/Accountant	NTEP	1	UR-1
18	TB/HB	NTEP	1	UR-1
19	VBD Technical Supervisor (MTS)	NVBDCP	1	SC-1
20	District VBD Consultant	NVBDCP	1	UR-1
			55	

नोट : रिक्तियाँ आवश्यकतानुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

1. उपरोक्त सभी पद हेतु विहित प्रपत्र में कम्प्युटरीकृत आवेदन आवश्यक कागजातों के साथ निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला स्वास्थ्य समिति, सदर अस्पताल परिसर, कोडरमा में दिनांक– 18.09.2024 के अपराह्न **05:00** बजे तक प्राप्त किया जायेगा।
2. नियुक्ति संबंधित अन्य शर्तें, अर्हर्ता, आवेदन शुल्क, आयु, आवेदन प्रपत्र इत्यादि का विवरण कोडरमा जिला के वेबसाईट http://koderma.nic.in एवं अधोहस्ताक्षरी के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, कोडरमा।

PR 333920 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)D

महत्वपूर्ण न्यूज

राजद ने फिर ठोकी बोकारो-गोमिया और बेरमो विस सीटों से चुनाव लड़ने की ताल

बोकारो (आजाद सिपाही)। राजद प्रदेश पर्यवेक्षक की उपस्थिति में बुधवार को सेक्टर 9 अंबिका विवाह मंडप में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव एवं प्रदेश महासचिव घनश्याम चौधरी ने तीनों विधानसभा बोकारो, गोमिया और बेरमो क्षेत्र पर दावा जताते हुए कहा कि राजद अपने बलबूते तीनों विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ने और जीतने में सक्षम है। नेताद्वय ने कहा कि फैसला प्रदेश नेतृत्व को लेना है की चुनाव कैसे लड़ना है। नेताद्वय ने पर्यवेक्षकों को आश्वस्त किया कि अगर प्रदेश नेतृत्व जिला संगठन को मौका दे तो हम अपने कार्यकर्ता, नेताओं और क्षेत्र की जनता के बल पर विधानसभा चुनाव में जीत का परचम लहरा सकते हैं। कहा कि झारखंड और देश की जनता भाजपा की असलियत जान चुकी है। कहा कि राज्य में आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार बहुत ही अच्छा काम कर रही है और जनता पुनः एक बार गठबंधन को चुनाव जीताने का मन बना चुकी है। पार्टी कितने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ेगी यह सिर्फ नेतृत्व पर निर्भर करता है, लेकिन जिला राजद अपने दम पर बोकारो, गोमिया और बेरमो विधानसभा क्षेत्र में चुनाव जीतने में सक्षम है। वहीं, प्रदेश पर्यवेक्षक गिरधारी गोप, आबिद अली और विक्रम प्रसाद यादव ने कहा कि हम लोग बोकारो जिला राजद की भावनाओं से राज्य नेतृत्व एवं केंद्रीय नेतृत्व को अवगत करा देंगे। हमारे कार्यकर्ता चुनाव लड़ने एवं जीतने के लिए कमर कस लें। हम अपने कार्यकर्ताओं के भावना के साथ हैं। अगर गठबंधन दल हमारी भावनाओं का सम्मान नहीं करेंगे तो राजद सभी चारों विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ेगी। वहीं, गिरधारी गोप ने बोकारो के सभी ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि हम सरकार को बाध्य करेंगे कि राजद की नीतियों का सम्मान करें। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव और संचालन महानगर अध्यक्ष रामजीत यादव ने किया। इस मौके पर राज्य परिषद सदस्य बोधन यादव, महिला जिला अध्यक्ष हृदय देवी यादव, युवा जिला अध्यक्ष संतोष गिरी, प्रदेश उपाध्यक्ष कुंदन गुप्ता, प्रदेश महासचिव जितेंद्र नारायण यादव, प्रमोद सिंह, अशोक यादव, राजदेव पाल, चंद्र भूषण गुप्ता, सीताराम यादव आदि उपस्थित थे।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन

सिंदरी (आजाद सिपाही)। रोहड़ाबांध ऑफिसर्स क्लब में बुधवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें सिंदरी की एसडीपीओ भूपेंद्र प्रसाद राउत भी उपस्थित हुए। जिनका धनबाद के नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार नेता ने पौधा देकर स्वागत किया। एसडीपीओ भूपेंद्र प्रसाद राउत, नियोजन पदाधिकारी विनोद कुमार और आनंद कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आनंद कुमार ने नियोजनालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आगंतुक, बेरोजगार आवेदक-आवेदिकाओं और उपस्थित नियोजकों को विस्तार से अवगत कराया। बताया कि झारखंड के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 एवं नियमावली 2022 के सफल क्रियान्वयन से स्थानीय लोगों को स्थानीय रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं. एसडीपीओ ने अपने भाषण में बेरोजगार आवेदक-आवेदिकाओं को रोजगार पाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराद के बारे में जानकारी दी एवं उससे बचाव को लेकर अवगत कराया। वहीं, नियोजन धनबाद पदाधिकारी की ओर से आज के रोजगार मेला में विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा लगाये गये स्टॉल का भ्रमण कर विभिन्न रिक्तियों, सेवा शर्तो के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और कुछेक आवेदकों की चयन के बाद नियुक्ति पत्र का वितरण किया। इस रोजगार मेला में 23 नियोजकों ने अपनी उपस्थिती दर्ज कराई और लगभग 1500 आवेदक/ आवेदिकाओं ने भाग लिया। जिसमें विभिन्न नियोजकों द्वारा कुल 142 आवेदकों को चयनित किया गया और 431 आवेदकों को शॉर्ट-लिस्ट किया गया। इस मौके पर जय प्रकाश गुप्ता, सूरज कुमार, प्रशांत गोयल, विवेक साव, संजय साव, अमित कुमार, राज शेखर कुमार आदि उपस्थित थे।

सरकार की कथनी और करनी में बड़ा फर्क है : हलधर महतो

तोपचांची (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नेरो पंचायत में बुधवारर को आजसू की ओर से जनजागरण पद यात्रा निकाला गया। जिसका नेतृत्व धनबाद जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष हलधर महतो ने किया। जनजागरण पद यात्रा खुरडीह मोड़ से नरो घटवार टोला, बजरंगबली मोड़, मुखिया टोला आदि होते हुए कई टोलों से गुजरा। पदयात्रा में ढ़ोल बाजा और आजसू का एलईडी प्रचार वाहन भी शामिल था। इस दौरान चौक में सभा आयोजित कर हलधर महतो ने कहा कि प्रत्येक पंचायत में सरकार ने कोल्ड स्टोरेज खोलने की बात कही थी। वहीं गरीब महिलाओं को चूल्हा चौका भत्ता 2000 प्रत्येक घर में देने का वादा किया था। पर अब तक ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसी लिए आजसू जन जागरण पदयात्रा के माध्यम से लोगों को सरकार की गलत नीतियों को बता रही है। वहीं संतोष महतो ने कहा किक गांव के लोग जाग चुके हैं। वे सरकार से अपना हक-अधिकार मांगने लगे है। सदानंद महतो ने कहा कि झारखंड सरकार की कथनी और करनी में काफी फर्क है। आज प्रदेश के युवा, महिला, किसान, विद्यार्थी, बुद्धिजीवी सभी हताश एवं निराश है। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद महतो, धनंजय महतो, कृष्णा महतो, सचिन महतो, कमल दे, बिनोद बिहारी महतो, गौर चंद महतो, रमेश जयसवाल, गीता देवी, रीता देवी, चमेली देवी, शुभद्रा देवी, रेखा देवी, बबली देवी, रेखा देवी, पिंकी देवी आदि मौजूद थे।

छह आटा चक्की का कटा कनेक्शन

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल ढोरी के महाप्रबंधक रंजय कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार सुरक्षा विभाग और सीआइएसएफ की ओर से अवैध बिजली कनेक्शन के विरुद्ध बुधवारर को अभियान चलाया गया। इस दौरान फुसरो बैंक मोड़ से लेकर कल्याणी तक कुल छह आटा चक्की मील दुकान का अवैध कनेक्शन काट दिया गया। ढोरी सुरक्षा प्रभारी शीलचंद के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। जिसमें प्रथम फेस में आटा चक्की मील को चिंहित करते हुए अवैध बिजली आपूर्ति को काटा गया। सीसीएल के इस अभियान से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सुरक्षा प्रभारी शीलचंद ने बताया कि महाप्रबंधक के निर्देश पर अवैध बिजली कनेक्शन को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। सीसीएल के बिजली को अवैध रूप से कब्जा कर कुछ लोग आटा चक्की मील चला रहे थे। वैसे लोगों को चिंहित कर बिजली आपूर्ति बाधित कर दिया गया है। कहा कि सीसीएल की बिजली आवास में इस्तेमाल करने के लिए है। पर कुछ लोग अवैध ढंग से दुकानों में बिजली इस्तेमाल कर रहे है।

बेरमो विधायक ने शेड निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

सरकार प्राथमिकता के साथ करवा रही जनोपयोगी कार्य : विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

बैदकारो/बेरमो। विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने बैदकारो पूर्वी पंचायत अंतर्गत डीवीसी बेरमो माइंस स्थित शिव मंदिर के समीप विधायक मद से बनने वाले शेड निर्माण कार्य का बुधवार को शिलान्यास किया। विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार की ओर से जनता की मूलभूत समस्याओं के साथ जनोपयोगी कार्य कराए जा रहे हैं। शेड निर्माण कार्य से क्षेत्र के लोगों को फायदा मिलेगा। इस अवसर पर पूर्व मुखिया ललन सिंह, बीस सूत्री सदस्य मनोज कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि टीपू महतो, कारू सिंह, अरविंद सिंह, संजय कुमार सिंह, फूलचंद महतो, सुनील कुमार सिंह, झपन सिंह, सुमित सिंह, सुनील तिवारी, मुकेश सिंह, गुड्डू सिंह, मिठू मुखर्जी वार्ड सदस्य नैयर हुसैन आदि मौजूद थे।

शेड निर्माण कार्य का शिलान्यास करते बेरमो विधायक कुमार जयमंडल.

विधायक के प्रयास से अलारडीह में लगा नया ट्रांसफार्मर

जैनामोड़/बेरमो (आजाद सिपाही)। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह के प्रयास से जरीडीह प्रखंड के अलारडीह पंचायत लेटगोड्डा बनचास टोला में 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है। जिसका उद्घाटन कांग्रेस के जरीडीह प्रखंड अध्यक्ष अशोक मंडल ने बुधवार को विद्युत प्रवाहित कर किया। मौके पर पंसस उमेश गंजू आदि मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव में झरिया से संतोष सिंह ने पेश की दावेदारी

दावेदारों की सूची

झरिया : जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, प्रदेश सचिव शमशेर आलम, जुबेर अंसारी उर्फ बाबू अंसारी, वीरेंद्र गुप्ता, शोहराब अंसारी।

बाघमारा : रामप्रीत यादव, शमशेर आलम, प्रदीप पांडे और राकेश गुप्ता।

निरसा : बबलू दास, सुदाम भंडारी, आमिर उरवा, दुर्गा दास, शोरव अली, अर्जुन भीम और वीरेंद्र यादव।

सिंदरी : संतोष चौधरी, मधुसूदन मोदक, शोराभ अंसारी, बबीता शर्मा, वीरेंद्र यादव, महेंद्र पासवान और हेमंत जायसवाल।

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के कई नेताओं ने धनबाद जिले के विभिन्न विधानसभा सीटों पर अपनी-अपनी दावेदारी पेश करते हुए बुधवार को जिला कार्यालय में बायोडाटा सौंपा गया। इस अवसर पर कार्यकरी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी भी मौजूद थे। आज पूरे दिन कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं का जमावड़ा रहा। सभी विधानसभा चुनाव को लेकर ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे थे। वहीं, जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने झरिया विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी की है। कहा कि सीटिंग विधायक का नामांकन नहीं आया। अगर उनका नामांकन आता तो सायद मैं टिकट की दावेदारी नहीं करता। मैं खुद को झरिया की राजनीति से जुदा नहीं कर सकता हूं। झरिया मेरी जन्म और कर्म भूमि रही है। मैंने अपना अधिकतर राजनीतिक संघर्ष झरिया विधानसभा में किया है। पूर्व में भी झरिया विधानसभा से टिकट की दावेदारी कर चुका हूं। पार्टी हाईकमान झरिया में जो निर्णय लेगा हमें स्वीकार है। वहीं, धनबाद विस से कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी, शमशेर आलम, मयूर शेखर झा, डीके सिंह आदि उपस्थित थे।

किसी भी शिक्षाविद को उद्योग के समर्थन की आवश्यकता होती है : प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा

आइआइटी आइएसएम में विद्युत परियोजनाओं में कार्यशील पूंजी प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों के बीच विचारों के आदान-प्रदान से सभी के ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिलेगी : प्रो जेके पटनायक

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। भारत के सबसे बड़े जलविद्युत विकास संगठन एनएचपीसी लिमिटेड के कुल 20 अधिकारी आइआइटी (आइएसएम) धनबाद में एकत्र हुए और बिजली परियोजनाओं में कार्यशील पूंजी प्रबंधन के लिए ज्ञान के साथ ही नवीनतम उपकरणों और तकनीकों से लैस हुए। एनएचपीसी के विभिन्न विभागों के प्रबंधन कार्डर के 6 टू 8 स्तर के प्रतिभागियों ने पूंजी प्रबंधन के संबंध में प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण और केस स्टडीज के माध्यम से चर्चा में भी भाग लिया। आइआइटी आईएसएम के प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग (डीएमएस और आईई) विभाग की ओर से एनएचपीसी के अधिकारियों के लिए विद्युत परियोजनाओं में कार्यशील पूंजी प्रबंधन पर बुधवार को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसका उद्घाटन आईआईटी आईएसएम के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा द्वारा दिये गये अध्यक्षीय भाषण से हुआ। इस अवसर पर आईआईटी आईएसएम के निदेशक ने कहा कि उद्योग किसी परियोजना के निष्पादन के संबंध में डेप्थ ऑफ वैली को दूर करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किसी भी शिक्षाविद को उद्योग के समर्थन की आवश्यकता होती है, क्योंकि आदर्श स्थिति में विकसित उत्पाद हो सकता है जमीनी स्तर पर टिक नहीं पा रहे हैं। इसलिए किसी उद्योग या जमीनी स्थिति में किसी उत्पाद का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह टिकाऊ है या नहीं। प्रोफेसर मिश्रा ने बताया कि जब कोई उत्पाद जमीनी स्थिति या उद्योग के परीक्षण से गुजरता है, लेकिन वित्तीय रूप से व्यवहार्य नहीं होता है, तो बाजार विश्लेषण या वित्तीय विश्लेषण और जो भी हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, उसे पूरा करके इसे व्यवहार्य बनाने की भूमिका प्रबंधन की आती है। वहीं, प्रबंधन अध्ययन और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर जेके पटनायक ने सम्मेलन के दौरान निर्धारित इंटरैक्टिव सत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। कहा कि प्रशिक्षुओं और प्रशिक्षकों के बीच विचारों के आदान-प्रदान से सभी के ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रोफेसर संदीप मंडल ने प्रबंधन अध्ययन और इंजीनियरिंग विभाग के इतिहास के साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। प्रोफेसर रश्मि सिंह ने जलविद्युत ऊर्जा क्षेत्र में नवीनतम अत्याधुनिक सॉफ्टवेयरों के साथ प्रभावी कार्यशील पूंजी प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पनबिजली क्षेत्र की उत्पादक दक्षता को केवल क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों के लिए ऐसे क्षमता निर्माण कार्यक्रमों से ही बढ़ाया जा सकता है। एक अन्य समन्वयक प्रोफेसर नीलाद्रि दास ने आईआईटी (आईएसएम) के प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एचपीसीएल लिमिटेड के लिए पहले आयोजित किए गए विभिन्न अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण दिया।

NETARHAT RESIDENTIAL SCHOOL
NETARHAT
P.O- NETARHAT, DISTRICT- LATEHAR
(An Autonomous Institute under School Education & Literacy Department, Govt. of Jharkhand)

Tender Inviting Notice
Enquiry No- 1922 Dated- 27.08.2024

Sealed tenders are invited for Netarhat Residential School, Netarhat from reputed parties/firms / Company/contractors having relevant experience in Civil Works, for renovation of Vidyalaya Vidyalaya old Guest House at Netarhat Residential School.

1.	Name of the Tender	Renovation of Vidyalaya Old Guest House at Netarhat Residential School, Netarhat.
2.	Scope of Work	Renovation of Vidyalaya Old Guest House at Netarhat Residential School, Netarhat.
3.	Technically Sanctioned By	Executive Engineer, Building Division, Latehar
4.	Technical Sanctioned Date	07.08.2024
5.	Name and Address of the Office Inviting Tender	Principal, Netarhat Residential School, Netarhat, P.O- Netarhat, Dist- Latehar.
6.	Date of Publication of Tender on Website	27.08.2024 at 03.00 P. M.
7.	Last Date and Time for submission of Bids	09.09.2024 at 11.30 A. M
8.	Date of Opening of the Tender	09.09.2024 at 01.25 P.M.

Complete details can be seen on our school's website www.netarhatvidyalaya.com

Sd/-
Principal
Netarhat Residential School Netarhat

PR 333855 (Human Resource Developement)24-25*D

दिनदहाड़े बीच सड़क पर व्यवसायी से 75 हजार की लूट

कतरास और बरोरा थाना सीमांतर को लेकर भुक्तभोगी का नहीं हो पाया मामला दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

बरोरा/कतरास। बरोरा थाना क्षेत्र के अंतिम बॉर्डर लेडी डूमर पुल के पास बुधवार की दोपहर दिनदहाड़े बीच सड़क कर एक व्यावसायी से 75 हजार रुपये लूट लिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। भुक्तभोगी की पहचान कतरास थाना क्षेत्र के आकाश किनारी निवासी अशोक राम गुप्ता (60) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक वह बाघमारा से माल आवंटित और पैसों का तगादा कर अपनी गाड़ी से चालक और मोटीया के साथ कतरास स्थित लौट रहे थे। तभी लेडी डूमर पुल के पास दोपहर करीब 1.30 बजे बाइक से पहुंचे तीन हथियारबंद बदमाशों ने 75 हजार रुपये लूट लिये. विरोध करने पर बदमाशों ने व्यावसायी की पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। इसकी सूचना पाकर तत्काल मौके पर पहुंची बरोरा पुलिस ने भुक्तभोगी को तुरंत इलाज के लिए कतरास के निचितपुर अस्पताल में भर्ती करवाया। हालांकि बरोरा और कतरास थाना में सीमा बंटवारे को लेकर मामला भी दर्ज नहीं हो सका। वहीं बरोरा थाना प्रभारी ने कहा कि घटना स्थल कतरास है इस लिए मामला वहीं दर्ज होगा।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा।
अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 03(RI)/2024-25/RWD/EE/KODERMA दिनांक :-28.08.2024

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेन्डर कॉल
1	RWD/KODERMA/07/2024-25	प्रखण्ड चन्दवारा अन्तर्गत टिकवाटांड़ से तारातांड़ तक पथ का निर्माण कार्य। (लं0–1.500 कि0मी0)	1,32,98,800.00	एक करोड़ बत्तीस लाख अंठानवे हजार आठ सौ रू0 मात्र।	09 (नौ) माह	द्वितीय
2.	RWD/KODERMA/08/2024-25	प्रखण्ड चन्दवारा अन्तर्गत थाम पंचायत ग्राम पुरनाडीह भाया बनहा नवादा तक पथ निर्माण कार्य। (लं0–1.800 कि0मी0)	1,54,02,200.00	एक करोड़ चौवन लाख दो हजार दो सौ रू0 मात्र।	09 (नौ) माह	द्वितीय

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:–02.09.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:–09.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:–11.09.2024 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा झारखण्ड, पिन– 825410
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 8709561933/06534-297102
6. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–शुल्क भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है। ह0/–
कार्यपालक अभियन्ता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, कोडरमा।

PR 333898 Rural Work Department(24-25)D

सरकार ने एक भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया : यशोदा देवी

गठबंधन सरकार ने झारखंड के लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया: टिकैत

आजाद सिपाही संवाददाता

नावाडीह। प्रखंड के उपरघाट स्थित तीन पंचायत नारायणपुर, बरई, पलामू में आजसू केंद्रीय समिति के आदेश पर बुधवार को दूसरे दिन भी पार्टी के बैनर तले जन जागरण सह पदयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें मुख्य रूप से डुमरी विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी और युवा आजसू के राज्य संयोजक टिकैत कुमार महतो शामिल हुए। इसमें गठबंधन सरकार के झूठे वादे को जानता के बीच उजागर किया गया। यह कार्यक्रम डुमरी विधानसभा क्षेत्र के सभी 70 पंचायतों में किया जायेगा। इस अवसर पर युवा आजसू राज्य संयोजक टिकैत ने कहा कि गठबंधन सरकार ने झारखंडी जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। जानता इसका जवाब समय आने पर देगी। वहीं, डुमरी प्रभारी यशोदा देवी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने जनता से किया एक भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया है। आजसू जनता को जागरूक करने में लगी है। वहीं, वरिष्ट आजसू नेता दुर्योधन महतो ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की हमेशा से ठगने की आदत रही है। यह पार्टी कभी भी झारखंडी हित में काम नहीं कर सकती है। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मिश्रीलाल महतो, महिला प्रखंड अध्यक्ष साजिया अंजुम, निरंजन महतो, मोहम्मद इम्तियाज अंसारी, महावीर महतो, फूलचंद महतो, त्रिवेणी महतो, महादेव महतो, लालचंद महतो, रेखा देवी, कलावती देवी, सुरेश महतो, सलेश कुमार, दिनेश महतो, गणपत महतो, माहरू महतो, बॉबी पटेल, दीपक महतो, विक्की शर्माऔर दिलचंद महतो आदि उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, लातेहार

अल्पकालीन ई- निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या :– 03/2024-25/EE/RWD/LATEHAR दिनांक : 27.08.2024

क्र0	आईडेंटी फिकेशन सं0 / पैकेज सं0	प्रखंड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि
1	RWD/LATEHAR15/2024-25	लातेहार	एन0एच0 99 उत्सव मंडप से करमाचुआँ औरंगा नदी तक पथ निर्माण।	119.043	रू0 एक करोड़ उन्नीस लाख चार हजार तीन सौ रूपये मात्र।	09 माह
2	RWD/LATEHAR16/2024-25	हेरहंज	पी0डब्लू0डी0 रोड से बनकिता तक पथ निर्माण।	951.486	रू0 नौ करोड़ एक्कावन लाख अडतालीस हजार छः सौ रूपये मात्र।	18 माह
3	RWD/LATEHAR17/2024-25	हेरहंज	पंचायत सेरनदाग से पिपराटोली हथिया पत्थर तक पथ निर्माण।	240.770	रू0 दो करोड़ चालीस लाख सतहत्तर हजार रूपये मात्र।	12 माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 03.09.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 09.09.2024 अपराह्न 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 11.09.2024 अपराह्न 03:30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, लातेहार पिन – 829206।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 – 06565245038

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमण्डल, लातेहार

PR 333863 REO (24-25)_D

सोशल मीडिया पत्रकारों के लिए सरकार के पास कोई नीति नहीं : सीएम

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने राज्य में पत्रकारों के पंजीकरण की नीति पर बड़ी जानकारी पेश की है। बुधवार को विधान सभा में विधायक रमेश चंद्र बेहेरा के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया और वेब पत्रकारों के पंजीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। विधायक रमेश बेहेरा ने सवाल किया कि अगर राज्य में सोशल मीडिया को विनियमित करने और उसमें काम करने वाले पत्रकारों को पंजीकृत करने के लिए विशिष्ट नीतियां बनाने की योजना है, तो इस संबंध में क्या कदम उठाये गये हैं? जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सोशल मीडिया पत्रकारों के लिए सरकार की कोई नीति नहीं है। इसमें सूचना और जनसंपर्क विभाग के कार्य भी शामिल नहीं हैं। हालांकि, वेब मीडिया के लिए, राज्य सरकार ने एक वेब मीडिया नीति तैयार की है। वहां काम करने वाले पत्रकारों को पंजीकृत करने की कोई प्रणाली नहीं है।

रूट बांटने के विरोध में दूसरे दिन भी ऑटो और ई रिक्शा चालक हड़ताल पर रहे

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची के चार जोन को 17 रूट में बांटने के विरोध में दूसरे दिन बुधवार को भी लगभग 10000 से अधिक ऑटो ड्राइवर और 2500 ई-रिक्शा चालक हड़ताल पर रहे। ऑटो और ई रिक्शा के हड़ताल पर चले जाने से लोगों और छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं निजी कंपनियों के टैक्सी, रिक्शा, रैपीडो बाइक और अन्य सार्वजनिक वाहन चालक लोगों से मनमाना भाड़ा वसूलते दिखे गये। हालांकि शहर में एक दो ऑटो और ई रिक्शा लुक छुप के चलाते दिखे। साथ ही ऑटो चालक बाइक, ऑटो और ई रिक्शा से घूम घूम कर शहर के सभी चौक चौराहों पर नारेबाजी करते हुए बंद को सफल बनाने के लिए ऑटो चालकों को हिदायत दे रहे थे।

ओड़िशा में भ्रष्ट अधिकारियों पर एसआइटी की नजर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त काले धन पर विशेष जांच दल (एसाईटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरिजित पसायत ने बताया कि ओडिशा में पकड़े जा रहे भ्रष्ट अधिकारी भी अब उनकी जांच के दायरे में आ गये हैं। सोमवार को भुवनेश्वर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए न्यायमूर्ति पसायत ने कहा कि इन अधिकारियों की जांच भी एसआईटी द्वारा की जा रही है। न्यायमूर्ति पसायत, जो कि तीन दिवसीय ओडिशा दौरे पर हैं, उन्होंने बताया कि एसआईटी ने पहले ही सर्वोच्च न्यायालय को आठ रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं और आगामी 15 से 20 दिनों में नौवीं रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी। इसके लिए 28 अगस्त को कटक में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जायेगी, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक और एसआईटी के अन्य सदस्य भी शामिल होंगे।

काले धन के मुद्दे पर जस्टिस अरिजीत पशायत की बड़ी प्रतिक्रिया, भ्रष्टाचारी को पकड़ने के साथ ही आयकर धोखाधड़ी की रकम भी जांच के दायरे में आयेगी। अर्थात, जब कोई भ्रष्ट व्यक्ति पकड़ा जाता है, तो सतर्कता, आयकर विभाग या ईडी के अधिकारी कुछ गड़बड़ी किये तो स्वयं जांच के घेरे में आ जायेंगे। जीएसटी में प्रदेश में भी बड़ा फर्जीवाड़ा देखने को मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अवैध ऑनलाइन जुये के जरिए पैसे का कारोबार किया जा रहा है। वहीं, बैठक के बाद केंद्रीय प्रत्यक्ष आयकर बोर्ड सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा कि अवैध संपत्तियों के निरीक्षण के दौरान प्रत्येक विभाग के बीच समन्वय कैसे हो सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल लेनदेन के माध्यम से साइबर अपराध, क्रिप्टोकरेंसी और अवैध धन लेनदेन पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जायेगा।

काबिल और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बुधवार को भुवनेश्वर में नालको के निगमित मुख्यालय में काबिल और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। समझौता ज्ञापन पर नालको के निदेशक (वाणिज्यिक) और काबिल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सदाशिव सामंतराय और ऑयल इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (व्यापार विकास) रंजन गोस्वामी ने नालको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा काबिल के अध्यक्ष श्रीधर पात्र और नालको, काबिल और ऑयल इंडिया लिमिटेड के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर काबिल की मौजूदा और भविष्य की परियोजनाओं में सहयोग करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण और दोहन में संबंधों को मजबूत करना और बढ़ावा देना है। नालको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा काबिल के अध्यक्ष श्रीधर पात्र ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के साथ काबिल की प्रगति में एक नया अध्याय प्रारम्भ होता है, क्योंकि काबिल और ऑयल की ताकत देश और विदेश में रणनीतिक खनिजों की खोज और दोहन हेतु नये रास्ते खोलने के लिए तालमेल बिठाएगी और इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' और राष्ट्र के खनिज प्रतिभूतिकरण की हमारी यात्रा में एक कदम आगे बढ़ेगा। खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल), भारत सरकार के खान मंत्रालय के तत्वावधान में तीन सरकारी उद्यमों : नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। ऑयल इंडिया, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में एक महारत्न सीपीएसई, प्रमुख एकीकृत तेल और गैस कंपनी है, जिसके पास कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के अन्वेषण, विकास, उत्पादन और परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और प्रमाणिक विशेषज्ञता और संसाधन हैं।

स्मार्ट मीटर पूरी तरह से सुरक्षित और विश्वसनीय

● इस संदर्भ में हम दोहराते हैं कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह से बिजली खपत की यूनिट का सही निर्धारण करता है और सही बिल प्रदान करता है

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बुर्ला समय के परिवर्तन के अनुसार प्रौद्योगिकी में सुधार के साथ-साथ नयी प्रौद्योगिकी के आविष्कार और उसके अनुप्रयोग से विद्युत वितरण के क्षेत्र में विभिन्न परिवर्तन आये हैं। स्मार्ट मीटर तो महज एक उदाहरण है। इस स्मार्ट मीटर के आविष्कार के बाद से इसका विभिन्न स्तरों पर परीक्षण किया गया है और सरकार द्वारा अधिकृत निकायों द्वारा प्रमाणित किया गया है। स्मार्ट मीटर लागू करने से पहले, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने 17 अगस्त, 2021 को राजपत्र अधिसूचना संख्या टीजी/डीएल/ई/19082021-229126 के माध्यम से भारत की सभी बिजली कंपनियों को स्मार्ट मीटर लागू करने का निर्देश जारी किया। इसका विश्लेषण करते हुए, ओडिशा विद्युत नियामक आयोग ने ओडिशा राज्य में स्थित सभी बिजली वितरण कंपनियों को स्मार्ट मीटर लगाने के निर्देश भी जारी किया। इस आदेश को लागू करने के लिए पश्चिम ओडिशा की बिजली वितरण कंपनी टीपीडब्ल्यूओडीएल ने 2 साल पहले सभी प्रकार के ग्राहकों के लिए स्मार्ट मीटर लगाना शुरू किया था।

इस संबंध में हम ग्राहकों और जनता को सूचित करना चाहते हैं कि स्मार्ट मीटर के आने से ग्राहक इन मीटरों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और इस प्रकार अपनी बिजली खपत की जरूरतों को पूरी तरह से नियंत्रित करके बिजली की बबार्दी को रोक सकते हैं। इसे औद्योगिक क्षेत्र, कुटीर उद्योग, सरकारी कार्यालयों, निजी ग्राहकों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों जैसे सभी प्रकार के उद्योगों के लिए पेश किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को क्या फायदा होगा इसका एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया : (1) स्मार्ट मीटर में ग्राहक की बिजली खपत का पैटर्न दीर्घकालिक होता है। ग्राहक अपनी जरूरत के मुताबिक स्मार्ट मीटर से डेटा निकाल सकता है। यह मीटर पूरी तरह से सुरक्षित है और बिजली खपत की यूनिट की सटीक हिसाब करता है।

(2) उपभोक्ताओं को अब हर महीने अपना बिजली बिल प्राप्त करने के लिए घर-घर जाकर मीटर डेटा एकत्र करने और अपना बिजली बिल जनरेट करने के लिए मीटर रीडरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

(3) उपभोक्ता हर 30 दिन के अंतराल पर अपना बिजली बिल सही यूनिट के साथ प्राप्त कर सकते हैं, ताकि बिजली बिल की राशि वर्तमान स्लैब सब के अनुसार निर्धारित की जा सके।

(4) स्मार्ट मीटर में ग्राहक अग्रिम भुगतान भी कर सकता है और निर्बाध बिजली सेवा का आनंद ले सकता है।

इस संबंध में हम ग्राहकों और जनता से विनम्र अनुरोध करते हैं कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक खबर या गलतबयानी की परवाह किये बिना देश और राज्य में प्रचलित कानूनों और नियमों के अनुरूप बिजली वितरण कंपनी पर भरोसा करें। यदि किसी भी प्रकार का संदेह मन में आता है या कोई पैटर्न दिखायी देता है, तो व्यक्ति टीपीडब्ल्यूओडीएल के निकटतम कार्यालय से संपर्क कर सकता है।

इस संदर्भ में हम दोहराते हैं कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह से बिजली खपत की यूनिट का सही निर्धारण करता है और सही बिल प्रदान करता है।

एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनवार। आदर्श कॉलेज राजधनवार में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा पुनीत राय व्याख्यान माला के तत्वाधान एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवा निवृत पूर्व पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण प्रसाद सिंह थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो डॉ सीपी शर्मा थे। प्राचार्य द्वारा अतिथियों को मोमेंटो, पौधा प्रदान कर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव वर्तमान समय में देश की आवश्यकता है। एक साथ चुनाव होने से इस पर होने वाले व्यय, पुलिस फोर्स की परेशानी, चुनाव के समय यात्रा करने में होने वाले परेशानियों से बचा जा सकता है। प्रो सीपी शर्मा ने एक राष्ट्र एक चुनाव के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए कहा कि सबसे पहले 1983 में इस पर विचार किया गया। उसके बाद समय समय विभिन्न कमेटी द्वारा इस पर सुझाव दिया गया। वर्तमान में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गयी है। एक राष्ट्र एक चुनाव के के सकारात्मक और नकारात्मक दोनो पहलू है। डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने कहा कि हमें एक राष्ट्र स्मार्ट चुनाव की बात करनी चाहिए। चुनाव प्रणाली को सुगम बनाना चाहिए। जहां सभी लोग अपने मतों का प्रयोग कर सके। प्राचार्य प्रो डॉ बिमल कुमार मिश्र ने कहा की भारत को भारत को अपनी डिजिटल संरचना को मजबूत करनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ कन्हैया प्रसाद राय, डॉ कृष्णा, डॉ दुलारी, विवेक कुमार राय, डॉ जर्नादन मौर्या, मधूसुदन राजा सनोज, मनोहर समेत सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित थे।

अपराधी को ग्रामीणों ने जम कर पीटा, पुलिस के हवाले किया

रांची (आजाद सिपाही)। पिठोरिया इलाके में एक अपराधी की भीड़ ने जम कर धुनाई की है। भीड़ के द्वारा अपराधी के हथियार को भी छीन कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। घायल अपराधी को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। खूंटी का रहनेवाला एक अपराधी रोहित बैठा अपने एक साथी के साथ हथियार लेकर रांची में बुधवार बाइक लूट की घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचा था। बाइक लूटने के लिए दोनों अपराधियों ने पिठोरिया थाना क्षेत्र के तौसीफ खान नामक युवक को हथियार के बल पर रोक लिया और उससे बाइक लूटने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान तौसीफ खान के द्वारा शोर मचाये जाने पर आसपास के ग्रामीण जमा हो गये। ग्रामीणों को देख कर दोनों अपराधी मौके से फरार होने की कोशिश करने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने खदेड़ कर रोहित बैठा नाम के अपराधी को पकड़ लिया।

कैंसर देखभाल परियोजना कोकराझार के लोगों को पहुंचायेगी लाभ : अखिलेश

● एनटीपीसी बोंगाईगांव ने कोकराझार में कैंसर देखभाल परियोजना शुरू करने के लिए असम कैंसर केयर फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के एक हिस्से के रूप में एनटीपीसी बोंगाईगांव ने कोकराझार जिले में एक व्यापक कैंसर देखभाल परियोजना शुरू करने के लिए असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। 32.7 लाख रुपये मूल्य की यह पहल असम के विभिन्न गांवों में लगभग 42,000 लोगों को निवारक और नैदानिक देखभाल की अंतिम-मील तक पहुंच प्रदान करके बढ़ते कैंसर के बोझ को दूर करने के लिए बनायी गयी है। 27 अगस्त को आयोजित एमओए हस्ताक्षर समारोह का नेतृत्व अखिलेश सिंह परियोजना प्रमुख एनटीपीसी ने किया। एमओए पर एनटीपीसी बोंगाईगांव की ओर से ओंकार नाथ एजीएम (एचआर) एनटीपीसी बोंगाईगांव और असम कैंसर केयर फाउंडेशन की ओर से असम कैंसर केयर फाउंडेशन (एसीसीएफ) के सीईओ डॉ. मेजर जनरल जेपी प्रसाद ने हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में बोलते हुए, अखिलेश सिंह ने कैंसर का पता लगाने, उपचार और रोकथाम में उल्लेखनीय प्रयासों के लिए असम कैंसर केयर फाउंडेशन की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना कोकराझार के लोगों को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचायेगी। हस्ताक्षर समारोह में डॉ. सुब्रत चंदा प्रमुख कैंसर देखभाल और अनुसंधान असम कैंसर देखभाल फाउंडेशन, डॉ. निर्मल सिंघा चिकित्सा अधीक्षक असम कैंसर देखभाल फाउंडेशन, आशुतोष बिस्वास जीएम (संचालन), दीपायन पॉल, सीएमओ एनटीपीसी बोंगाईगांव, रोशन डुंगडुंग डीजीएम (एचआर), मधुरज्या सिंघा लहकर वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर.-कॉर्पोरेट संचार), अदिती ठाकुर कार्यकारी (सीएसआर) के साथ एनटीपीसी टीम के अधिकारी उपस्थित थे।

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

वर्मा प्रेस प्राo लिo राँची
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**